

विश्वनाथ सिंह कृत शमायण

त्रि

नी राम कथां कलि के नै महिष भक्तों नी रसिक नमन सरंग वरष नी संश्रित सो कसे ता प करष नी जा सु
 वरन वरस वर सुहां वन प्रे क उ क द न अषोष वहां वन घट संवाद सहित सो इ कथा गुर प्रसाद कहि हों
 मनियथा जां मे गुन गन गन राम के दमन दंभ पाषंड ग्राम के समन प्रकृत सो सकल त्रास के जंनम
 नचा निक धनु फुलास के मोरु हिर मा क सि पुन हरि से कमति क द लित न निक हं करि से दोहा सुमिर नह
 नही गुन राम के होत परम नित नचा उ गुन नतुर न अषगन न सव वट न राम पद नाच ७ चौपाई राम
 कथा आनंद रस कोरी होत मगन से हर मनि भोरी सारद से सुग वहिं पाग कहौ अज किमि सो अति
 सारा दंभ कपट पाषंड लपेटो काम को धकी न्हो मोहि वे टों कमती कर कमार गवाली संग न रुहि सी
 चन कहं माली प्रधम धरं धर मन नहि ने कौ औ गुन सदन न सद्गुन ये कौ पैद पाल रघु नाथ उदा
 रा क दे सरन को ये क आधार कवि गन समति जाति नहि नर की निगम अगम की रति रघु वर की नद
 पिजया मानि कथा राम की कहं हिरा निधन धरम धाम की सोखा कहि मति पस विलास विचरन
 सकल विहंगरस राम कथा आकास जद पि न पावत पार कहुं दोहा एक समय हर हर खसौ वैदे गिरि

हुक्याअनादियहकहं हिंसुतीसनपाहि सुनहिंसुमुषितोरामसरहहुंभगनजेहिमांहि १० चौपाई माया
 मयजगजहंलगिकोई मनविलासजहंलौपनिहोई नैननिश्रवननिदेखियसनिए तहंलौसरगिरि
 जाधरगुनिए व्यापकसर्वभूतमहंजोई जाकोकवहंनासनहोई अनुसरुपंसवदिनतनधारी जियअ
 सरगिरिराजकुमारी साक्षीवितआनंदअखंडा समनहि विप्रव्यापकवृहमंडा परआतमपरब्रह्म
 सहायो नाहिनिरक्षरनिगमनिगायों तेजअसंख्यतरनिसमजाको कहिनसकतवेदहुंवपवाकों
 प्रियासोंपरतेपरप्रभुरांमा मनहरजासरूपअभिरांमा दोहा सोइनिरक्षरातीतहंसोईविसतगोला
 क दुखजधुधुरमोदमयकरनापरमअसोक ११ चौपाई सरजडसकतिहिअसाअंसा ब्रह्मनि
 रसरकलाप्रसंसा रामनिरक्षरतीतभवांनी जाहिभजतमुनिवरविज्ञांनी भूततासुखराजानो ॥ इहा
 तेजतासअक्षरउरआंनो निदिप्रकासधननिखननीको आपनिरक्षरातीतहिंरीकों परमगोप्यप्रह
 मतजोइजांनी भगतिवासनाकेउरगंनै रामरूपजेजगहिन्देखें रामभगतवधतिनैनलेखे जान
 विज्ञानजोगनपध्यांना करिसमाधिरामहिनहिजानो तोनिहफलसाधनमनमारे जौकेवलश्रमकस
 पछोरें दोहा मुक्तिदमभुकेनामसवसरसएकनेएक उन्नमकलौ रामनामसविवेक ॥

काल० कैलास ध्यावतही सोरूप उवाटत परमह्लास ८ चौपाई असनल सतके हरीछाता वरअंगचलितवि
 ३ भूषेनवाला पंचवदनविलसहिछविछाए आवतउरवारवांदुसोहाए इंदुअमलअतिसोहलिला
 रा छविमैछाजतिसवतनछारा कलगलभलिकप्रलमयमाला नैनैनेलिनकछुअरुनविसाला॥
 जटाजूटगंगाजुतसोहैं सुनिवरअमरनिकरभुवजोहै परमप्रसन्नपेविप्रतिहृषा पारवतीकिप्रम
 स्तअनूप कोसरकोअक्षरसोवतावो कहिनिरसरकहिकहिगावो ताहंकेपरजोकछुहोई सोऊनाथ
 नाम नरावेउगेई होहा अजगोतीतपरेप्रकृतिरूपप्रधान चरितहुतिमिअसकौनकिमिकारतकर्मअ
 भिराम अगुनअनूपअनंदमयकोबापकपरकास कहहुंनायतुमजपहुंकेहिजोसनिहोइरुला
 सर चौपाई सनतसवीअनिभएमहेसा रोमहरषतनपनससुवेसा रहेछरीहैमगनमहोई सो
 सषदसहिसकहिकोगाई वहरिवांनध्यानहिउरधासो गदगदगरवरवचनउचासो धमहिसगहि
 गोविंदगुनाली भनतभरीजलआविबिसाली धंमधंमभूधरधियभागी जोहरिकीरतिमेअनुरा
 गी प्रियकचक्रनहआतहुंकाही करनिकथायहसुविछनुमाहीं सेसश्रुतिनप्रतिसादकहहीं सेसजोग
 बलिकभरहाजसोभनहीं कागभसंडिगहुंप्रतिगांवहि सतसैनिकनिसदहिसनाचंहि होहा बरज

ओं नद आलय अमल अनूपा दोहा चारिहार गेलोक के मध्य सरस साकेत नहं सव दिन श्रिंगार म
 परषुवर किए निकेत १४ चौपाई वन वसंत नकुद सिन दारा नहं खेल तरुना पयसि कारा अरु पसि
 मंददा वन सो है निरखत ही मुनि गन मन मो है गोपिन के संगत लो विहार करत कस्मर चिर सउ दारा ॥
 भेदन राम कस्य के रूपा करवें सी कहें धनुष अनूपा अरु उत्तर आनंद वन नीको ललित के लिय लरंजन
 जीको विविध विनोद करै सिय राम लै संग सखिन सब न अभिराम परव वन असे क अभिरामा फूल
 निरारि करत छवि धामा जु प्य पसवा प्रतापी नामा नेहि संग विहरित रहत विश्रामा दोहा वरवां नन के
 जुह को ज वरष वर मन होइ प्रभु सख सखी पुनीत अनि होत लंक पति सोइ दसिन दार पर वन सुत प
 सिम विभोषन भ्राज उत्तर अंग दार वहु सोह स ग्रीव समाज सोरठा अनुपम आनंद प्राणि मुहि
 विधिविहरत ई सनप सुमिरहुं सदि भक्तोनि ता सुवेष वर राखिउर दोहा है प्रकार रघुनाथ की लीला
 ललहि उदार एक गम अरु मगर एक मुनि वर करहि प्रचार १५ चौपाई सत्ता साकेत हि नहि भेदा ॥
 वरनत मुनि पुरान वर वेदा निनि कि सोर रूप नहं लो नो पल भारि विलग होहि नहि दो नो अति प्रकाश

बाल
४

कारनकारजफलहं प्रहृष्टविधिमेहिमयज्ञानु निगममूलजमनवकोमलपाहिउरआंनु १२ चौपाई मक
निजीवव्रत्सुहकोरूपा अंतरगतप्रहिनामअनूपा सबको करन परमप्रकासक स्वयंप्रकासलोकसव
व्यापक अविलसंतापदेव अपदारी सुमिरतही परमानंदकारी परमजोतिरूपैसियगमा गुनातीत
प्रहनामलत्तामा सकलसिद्धमंत्रनिकोनायक सर्वैवरनउच्चारनलायक कहतमधुररसनहिंसुष
षावै जिहिजपिसहसनामफलप्रावै अष्टजारनमहं प्रहिवलजेतो करिनहिसकतअधीअष्टने
तों उलटहुकहत परमफलदाता मोहिआंनप्रियज्ञानहिज्ञाता दोहा प्रनवपाहिनेप्रनवनेगायत्री
श्रुतिमोनु तातेरमायणप्रगटप्रभुजसमैविद्यात सोरा जनुमुदमंगलवानि विरतिविज्ञानस
मेमपर अंतरपरमपददानि अधमउधारनविरदजेहि १३ चौपाई धानुस्महंसुषरितप्रहिमाही
तातेप्रहिसमयहंसदाही विज्ञानीमुनिव्रत्ससन्ना तेजरमहिसुनामअनूपा अवसउसादर
न धामरामको अजगोतीगोलोकनामको सकललोकपरममहाई सुमिरतहीमुदमंगलदाई ज
गनमूलपैप्रकृतिरहितहै सतचित्तआनंदसकतिसहितहै जाकोआदिमध्यनहिअंता सदहिप्रसंस
हिसुरश्रुतिसंता अवनिलोगननतरुनहंकोरे सरवरभूधरधामधनेरे नित्तिअनादिब्रह्ममयरूपा ॥

४

उदार होइ सोई जो नृपति विचार मो समान को अनहिराजा मही मगरि हों सहित समाजा मागु मागु नर
 फिरि अवरुगी वो सो प्रमुदिन नृपव उभागी जो मो परपर संनदयाला तो दीजे परमे मर साला सोरवा
 बाल भाउ सव सार पाऊमें आनंद धन जवल गिर सनु मार नवल गि जीव न होइ जग होहा होई
 सोई प्रभु करौ मागु नहं अवगनि नव सति रूपौ मुदिन अति बोली जो रिसुवानि सोरवा रहै मोहि छ
 विधांम सोन सहित सुन मेम पर प्रेम मनु कहिराम अंतर ध्यान भए विहंसि १८ चौपा नृपति सति
 पुन वतन जिकु काले वसे जाइ सुष सो सुआले फिरि अवरुगे अजो ध्या आई भए चक्रवर्ती जिस ध्या
 ई दसर ध्या न भई ब्रह्मरानी प्रतिव्रत रूप सील गुन धांनी भोग निभोग निबै स सिरानी नव अव निय
 सुन चिंता मानी सकल मुनी सन विनय सुनई जुन वसिष्ठ भिज सो कज नाई कै प्रसन्न निन जाग
 करयो पुरोरा सन पइ सित पायो नास अध कौ शिल्प हिरी लो रहे उसा उभाय भाग पनिकी लो तामे
 पेक सुमित्र हिदय ऊ वयो सो जुगल भाग फिरि करेऊ होहा पेक भाग तामे हर विदीन के कई कौह वयो सु
 मित्र हि पनिरि दियो जे दिजां निन वनाह कियो मुदिन रानि न असन नृपति सनीति विलास देन प्रजन सुष
 काल कछु वितयो सत आस १९ चौपाई भेद व भरी बल न अथ भार धरि भाग जुन भो संसार सेवरी आ

बाल

५

निधिअवधनिवासा सिद्धारामकोअंनंदरासा लीलाप्रसन्नारिको कहिये सुनतगुनतपरमे महिलहि
 पे बालआदिवयजहंलगिपरही विश्वविहारविविधिविधिकरही सोलीलाप्रहमगटकहावै सु
 मिरतनिरखतभचरिंवहावै लीलाप्रगटकरनकेहेता महिहंमिमगटनक्रपानिकेता मनुसतिरुपा
 वउतपकीने तेजअधिकतनभोअनिषीने दोहा विधिहरिहमवरदेनहितगएतहांवहुवारचला
 नचिततेहिंधीरकोचाहिसो रामउदार १६ छंद सेवकस्वामीप्रगटभयो तनधनदुतिहारीअभरं
 नधारीअंवरछनछविसछविछयो करधनुसरसोहै सुनिमनमोहैतेहिछनभत्रभूमतिमिरिग
 यो विधिहरिहरजाकीवपछविछांकीरहिनिरंतर तरे निरगुनगुनआगरआनंदसागर
 भूपरुपमनलेतहो वांनीहरिरानीनुमहुलोभानीजाकीदुतिपरसोदमई सोइसोभितसीतापाम
 पुनीतावांमभागदरसानभई दोहा रोमहरखतनकंपअतिगदगदगनपरांनि कहनचहतकहि
 सकतनहिंउधिहोउत्तपलोभानि चौपाई फिरिधरिधीरजहोउकरजोरी कीन्हीअस्तुतिवदुरसवारी
 कसोएमवरमागुनपेसा मोहितकोटिकसहेकलेसा मोकोकछुअंहेइतौहिनाही सुनिनृपहारविक
 ह्योमउपांही लखमुखउवरहिकिमिमागहुं तुमसमसुतसुमिरतअनिलाजहुं बोलैहंसिहरिदान

रमानंदसमाना तातेमुदमयभयहुजहांना जाकरेंजससंजोगसरसाई ताकहंतसआनंदअधिकारै ज
 जनमहरषफिरिउतरवभार धरमवृद्धिपुनिमोदअपारा श्रवतिसुतरुमधुधारनिव्याजा मोचनि
 महिसवआयुसमाजा कोकनदनिरजंनैरतनारे समिटेराजहंसधुनिधारे तिहिमिसिसजिसारि
 नजुतगांना रामदरसलालवैअमाना नदीनैरजलजससमुदाई नैकउषारिरहीछविछाई लह
 रिकरनिप्रभुमिलइनिकोंही फेलायेमनुतेहिछनमाही दोहा निमभिदलियेपरागमुदकारतसधनु
 हवाइ प्रसरितमोदप्रसन्नमनहरिउसाधुविकाइ स्वयंजलितरसिनशिवाहननसुअगिनिनिहारि
 अखरनिधंननिहवैकिएलिप्रभुजनमविचारि वापगांननमहुंकारतसुरगंधवगनमोइ देतसव
 हिअंतरजुनभभयोनिरंतरसाइ २२ चौपाई वनगिरिवरप्रतिध्वनितेछार निमिषगकुलनिमध
 रधुनिभार मंगलमयविलसहिंवहुंवाही देवराजतेहिअवसरमाही सहसद्रिगनिचरुदिसिमुद
 देवी गौतमश्रापअसीसैलेवी अतिकमनीयतनयसखदांनी तकिचकिछकीकोशिलारांनी ललि
 तलदुरियालसैमिरीनी भरीसुखविउपमनतेहीनी अरसीसुमननिदरिअंगछाजै अरुनअधरकर
 चरनविराजै जाइनिरषतसाइचकितछकतहै नहिन्पपैकोउषवरिकहतहै सनतहिन्पश्रवननिमु

可

दिविगधविधि विधि आसिषआपमहासुषुडवनिधि प्रभुइशावलवांनभएजव सेककालमहंसमिदे
तेसच जगदुषदेविद्याअतिकीन्ही पुहुंमिप्रगरिवेपरमतिदीन्ही निरगुनसगुनअंगवरजाके जाकी
छविहंमहरिविधिछाके सोदसरयमनआपोएम सुनरमुनिदायक विश्रामा कौशिल्यामनसो
इफिरिभास्यो तवजेऔरैतेजप्रकास्यो निजिनवजगमुदमंगलछायो अवयअनंदजाइकिमिगायो
सारखा रागरंगसबलो गरागनाचजुतगुरुलसे विविधिभांतिकेंभोग रिधीसिधीलीनेगलिनर
औपाई समजनमकरअवसरजांनी आएतहंसुनिवरविज्ञानी बारबारसरवरषहिफूलना मा
हतत्रिविधिवरुतअनुकूला नाचदिनभसुरतियवहुभांनी गावहिगधपञ्चोकिन्नरजांनी व
सादिकसुरचरेविमानन बरेलसैविगतितकमलालन दिगमसेनतनजलजसुहायो आनंदअ
उपमभयभरिभायो धैरभैरसवसहरंगीलोन मनमुदअंबुधिवदतछवीलो बरीधरीपुरआगमजांनी
साधनलगनसुप्रतिरससानी हरषभरेनपषवारिलेबांधि छनछनमहंअलिगनचढवावहि दोहा॥
जोगलगनगुरुसकलसुभसफलहोनकेहेन धारिधारिननहिपहरविअतिवैदेसुभगनिकेत मधुसित्त
वमीदिवसमाधिआदितसअचित्तितवृद्ध परंवलप्रगटनभयोसतचित्तआनंदसद्द संहजहिप

सरजूमिली सुवसार ४३ तजो सषन गुलाल बिचवी चना चहवाल सांवन सांघ नैमनो जनुचपलानम
 कैषनो दोहा एकहिगहिगहिकलसकर धांवरिष्टूदेकेस चंदनचूरकपूरयकमलती २४ मुषनिसवेस २४
 चौपाई पहिविधि नारी अतिरंगराती लाजविहाइ फिरै मुदमांती रारवेष वारंगेरंग धावै भो डरमृगम
 दमलय उठावै नपसानंद वरनिनहिजाई जनुत्रिभुवंन मुषसतनुलवाई सुषकौशिला जाइ कि
 मिगायो जेहि आनंदको आनंद जायो सवहिन निजनिज निलमलुदाये प्रमुदित निनदी के जिनपाए
 छत्रचवंर भूपति प्रहंवाच्यो दानवीर रंगसे मुषराच्यो राम कपालोचन जवदेवे भरेको सनहिको उस
 रेखे सत्पास बलविसविताछाके भासए करहिगेतहंवाके छंद करि आइ सुरमुनि राधि भूपति दान
 वरु विधिके दिए गजवाजिमनिगन भूरि सुरभी नोद सो मुनिजंन लिए सुररुषि वरषहि फूलपनिपुं
 निवि विधिवाजवजांवही लखिराम जन्म उछार मंगल गीत प्रमुदित गांवही सोरठा जात कर्मसचकी
 न भूपति भारी मोदसो फिरि फिरि विप्रनदीन वलु अनेक नभानिकी ३५ सुनकमनीय के कइ जायो ३५
 आनंदमै आनंद नृपायो जन्मो सुमित्रा जुगल कुमार को कहिसके अनंद अपारा उन्नत समे उन्नत सब
 भोतैसो कीलो जात कर्म नृपवैसो नाम करण अवसर पहिचानी बोले सरवसिष्ट विज्ञानी सबै भूतै कह

बाल
७

बानी लहेउजोसुवसोअकथभवांनी सोरठा परीभईछविधोम महांमोदमै नारिना प्रगटतही परराम भ
 व्तारीअवतारमनि २३ चौपाई मंगलगण्डुहीसवरांनी सुरतियआरतिकरहिसयांनी जनमकोशिर
 लासुतपरतारी सुनिसुनिभरिभरि नननियारी करतसमंगलगानपधारी मिलीतिरुहिअपसरउ
 सिधारी सहजहिसावसदिनदुनिवारी पनिअतिहरषहंसनिछविन्यारी इमिजिनमुखनिछरनि
 सियारई वटोतेजरविमंदजनाई जाइनेईसवसिसुहिनिकारी भईनिष्ठावरिरननिसारी नुपकतो
 प्रचहुंदिमिनेछूटै भारीरवगिरिकंदरफूटै हंनैनिसानमानदैरुरे जगधुनिकिपनभमंउलपूरे छंद॥
 जयजैतिधुनिजनपूरिअंवरवाजनेसुवजावेंहीं करनालनुरहीं मांऊमेरीवेनुवलितसगांवेंहीं चहुं
 वीरनृजकजुष्णनांचहिंसरसगतिउपजावेंहीं अतिहरषसातनववारिभूलेनारिनावहुंभोंवहीं छं
 द वभंगी सवमंगलगणनगरसोलाएजलजविष्णएचौकछजै वरवंदनकारेचित्रितहारेरतनसंवारैक
 लससजै वहुनौमतिवाजैजनुषनगा - जैनपगनराजैभीरकिएं वरुमंगलआवैहयगयपावैप्रभु
 जसगावैमुदितहिऐं छंद लियेचीनहाथैप्रकैगीनगावै पेकैलैमटंगैउमंगैवजावै एकैरंगगारैगहैए
 कवांही एकैचीरवैचैहंसैमोदमाही छंद करकंजलैपिचकारिभारैंगमेलहिनारि वडिगैलसोरंगधारा

नीकीनीलीलसाहिवोदनिषों किलकिकिलकिकरचरनचलावहिं पगअगुनपीवतसवषांवहिं परे
 उता नहिपलिकनिसोवहिं घनमहंहंसहिछनहिमहंरोवहिं कवित्र प्यापपपरमप्रकासीउयाइए
 तछविदुलरावनिमुलावनिमूलरेंधरें लखिलविधिविधमुषअतिहिअनंदितसैसमुषिसोवावतिसोंगा
 वतिहरेहरे वांनीहरिरानीमहाराणीकीसराहैभागनिरखेंसकलसरआनंदभरेभरे अनमअपारसव
 वदनकोसारसोईपीवतअगुपेवैपलनापोपो दोहा धरिधरिरहतसमाधिमुनिजेहिलगितनहिविसा
 रि तेहिलैलैचूंमहिमुषहिअवधनगरनरनारि २७ चौगई अवसरगुनिनरपगुपहंआयो पसनीहि
 तसुभसुदिनधरायो ग्यातिभूपसवनेवतिवोलाए आइअवधअतिहीमुषपाए बालविभूषंनतिन
 परिणए मगुलिगकलहिनजुतसतभाए मनिमुठकीषनछनासुहाए लखहिलगाइदीहिमुदछा
 ए पांपसादिपरकारवनाए रंगनायकहंभोगलगाए तेइलैकछुसिसमुषनिछुवाए महांमोदसोस
 वमिलिषाए उठिसंगअचैपांनमुषदीनें विविधिसुगंधनिजेसुषलीनें उनिप्रमुदितदसरयगुह
 आए भूषनपरगजतुरंगमगाए दोहा जयाउचितदियसवनिकरुसाहितमीतिसनमान छकेछ
 नीलेसुवेंनछविगएनेकरतवसान छंद महियोमसुहाइवजहिंवंधाईदेवनओईसुरापारी रतिसची

बाल
८

जानैसमे विज्ञानी मुनिजामैरमे आनंदसिंधुजासुवपभासे लीकरने भवभरिप्रकासे जाकेनाम अनूपअन
ता सुमिरत अभयहोहिंसवसंता निरगुनसगुनअंगजेहिंभूपा लीलाजासपरमसवरूपा सोरठा ज
प्रहिंजाहिंविप्ररारि वंशादिकसुरआसजेहि वेदनि सारविचारि रामनामनाकोकही ३६ चौपाई सक
लजगतकोपालनकरता ताकोनामभरतभवहरता लछिमीजुतनिहुंभुवनअधारा ताकोलछिमन
नामउदारा जोसत्रुनमारैसुरपाले तासशत्रुहंननामविसाले इनचरिहुंनमहंएगुनअरुही येईना
मइनहिअनुहरही मुनिसरवहुसनामनिभाषो सनिसुरनरमुनिअतिरसचाषो नपचहुदिसिनप
निवृत्तिबुलाए नितनवनूननमानिदिकार महांमुदिनप्रनिविदाभएसव नपरुपगयपरतनदिए
तव चलनचरतपगपरतनधरको छकेरूपलविसतमनहरको दोहा दसरथअनुपमभापसवग
एसराहतगेरु अवधनगरचीथिनफिरतमुनिव्रासनेसनेरु ३६ अथआदिकोमार चौपाई छनछन
लखहिबुनननपरांनी नजररुतिमति सुखविलोभांकी मोतिनमनिनफुलेहरासोहैं हरधिरुखिचारि
उस्तनमारैं केहरिनयकलकाविराजे करकमलनरेसमगुनछाजै सेतकोरद्विगअंजनकीन्हें रंचानिल
कडिबौनादीन्हें हँचारिकमुषदियैदंतुरियां जननीजनकधारमनहरियां पीनसुकटिकारीकरथनियां ॥

८

ही गोकर्ण लाल कपोत हों दे मरुतारी आनंद में भारी कौशिल्या पोक ही मोसम परत न भागित हारी अ
 थ अंत को मार चौपाई इति विधि हरि कछु काल विताए नृपरा निन परजन न छकाए मेव ककुंचित
 कल अलका वलि बेनी गुदी लसै मुकता वलि अंजन अंबुज दिग अनियारे जंत्र मंत्र रहित सुव
 कारे अंग अंग राग लसहि गल माला चाल विभूषन वन कविता ला पीत नील वर अंबर धारे स्था
 म गौर तन मभा पसार कौसले स कौशिल्या लसिल सि चाल विनोद विलोकहि हसि हंसि प्रेम प
 योधि मगन मन दोऊ कहं लो कहै सुकृत कविकोऊ मै भसंड के मनुज भवों नी निरखुं देवाल च
 रित सुख हों नी दोहा सिवत पीनता कटि मनहुं हों न चरुत उर पीन घरीष वीली करल सै भाल दि
 ठौ ना दीन मातु डलारे सुत सकल किये परस पर प्रीति मनि आंगन मोद कलिये फिरि हिषात सि सु
 रिति ३२ चौपाई मुदित मंथरात हंचलि आई कहि सि सुवन सो कछु मुस काई वग रावहुं सुवचा
 रिहुं भाई माधन कंद कौर देउ नाई सुनत शत्रु हं न वदन पसारो नुरत सफूल ये कते हिडारो लगे हन
 न रिउ हं न रि सि हाई हंसत सो गै नृप नि कट भगाई कौतुक लखत हं सी सवरा नी हंसि के कै ऊ विज

बाल

२३

भवों नौ गिरा सपों नीरमा लोभांनी मिलि नारी प^नना पौटा वैमंदहु लावै कलसुरा गावै थकित भली लखिसि सु
 ख विछल कैल गैन पलकै पुनि पुनि पलकै रांगरली दोहा सब सौं वीने उका लक छुभे कछु तनय सपों न॥
 नृपरा नी सकुती प्रजा करहि रूप सपों न २६ अथ मधु कौमार फिरहि छुटु रुवें न विचरत जह न हूं गूं
 हील सहिल दुरियां सिरम हूं भाल तिल कमसि विडं वनाए कछु कछु अरु न नैन छवि छाए अंगद कट
 का उलाक विराजें किं किन नृपरा धनि सुषसाजें लीला मृगनि गहं हि कहुं धाई उर हूं निधाई लेइ उठा
 इ कहुं चंदन विमचल हि आंगन चूं महि मुखरानी अनुगंगन पार न भरि जल ससि दरसा चहिं फि
 रि मचल हि जव पकरन पावहिं मनिमय मंजु लवायें निसाकर रावहिं अति सुष सुष सुष माकर
 जननी कहहिं लेहु अवचंदहिं गहि हूं सिसन न न भरहि अनंदहिं दोहा कहुं मरु पनि सुनि चकि
 न जांचु पांनि सो भागि अतिस भीन लोचन किर जां हि मातु उर लागि कहुं हसि नोचन कचें फोरन निकों
 मनिमय पार हंसि हंसि रानी साविन जुन चूमहि मुख सुष सार सोरग न नुरो हें चतरान चलि यरु रोहें
 पगनि कहुं नृप उर सब न समात पुनि पुनि चूं मन वदन विधु ३० क० एक समै सुन गोद लिये थकि
 जो हिर ही मुख की छवि भारी रोम वरे जल नैन भरे सरु काहे कसौ हरि मातु निहारी है सुन भाउ भरे

२४

विश्रामहि आपोअत्रधनसोसतसोई विहरतअवनिपआंगनरोई निरवतताहिंरमहंसिदसुंऊ
 लखवप्रकिरसोमुखमहंगएऊ नरुवृत्ताउसमूरुविलोका वरुविधिहरिहरलोकपलोका नरुहुंर
 मविनठोरनदेव्यो सबवृत्ताउमभुहिंमपेव्यो दोहा नलोविताएकलपवहुंपनिमुषवाहेरआइ
 सोईदिनसोईघरीलविवायसअकुलाइ ३५ चौपाई फिरिविचारिरघुनायप्रभाऊ अस्तुतिकर
 नलगीअतिचाऊ पलकितननलोचनजलधारे गरगदगरहरिगुननिउचारे नौमिनौमिहर
 मनसरहंसा नौमिभांऊकुलकेअनुजंसा परंवलजयवालकहपा वपप्रकासजेहिब्रह्मअनू
 पा जाग्रतस्वमसुषुमिभिन्नहो अंतरजअरुअनवाधिल्लहो सबकहंसमअतिसुषदभगतके
 आदिमध्यअरुअंमजगतके विश्वरूपविश्वंभरकारण नौमिनौमिजनसंश्रितजारन तुमही
 कोउअनूपकारिमानहिं कोउसरूपजुवंपरपहिंचानहिं छंद कोउकहंहिंआपकपरिच्छिंवहुंर
 पनुवंहैभांतिको परधोमनामउदारीलागतवेतनकांतिको तुवें प्रबलमायाविवसस्वैजं
 नभ्रमेजगनहिंछूटही मोहादिबलदलबलनकोभलकोपकारिकरिक्कंदही सोरठा विनाभजन
 जुवराम पावहिजियवहुंभांतिदुष सुमिरतलहिविश्राम रहहिंमगनआनंदजन ३६ चौपाई ॥

बाल
१०

हि अनघानी कहुं पसि न प्रकरन कहें दोरेहि सुनिपिकसि विधनि तैसाहिं बोलहिं कहुं वैठि एक संगहिं गां
 वहिं गेद उछालन कहें अति भावेंहि कहुं सीसनिके महलनि माही लगहि विरावन निज परछांही
 दोहा देखि विरावन निज हं पुनि आसहिं पाइ उवाइ फिरित किनै सहिरो सकरि मारहिं चरन चलाइ
 ३३ फोरत दरपन धांइ न पाही मचलहिं गांइ न प्रकरन कांही बाहु पकरि कहुं हसि हंसि धां वहिं
 कहुं जुरि जुरि नूपर निवजा वहि सखेन संग गगरहि सव भाई कंदक हं निहं निचलहि पगई लप
 दिजाइ कवहं पुनि भाई हंसि हंसि भाई दैहि छजई फल आदिक राषहिं जेन आगे लै उत साहित
 अति अनुरागे तिन के पात्र भूषन निभरहिं लेहिन सक चतने अपउरही नव प्रमुदित नूपरानि हं
 धांइ कहें हिले हुते लै गृह जाई इगंन मृदिषे लत मुदमाने वनि वाय सुभ सुंद नियराने दोहा वेद
 ब्रह्म परइनहि कहुं लीला है यहि भाई अवतौ प्रभुना लखहुं तव प्रह संदेह सिराइ अस गुनि भाग्यो
 लै पवां मभ्यौ कौतुक कीन धाए ताके पीछही कौक छु अंतर दीन ३४ चौपाई भर को सात पताल धां
 मसों जहं हिल वतन हं वैठ रामसों आवत गरुन एक वपु धावै पल भरि कल कहुं का कन पावै सांतलो
 कजु चै हं चटि गरु रामहिं न रुहुं विलोकत भएऊ फिरि चहु बोर विलोकें रामहिं पायो नै कन कहुं

वतहं धाई दोहा भागसरागसनी सुपुषि गजगों मिनि सुक्रमैरि अमितो दोरहि गहन सुन परममनोहर चारि
 चौ० ३२० फिरि दोरी ममुदित सवरा नी अनुपम पविन हिं जाइ वषांनी किं किनि नूपर सोर साला मनि मंदिर निभ
 लोनि हि काला स्वमिलि पकरि लिए सुन जाई नहं भागे दोउ मचलि छडाई अमकी पकरि हंसि जोई क पनि
 रनि छडाइ भगे फिरि रोई मातन अमित विलोकि गये गहिं छकि सुर पवि जोई जय जय कहि कै कइ राम
 सुमित्रा भारतहि गहे हंसन सो पौ को शिल्पहि वरुनिल वन रिप संदन पांचे धाई स्वमिलि मुद सो आंछे जा
 इ गहे सुन रो वत सो है कर पद पटकन नयन ललौ है दोहा मों नमि पारी सुन गहे निखन मुदित भुवाल को
 शिल्पहि सौ पत भई अकप सो भावर साल ३८ चौपाई ल्या वत सवन विलोके राजा महां मोद सो आनन
 भाजा सुनन सुख विलखित वसुष सां नी भूपगोद महुं दी नें रानी वामज सरि पहन वैराण जंघराहि
 ने भरत हुं भाए मक्षिगमलै नूपमुद छाए चंचल लखन सौ ग्रीव हि चटि गोए गहि सिर चरन चला वत हं
 महिं अनिकोमल पद गहि नूपदू महिं नवदति रिसन प्रकासित करहिं नूपर धनिकरि नूपमन हर सो
 दसिन भुज सोल वन हिं गहे चौपे कर गहि भरत हि रं रघु नंदन नर षु पतिल विलखि चूं महिं मुष सुषा
 स अनिच विलखि सोरण सूषा हि सिर पलकात पनि पुनि सुनि सुनि सि सुवचन अवहिं नयन जल जात

बाल
९९

निजमापातेमोहिछडेये सुभसंतनकारसंगकरैये जोसुषसतसंगतमहं होई सोमुकतिहुंमुनिकहंहिनको
 ई तिहिकारनपुनिपुनिमोइमागहुं जानेतुवंचरितनिअनुरागहुं हंसिकोलेतवरधुवरदानी अतिअलुपें
 मआनंदकेषानी तुवेंआश्रमाहिनयापीमाया लहिहिभगतिजिहिकारिह ॥ ६॥ दाया ममसासनगरुडहुं
 उपदेसा सुनिहैहैहोइनिपगोसा कलतसुनतरहिहोममगुनगन रहिहि सदांसिस्वरूपमगनमनम
 लमहुंमहंतवनासनहोई रहिहोनिउरसकलदुषधोई दोल पेहिविधिअस्तुतिवहुनकारिकागवहु
 तवरयाइ देवनलाग्योगुमहैवालचरितसुषधाइ वहुविधिविरहभिरतसवसुतकौतुकिननिहा
 रि भयबुलवावतवारवहुंमहिपनिमुदितपकारि सोरठा चिरंजीवहेराम भरतलवनरिपुदवनजु
 त आवहुंस्वमाथोंम चूमहुंमुषवडिवारभे ३७ चौपाई नृपतिनिकटवालकजोइआए सोइकरिकु
 हभगेअनिभाए बालबालमहुंलाललुभांने फिरिफिरिरेहुंनहिंनियगने सतीसिरोमनिदसरे
 थरोंनी तनयसनेरुसवहिसोंसांनी सुनपकारनकहुंमनिअंगनाई हैआतुरदौरतअनिभाई ननरो
 मांचनयनजलछाए गौरअंगकनस्वेदसोहाए अवनपयो धरपपसोपरे वसनकुसमकेसनिमोहरे क
 नककलसमनुअमिकनदरही जनुनभतेतारागनभरही चंचलसतनहिंपकरेजोई हंसतसुमित्रौत

९९

विग्रह मोर है जे तीर तेरे त कहि निमग्न कत भूषि सोर है जे भक्ति रूपि निन ही भूषि निअं व अं व अं ज मो
 ल है म द भुक्ति मुक्ति अनपउन्नत कलित ललित कलोल है सोहा सुजसी संदर सो निवर वीर धनु र्धर धीर
 परम धरम मय माहि प्रज है जय रघुवंश गंभीर ४२ चौपाई जय रघुनंदन सखाम वीने जे विधु वदन सुधार
 सभीने रूप शील वयरा महि कैसी प्रेम प्रयोधि मग्न मनि तैसी गुन संपन्न निरुत्त न धारी प्रभुहि परम प्रि
 पुत्र प्रसवकारी जय रघुनाथ दास पर प्रेमो नित्यानंद रूप जग छेमी भूरी भूति जुत अवध ने वासी जै जै जै स
 व आनंद रासी अस कहि वंसादि क सुर देषहि वंसा नंदन गुर करि लेषहि निंदन निज जलौ निज लोक न
 लागे न प्रहिस राहिस वै अचर गे अवध ने वासी जेहि सुषणा वै भाग्य हीन हंम सौ करि पावै सोहा ॥
 जो परसव महि अवध महं सो नहि पागो लोक मानु पिता के मोद महं राम भरत मुखो क चौपाई जो
 रचत प्रभव लहं मारा होइ अवसि अवध हि अवतारा गुल्म लता त्रिनत रूप सपसी सेवल सरजु सी
 त की मसी इनहं महं कोउ ह मरोवै नौ प्रभु परज लहि सुषसावै इमि उत कंठित लखि रघुनंदन वरसि सु
 मन गे करि वरु वंदन एक समै हरि मुनि उर धारे भूप भौन कहं हर विधि धारे सी सजरा न नद निअति भारी
 जउत पते जल सत वधारी अलि न क छौर छ कल भाए उठी सनत गनी सव पाए लै निज सत गुर दिग जाई
 गु निज

बाल
१२

गदगदगरचूंमहिमुषनि ४० चौपाई सुतपतिगोदलबहिंसवरांनी धुंमभाषअतिआपनमांनी नेहिछन
नृपइकछकिमवगई परानंदमैवूउतभई चढेविमाननसहितसमाजहि सरसवसकलसराहिरा
जहि आसिषदेइअनेकप्रकार जयदसरथमरुगजउदरा जयकौशिल्याजयसवरांनी परंवलसुत
सुषजेसानी जयतिरामअतिरामसरूपा राषवेंद्रसुतरतनअनूपा वातसत्परससिंधुगुनाकर
स्वजनचातकनघनवरषाकर गुनातीतअवतारनकारन हरिहरविधिवंदितजगनारन दोहा॥
जयतिसच्चिदानंदधनपररुतेपरमअनूप परपरधनुभूषनसंवैसतचितआनंदरूप जैलछिम
नम्रभुषांनप्रियभूपभाग्ययलवीर लसतसच्चिदानंदतनत्रिभुवनभूषनधीर ४१ चौपाई जयति
अनंतजगतत्रयधारन जयकंदर्पदरपसंधारन जयतिभरतभवभरनप्रवीना समैचंद्रतचितसु
दतनसंदरपीना रामचंद्रचरनारविंदअलि सुजनसखरकलकीरतिभुविभलि तपसीलादिकस
तगुनधारे जयतिशत्रुहंनजननिदुलारे पितृहियकमलफलावनिहारे प्रभुप्रतापमयबंधुपियारे॥
सतचितआनंदधनतनधारी गुनमंदिरसंदरसवकारी जयतिअजोधाअमलअनूपा सतचित
परमानंदसरूपा ध्यानगमहरिहरविधिकेरी परतमपरापरीजैनेरी छंद हरिनैनतेउतपन्नसरजूरिय

१२

धन

केकईसदनसिधाई दोहा दासनदासिनजुतभवनकीउतविहंगअनेक गीतचाधवडुगौरतहंसुकगनक
 रहिविवेक ४६ चौपाई मृदंगमधुरधुनिमनुगर्जन सुनिमयूरनावनअतिहरयत कुलिसवंप्रम।
 निरचितचंदेवा फरिकसप्रससगंधनिधोजा वैदेभूपसिघांसनभ्राजै चमरचारुआलिनकरा
 जै अतिकमनीपकेकईरानी हंसतिहंसावतिकहिमृदवानी हरखहिभूपतिभरतखेलाई धुंमाधाइ
 समैतेहिआई लिये रामअतिहीछविछाई जनुवांवनलैअदितिमुहाई नवनीरदनीरदतनुरंगा ॥
 तडितविनि।दककुलहीअंगा रतनछरीकरकलितरंगीली सोहतिसरगिसहजछवीली दोहा ॥
 मानुपिताकेपगनमहंपरनसिवायोधाइ परेगंडनपमुदभरगोदहिलिएउठाइ ४७ देखिवदनइति
 दसरथहरखे मुदजलवारिजनयनवरखे सादरलिपोकेकईरामै अतिअनंदभरिउरअभिरामै सी
 ससंधिपनिपनिमुखचूमै लगीमेमसतगहिगहिहूंमै रामरूपछकिवोलीवांनी भूपतिसोममुदिन
 हंसिरानी मेरीप्रीतिरामपरजैसी सुनहुंभरतपरभूपनजैसी कहनपसनिहैराजकुमारै रामहिपरआ
 निप्रोतितुम्हारी लखनशचुहुंनपाउतहंआए सहितसवनकरकंदुकभाए कौशिलादिरनिहुंतहंआ

वाल
१३

परिषोइसिसुषोइपरई दोहा करसिरधरिचिरजीवेंकहिंपकरकहरिहिनिहारि वैरिवरासनभाउनुतलि
 पेगोदसतचारि धर्ष चौपाई रानिनसोप्रमुदिनमुनिबोले कसलहोहिंसुतपरमअमोले ब्रह्मगुरहिंरा
 निसकुचाई नाथएकअवरजअधिकाई सपनेनएचासौसवकाही परमप्रकासरूपदरसाही तजहुसं
 कहरिसमइनजोनी सुनिमुनिमुषइमिसवहरांणी कसौकौशिलाजहुंमहंवेनहिं उरहिंननेकहुं
 फिरहिंअकेलहिं रसियजातेडीतिनलागहिं भूतप्रेतहरिहितेभागहिं हंसिसिसुरसनकरिसुनिरा
 ई कहुंप्रौहायदेहोनिनआई उपरोहिनीलईपहिकारन असकहिंचलनछकेछविवारन दोहा॥
 धनिरानिनजुतनूपअवधितिनकेगुरहंमधंम आपुहिंकौहोंनवतुहोंनहिगनिनिजसमअंम
 गएभवंनमुनिगुनतइमिरसनयाजप्रधारि निजप्रतिपरमानंदमगनहोहिंचाहिसुतचारि धर्ष
 चौपाई परतरस्वामिनराकनधारी मातअंकविहरनसबकारी ताहीअवसरधंन्याधाई भूषनवसन
 अलंकृतआई निरखतताहिराममुदछये उरिविहंसतचलिगोदहिगए लैसादरवालीमूढवांणी कहं
 हुंआपनीरुचिमैरानी वैदेभूपकेऊईधाम कहुंहिंकौशिलाअतिहरवाई
 लहिसोसंनसोकरिसिंगार लियउवाइसनसछविअगार लैसंगसिसनसविनसबदाई मुदिन

१३

पैजीसोमैनिपटअयानिनि हितअनहितकथुजानहुंनारी हंसहुंमनमनिमंदिरमोही राजराजजु
 वतीसवचाहे सोइकरिप्रगटहुंरहीउछाहे नुबंविवाहकीसुधिविसराई निनसंगहुंसहिनपडे
 सुवछाई छंद तवकलपौरानीकहुंरिंकारनकरतइमिकुवरीभई एकसमयनारदअवधआए
 हरषिनप्रमत्तिसुवछाई पुनिकलपोप्रभुआगमनकरहुंनैकसौमुनिअजअनते फिरिलगेवरन
 नदेससवतुवेंदेसवरन्योचैनते नहिहीषकंन्याकनहुंध्याकैकैकराजकुमारिज्यो नपवरहुंनार
 दगएअसकरिजनिप्रसुंनरसुरारिज्यो तवभूपपठईवेगिदूतिनिदेखितजोतिनिसागई नप
 पगुनकुलराजवरपरनाप्रजसवरनभई सोरठा सुनतहिरह्योलुभाइ तवतुम्हारमनभूप
 र कारनकरहुंरिबुझाई अनमनलसिख्योजननि ५० चौपासी जवतुमहेतुवंतासेनाही ब्रह्म
 जननिजोगिनिहिपाही सोवोलीविहंसतअसवांनी औरहेतुनहिजांनहुंरानी नुवंतनमोरछो
 नपकथा मैवरनीसवनपडेजया जवतेदसरथवरननसमो तवतेप्राधोका मनगुमो सुनिरा
 नीराजापहुंरही सिंगरोचरितसनावतिभई केकैकथ्योउचितसवभांती दसरथसमरथगुन।

वाल०
१४

इ चयसनुअरुपसंविष्टाई दोहा लैचास्योसतवनिमधिविलसतनपसवषा^३ वरपरम्वहुंसविन
 विचमनुसोहतसरराइ सोरवा केकैराजकुमारि तकिभपहुंसवतहंतरत प्रजीसवसकुमारि परि
 मलमालतमललै ४८ चौपाई राचिनसोअवनिप्रमिकहेऊ भरीभागतेपेसतलहेऊ सहित
 भावसतमानसनेहं सजिहिजंनचरनोदकलैहं कैमसंनविप्रनवरदीनै वटिहैंदिनदिनआंनं
 दभीनै पेसतलालनपालनजोग करहुंसोईजोहिरहंहिअरोग वोलीसवसुनिसवकरवांनी
 सुनियैधर्ममूर्तिगुनवांनी हंसवकरहंसैप्रानपियारे प्रजवदुजजोहिरहंहिंसुवारे रंगनाथ
 कीकृपांजोहोई वधुनसहितसोहंहिंसुषभोई वरवारनपरगामविरजिहैं चमरछत्रभाइनक
 रसजिहैं दोहा सफलजनमजानवतवहिहंसुमनुमनिरखवगाम सुनतहिउठिगेकंचरीदेचौ
 तहं तकिवांम ४८ चौपाई हंसिवोलीतवकेकैनंदिनि सुनिएकौशिल्याकुलचंदिनि मोहिमंथराव
 लावनिठादी धौपहिकिहिकारनरिसवादी असकहिगईजोनिकटभवांनी गहिकरगैऊपरि
 सहंजी हैआसनधरिहियकटिलाई वोलीबहुतसनेहजनाई तुमनौनिजमनिरूपमुमानिनि

१८

वीसुनाई गरगैआनुरअवधरिआए तासपरमछविलविमुषयाए भूपनिभवनगरमुनिरया देवतउठि
 धारएषराया अरपपोंवदेप्रजनकीन्हों करिरंउवनिमिंघानरीन्हों हाथजोरिफिआपसमागों तवके
 ल्योमुनिअतिअनुरागों हमअरपीकछुजांचनआए करवअसनअवनिप्रसोइपाए छंद पाएविनान
 हिकारवभोजनभूपयनिवहंजीजिए नपकसोपकसवइजंनकोजोइचाहिएसोइलीजिए मुनिकह्योके
 कैराजकंन्याकाजनपनिनकीजिए ताकेसतहिकोरजप्रहसवसुषहिसोपंविदीजिए सोरछ नपमन
 कियोविचार सनिमुनिवरकेवचंनइमि उचितकाजसवसार राजकैरलेउकैसकल ५३ चौपाई ॥
 मेरेसुभसुतद्वैहैजेशी कुलमरजादनछंडिहैनैइ पुनिगुरमंत्रिहुंविभुवाला सुषसोवोलेवचनरसाला
 प्रभुजोअनुसांसनत्तमकीनों सोईमैमनभिरुंचैदीन्हों असकहिसादामुनिहिजेवांए पुनिमुनिविधिवि
 वाहकरवांए सौतिनवातमोहिनाभाई तातेनुरजहितोहिंचेताई निपरहिकहिलजांनिनिहिरांनीचोली
 चांनीअतिरिससांनी दैतिनिप्रकृतिनोरिमैजांने उचितैअपनेवचनवचंने मोरेभेदवद्विनहिपापिनि ॥
 कारहुंजीभजोकहुंअवरारिनि रोछ अवहांअसमतिरामपराकवरीकरनवारि योंकहिमायोकवलपंनि१
 नि पुनिआदिनिहारि ५४ चौपाई देखोइसरपुनपवडभागी करतीकहांवारवहुंलागी त्यावहुरिप्रसदननिज

बाल
१५

कलकांती मातहिं भूपतिजागिनहार नित्यकर्मकरिसचिवं बुलाए सभामध्य अवनि पड़ं मिभाष्यो मे
 ननया विवाह अभिलाष्यो दोहा कन्यादत्तारथ नृपतिकहं दीनचैह कहं भूप सुनिबोले सवसचिवं
 गनयह संवन्ध अनूप ५१ चौपाई भूपतिभलीवात उरआनी पहंमरे सवके मनमानी सचिवं
 एकबोले अतिवानी दत्तारथ वरुह तहै रानी नवबोले मुनिगरग प्रवीना सुनहुं पेकइतिहं
 सनवीना अलकानामपरीमैंग एऊं सुरसमाज मिलि वै दत्तभएऊं तहं रावन उरलं कितदेवां ३
 रखे उताके धै करमैवां बोले हरषकि रघुवर वेसा होइहं हिंदसारथ अवधनरेसा निनकीरां नी
 विदित विचित्रा कोशिल्याके कईस मित्रा रामतलां अवतरिहैं आई भारतलवन रिपसंदन
 भाई छंद तेमारिहैं दसकंधदेवहुं देरुतजिसं सैमहां परसुने उमैतिहिं सभाप्रमुदितगरग
 मुनित्रिप्रसोकहं विधिरचितइहरीयाहपैक छुकरि विचारहुं लीजिए नुवं सुता सुत कौदेहिंम
 हिनौ सुता हरषितदीजिए दोहा सुनतनृपति मुनि सोकबोआपरि अवधहिजाइ जामै सवकारज
 सधै सोई करिय उपाइ ५२ चौ० नवमुनिकथो वरुह तहै नीको कारजतौ विधिही कियी को मुनिम
 डलीलिये मुनिचले जउउडगनमधिउड ५३ भले प्रथम अवधनि निविद्याई दत्तारथ कहुं सवस

१५

अनेसी दुषिततवहिग्रहकोंनेवैसी सुंदरसनसनेहसुषसांनी निजनिजगेरुगईसवरंनी जिहिकैरनि
 नरामपरहोई मनुजरूपसुजांनियसोई ब्रह्मांडिकसरसकलसजाना सनकादिकमुनिमुतपनिधाने
 सैषहिंआदिपारषदपूरे मनुआदिकविज्ञांनीरूरे दोहा कमलाआदिविभूतिवरजोगीततपरजोग रा
 मचरणचिंतहिंसदांत्यागिन्नागिसवभोग यहसनिविसमितद्वैउमाकस्योकहीवृषकेतु सुषदायः
 करषुनाथपाकवरीइरषाहेतु ५७ छनएकरहंछकितसिखेसा लगेकहंनपनिमुदिनमहेसा ९
 कसमैंलौमसमुनिआए अवधमजातकिपलकिनधारे देवरआसनएंजिभवांनी औसहिप्रस्न
 कीलभृदुवांनी नवमुनिकह्योसनतसवजाहं देतविरोचनवलनिजवाहं जीनिसरंनैभौपौरभु सु
 राजा भईविकललाषिविवधसमाजा दियगुरुमंत्रइंद्रदुजवेसा जाइविरोधेनदानिहिदेवा जांच
 नआपुषजांनिहुंलीनौ ब्रह्माभक्तसोसवसांदीनौ भयेसुषीसुरनिजपरपाई भयेअनाथअसुरदुष
 दाई दोहा अतिसंकिनसुरलोकतैभैगिभागितवआइ यंस्तेपतालहिसमिरिसवसाचहिंसीसनवांइ
 ५८ चौपाई जोअवसांमिजुकरैसहांई कैलिवालकअतिवलसुरराई मुताविरोचनकीछविछाई माया
 मईमंथराआई कस्योसभरनुमधीरजधरहं अवलाइवजनिसेकहिकारहं द्वैसांमिनिमैलेहुंनराई॥

वाल
१६

मोतहि चलेषुहुं नतहं हरषातहि लसेसवनमधिरिपुहंनपावन जनुसनकारिकविचुवावोंवन जाइउ
 ठाएकरगहिरोंनी कुवरीअचलगहीतवतांनी कस्योवैनसुनिगमनहुंस्वामिनि सपनकस्योदेछेडिगकोंरि
 नि जांनुटेकिउठिसोरिसलांनी ओंटेसिवालनकहिमृदवांनी कूवरकंदकमास्योरिपुहंन रोवतिगिरी
 कूवरीनिहिछन हंसतसवनजुतमातुलेवांरी आएपितुसमीपसुषपाई दोस रोवतिआईमंथरा
 कूरतथातीसीस देखतहींरिपुहंनतलंभागेभैअवजीस ५५ चौपाई परीभूमिअंगलपटीछारा ॥
 कहिसिलषहुंनपलालहंमाण मास्योमोहिनुम्हांकुमार वज्ररूपदेवनकहंवार रोवतिकरुतिक्वोंव
 रीटांटी गिरतउठतपीराअंगगाटी कस्योसमित्रासोपनिरोई तुवेंसांसनमास्योसुतलोई रोउवमा
 रववालसभावा मोहिमारनमैनौहिसिवावा धन्याकस्योवज्रनहिरोई कंदकलगेवहुतनैरोई रिई
 पुहंनकंदकवज्रसमाना लाग्योकीठिरुतमममांना धन्यायहसवतुमरैकीन्हां असकहिरोइअंच
 मुरलीन्हां सोरठा करुतिकुवरीरोइ करसमाजहिसकलयह बोलेभूपहुंजोइ हंसतसकलनियमं
 थरहिं ५६ चौपाई जनिरोवसिकवरीमुखमोरी रुरहीपीठिलगाउवतोरो मोहिमरावायहुंपकविनुका
 जरे जा मीजिहुलोनेपरराजा पैहुहुंफूलतुमहंमपरिनामा कस्योकेकईभांगु कवांमा सवनिकलीपहुवडी

१६

नलरनमै गई नाते पह गति मेरी भई लगी कहन तहें दैत कुमारी ^{कोर} कुवरी देन नदी निसि गरी तव नौ च दीस
 वहि परचारी अवला अवल वेद कहि दई कौन बल तै जग न गई दोहा कौ अकहं या के मनहि की बात न
 जानहुं कोइ गई दिखावन निज वदन वरहि विबुध मुहि जोइ ६१ कोउ कहं वास वभुलि गएहे नाक कां
 मनहि काटि लएहे रोवनि बोली फिरि मंथरा नारि अवध प्रगट प्रह परा मासौ मोहि इंद्र वउपापी नाहं
 कौनहि दूषन थापी हरि अधर्म यह वाहिसि यायो कहं हिंसे मन पापहिं यायो भृगुकलज निजन नी
 वध कीन्हो छलि असरनि अमि अमर नहीन्हो कहं हिंस वहिन्हो विष पवित्रो गी आपसहि न श्रीस व
 रस भोगी आपसहिं कहि अंग सु पर नारी रहं हिंस दहि वंदा उर धारी आपसहिं दसा भूत पर कहं ही महां
 प्रलय पुनि आपसहिं कर ही दोहा जैसे हरि एकर मजुत नै सैंति न के दास हरि के दिन प्रहलाद हरि पित
 हिकरायो नास ६२ चौपाई अवहरि मोसौ वैर वदायो देहो ताके फल मन भायो वज्र धान पीडित जो मरिहो और
 हिजन मविरोध कहि करिहो कुवर औ हरि मन दै मरे कास मीर कुवरी अवतरी सखी के कई की तो भई कै करज
 कसहि संग दई परव वैरहि नहि विसगयो राम राज के निल कन सायो परम कुवहि मंथरा छाई पाहीं कारन
 अवधहि आई अरि भावहि या को मन रहई नहि अनि अदभुत आनंद गहर तदपि अंत हें रघुपति धाम ॥२॥

बाल
१७

जितिहंरुचिहंरुसोइउपाई चंदेअसरतवसैनहिंसाजी आएसुरहंचुहेगजवाजी भयोदहंनसंयांमअपा
 ए भजिअसरनमंयरहिणकार पासलियेनवदेतिनिआई सवसरकांदनकाधिसिधाई तकिसरसंकातनु
 रतहिजाई नारदरुकिहंषवरिसनाई दोहा आएश्रीपतिखनतहीनिजुआयुधधरिलंथ छुटिवंध
 नतेलखतहीसुरननवाएमाय ५६ चौपाई हरितवकत्यौजुधनुमकरहं नारिविचारिनडरउरधरहं
 औसीनियसवविधिवधजोगू करनिसमरयहितजेहिअजोगू अतिहिअसंकअसिनिग्रहिमारो सु
 ननइंदनेहिधाइप्रचास्यो मास्यौवज्रमायमैताके गिरिचिक्करतसुधिहंनहिजाके धोरसारदिगमं
 उलभरे डोलीमहिदिगाजयथरे भागेअसरमहांअभिमानि आएसराजहंसारंगपानी नाथरु
 रिहिदुहंरिसिसमचुहिए कनअसरनइनकेअरिलविए सिवांसमैसवकहंरिअहंही जेजसमा
 नहितसफललुहं दोहा गएविस्तुचैकंठनवसरहुंगरनिजधाम देतहुंषोजनमंयरहिआएय
 लसंयांम ६० चौपाई बोलीदेविमंयरअसरन मोहिनारिहुनजिभागेनुमरंन केसहुंकेअवधरपहुं
 वात्री वरऔषधिकारिमोहिजिआवो दहीकरिफूटोतिरमेरो करिनवजुकोलगोदरो कंठितअसुरदे
 वजनउरमें डोलीकरितोहिआएधरमें दिखतहिरोइउरीसवनारी कवरीदेतनहीनिसिगारी ॥ इनके

१७

सोभार् तवसवैरामहिमनराष्यो पुररहस्यमेतोसंनभाष्यो दोहा कस्योसिवांसानंदभवकहियचरितरघुना
 य जोसनिगुनिलहिमेमपरजगजंनहोहिसनाय रामरूपछकिछनकतवचोलेहरहरषाड सनहुंसुतीक्ष्णं
 नसोकहीकपाअगल्लिजोगड सोरठा जानहुंनुमहुंभवांनि पैअवचीनेकालवहुं तातेकोहोववांनि पर
 मगोप्यसंवादसोइ ६५ चौपाई एकसमैएकादसजानी सरजूफलविसेविउरआंनी सरगद्वारनैहैआ वे
 जा चलेअवधसरसहितसमाजा चदेहंसविधिवांनीभाजै सिद्धासहितसिद्धवेषविगजै १००
 चौसंगसुरपतिरथनुटे दरसंनसवउमंगसोमहे मूषकराजराजगनराजा मोरमोरपरवरसुवषाजा
 रिषिमुनिपितरसवैदिगपाला कहौकलंगलगितेसुरजाला कतिमविहंगविचित्रविमाना निनपरक
 रहिअपसरागोना गजपतिसतसिरसोरुनिसाना पहिविधिभयोअनूपपयांना दोहा कहनजोहिमग
 मुनिनिकारसरजूअवधप्रभाउ सनजगनतवाटतपरमसवरीकेचिमचाउ ६६ चौपाई गंधर्वकिन्नर
 वारनगांवै उरीमहानिममुनिनरिगावै तजिलोकनजद नेमहिदेवी परमभाग्यसवआपनिले
 धी आजुरामदरसनहंमपाउव भूपतिसोकहिकछुवतचाउव कौनेहुंसिसिपदपंकजपरसव आनदजल
 लोचननेवरसव करतमनोरथमिसुवसांनै सवनभसरसरिसलिलनखाने फिरिचलिभारतघंउनिपरागे

नेहि

वाल
१८

जइफलहिमनहंवरविश्रामैं दोहा द्वेषकाममहंरघुवरपरमनलाइ नअमुक्तिभागीसवेवेदनिदियोवताइ ६३॥
 चौगाई रामचरनचिंतनरत्नचिंतजेहि मुक्तिमुक्तिदुर्लभनहिकहुँ रामहिजसयहभक्तिपिपारी तसब्रत
 संजमनहिसवकाश भागनमिलैजोधिनिस्तसंगा होइरामपदप्रेमअभंगा तेहिसुखसमपुंनिसवकहुं
 नालीं अवनिसुखअपवर्गहुंमाहीं भगतिविहीनमुक्तिनहिलोवै नहिनेहिविनुरघुनंदनजोवै चरुका
 न वारिहंतेघनहोवै सिकैहंतेकोउतेलनिचोवै कवहुंकससारंगरसावै मगत्रसाकहुंप्यासचुगावै मूल
 हिंकमलनभहुंकहुंनीको बलउपकारकरैसवहीको दोहा नअचारिविधिकीमुक्तिविनाभगतिनहि
 होइ भुजाठठाएकहतलौनिगमसारमैजोई यहिविधिमजनप्रबोधकरिगेलोमसमुनिगइ सुनिमि
 वमुसइमिपुनिउमाकरोमस्मसुवपाइ कवरेवैरीविसुतजिकिहिकारनश्रीराम वैरफलहिभागीकि
 पोकहियज्ञानगुनधाम ६४ चौगाई प्रियहिमसंसिसंभुतनकहेऊ कवरीमरनसमयमुनिगएऊ विसु
 विरोधहिमैमतिथाई देषिनारदहिंपूछनभई विबुधनबलतोविसुसरोई हरिस्तंतवईकीकोउसाई न
 वमुनिएऊकौनुकैचिचारी निहिहियकीअरिचिनिहारी रामचंद्रपरतत्त्ववषामौ जदपिअपात्रौताक
 हुंजामौ सुनिसरवज्रमहांमुनिवानी कवरीनीतिइहेउरआनी कटेमूलनरुआयपुराई करोवहोउमहौ

१८

रिप्यार ईई सचीसचीपतिनवतविलोकी नवहिंदेवरनिरहतिनरोकी रघोसावित्रीअजसोअस अव
 धमभावनायकहियेकस हरषिकियोविधिपरिहिप्रनामा उलकितसुमिरेउंउनिहुरिनामा रामरूपम
 हंअतिअनुरागे अवधपरीउनिवरननलागे हिमिगिरिविंधमधकीधरनी मुनिवैकुंठहिसमप्रहिव
 रनी तेहिमधिपुंनिप्रहपरीअनूपा कहिनसकैमहिमाअहिभूपा परमप्रममसहसुहांवनि अति जे
 रसवतीरसजलभोंवनि सदाधेयहरिहरअरुमेरी आनंदआकरनिगमनिदेरी दोहा ज्ञानप्रेमको
 योनयसुसवकेपरवरधोंम जाहितजननहिंघनहुंभरिसहितजोनुकीराम ईई चौपाई चारिप्रका
 मुक्तिकीदाता परीअजोधाजगविद्याता उत्तरदिसिसरजुधरुपावेनि दरसनतेसबकलुषनसां व
 नि ब्रह्मद्रवपाकोजलनीको परसतहरततापत्रयजीको पाकीउपमाकहूंनपावत मोमनबोजिला
 जफिरिआवत जोगंगाहरिपदनेआई नाकीसमताकोउनहिपाई मंजनहेनमनुजजेचलहीं पगपग
 पररूपमषफललहंहीं रोजहिसरजुरामनहंहीं नातेसाकेसमकोउनाहीं अकथअलौकिकसरजु
 कहांनी समुद्रिसहरिसेवहिंविज्ञांनी दोहा किमिकरिवरनैकविकोऊसरजुपरीप्रभाउ जिनहिनिरधिमि
 मरामचितवादनितमतिचाउ ७० चौपाई करुनसननइमिसुरनियगने रहेपरहितकिअचरजमाने

बाल
१६

नहं जेवनी तीरथ दरसांने लगे करन परनाम विसेषी कहं सुरेस सो सची सो देवी काहिन वहि ये सिंगरे देकां मो सं
न करुं नाथ पुरुष भेदा छंद येन वहि सब केहि देव तीरथ देस सो ईवता ये नव कस्यो सुरपति भरत वंड सु
कर्म करि फल पाइए मै कि प्यो ह्यो सन ज ज पाते इंद पद पावन भेयो धनि विंधि हिमि गिरि मध्य जं न जि
न जोहि मो मन सब छये जग नाथ यां न समुद्र नट जहं मो सम निविन भ्रम कहें पुरु देव का सीराम
काहि श्रुति मुक्ति दै शिव सुख लहे पुरु निरवगंगा पाप नार निरुपमा हिम गट न भई पुरु गया गरज
निपितर नार निलुग रा धर धर विछई दोहा सकल मनोरथ सकल करल पुय रुतीरथ राज वसाहे
त्रिवेनी तीरथ कि ये समाज ई७ चौपाई पुरुत काचित्र कर अति चारु जेहि निरखत मन न भोग
जत पसारु गिरि महेंद्र दरदुर पंनि देखुं अवनी के निन वदो उलेखुं सज सुरिस मान नग सो
हैं वंकरुं स देख मन मोहैं करहिं सेनु ह्यो प्रभु सति सेवा रामायन पुरु सनिष प्रबंधा वरुं देखुं हारा
वती सो हाई अजहुं कस जहं हलो भाई मायामय रापुरी विलो कहें वंदावन पुनि सादर जोरुं निम
रास निरादिन जहं लोवै सुमिर न मोह सो क भ्रम धोवै सब तीरथ सरसा सब ताए अवधल वत लो जेन
जल धार दोहा अनि पुनीत पुरु अवधल वजहं परई स विहार नवहुं पाइ पुनि पुनि सची वास व कहें क

१६

नहिहरें दोहा अवधनगरकेलोगसवकीडहिनहिसुबसार परमपुरुषवदुत्पथरिमानहुंकारविहार ७२
 चौपाई नीलमनिनग्रहदीपकधारी चकितनत्रोटानारिनिहारी कहंहिवातग्रहअचरजकारी जीतत
 नेजहिइतनमभारी महलनजदितसुगजमुकतापन लसहिमनहुंनिहचलनारागन केसधूपधन
 नि धूमहिंरी मोरमानिषननचहिसुबारी सौधसिषरकलसाअतिलसही निजदतिसुरजांननदति
 हंसही धजपताकपनुसधनरहेफवि जहांअवनिनहिनिरधितकहिरवि सेतपताकयोमफविफहरे अं ज
 नअकासगंगावहुलहरे मिलेपीतधुजससिमृगभावे इमिउपमाकहि कविसुषणवे दोहा सेसकुंउली
 परसवदपीतवसनअंगधारि अनिसुंदरधनस्यामतंनमानहुंनिकरसुरारि ७३ चौपाई जदितअनेक
 शक्तिमनिगनते देहिमनोरथनुरतसदनते सुरवितारथलमेरुहिंसही निसिदिनपरिहिंपकाशितलस
 हीं जहांकुहुंनिसिद्धंअधियारी मनिकिरननिग्रहकरहिउजारी गृहनिअरामहिंजहंसवकारी चंद्रकोति
 मनिरवितकियारी तातोसिंचनश्रमोनहोई फूलहिफलहिसदहिमुदसोई तिनकेपवनसगंधसुधीरा जिते
 जाहिनियस्वांससमीरा ताहीतेमनुमिलिकैरहई धौपनिनेहिपरवारेवहई मिलेचंद्रिकहिफूरिअंरारी प्रति
 पजनुसरतियनभचारी दोहा ऊचमहलनिकेजहांमंजुषरोषनिचाहि वैदीनियेचंदमिलिचंदजांनिगतिजांदि ॥

बाल०
२०

अदभुतविशेषोऽकलौचषां नी सुनहुं सुतीसंनआनदषां नी जेहिं निरषतपुरनिमित्तजिरहे तोडअभ्यास॥
 अवहुंलोगहे जाहिविलोकिविधिहुंसकुचाने निजकरतवहिनकछुउरआने रत्ननरचितकलधौनेसु
 धामा सुवरनमईरेनुअभिरामा लसहिफरिकमनिफरससंवारी मिलिससिकरदुनिदुनिपसारी म
 निमदिरविनचित्रनिजेज जैनगांइनचलचित्रितनेज वरुंगउडेविहंगवरआवहिं तकिनिनघांहु
 गहनसिस्वधावहि रोहा परमसगंधितजहुंगरहेनिहौदनिभौसनीर केलिकुसललेसंगसविनविहं
 रहिं बालअधीर ७२ चौपाई मनिपिंजरमैनासकबोलहिं निगमागमअरथासयषोलहिं जेहिंपुरड
 यमपनेहुंनहिंआवै परघरहोमधूमअतिभावे चारोवेदनिवेदवापदही कलधुनिसोनभमंडलम
 दही रुरेहुंजहोन्नजाचकहुंपावहिं सबैमलांधनधनदलजावहिं निर्जरनिरुजमंजुनरनारी जिनपे
 रतिपतिरतिदुतिबारी नीचनऊचधांमनिनकेरे सबजैनसवनहिंजोहिनिवेरे गावहिननहिंतिपच
 ऊभांती सुनतलषतअपसरालजाती चमरछत्रजुतगलिनभुवाला कदहचिदेगजरथसुषपाला
 छंद वहुंचंदमनिकेसरनससिकरपरसिलीकरवरषही कलनलनतेजलअमलछटहितापग्रीषं
 मकरषही गवसहुवरसतचदहिजचेअटनिनीचेधनपरे जहुंनुनिसेमंतकधांमाविसमेसिसिरमहेसी

२०

विविधिरतनविरचितसोपानै रचहिजेनिजछविछटनिवितानै पहिविधिवहुं सरसोभितधरनी सुखविमुतीस
 न न जाइवुरनी अतिप्रकासमयपरीसोहाई परिषाअगमअगाधवनाई जनुत्रिभुवनवाहेरहरिकीनी वलम
 रेखअंकितकरिदीनी दोहा विसकरमाजैहिवनकलविपुंनिपुंनिसिसडोलाव कहंहिअमरआईजगकि
 भोकंपपहिवाव ७६ परिहिंमेषिसवसरमनभोरे पूछहिंविनामहंकिंकरजोरे निरबहुं नामअवधनरनारी॥
 सोहंहिंसवअनुपमछविधारी इनकेगुनवररूपसमाना सांचेहुंकोनिहुंलोकनआना अवधसरिसवैकंठ
 नअरुई औरलोककोउकिमिकरि कहई जससबइकैनतसत्रैलोकाएकहिहेनकरहिमबत्रोका हंमसबक
 हंमहोतमहाई कहियकियाजुतवेगिवुहाई विहंसिकरूपोविधिमनुप्रहजाई आवहुसंसैहरिकारई त
 वमनुदिगसवसोचतगर तकिमसंनपुंनिपूषतभए दोहा कहियएकसंदेहवडिमभुनिजहृदयें
 विचारि केहिहिततपजपमयकरहिअवधनगरनरनारी ७७ चौपाई अवधनगरजननिरबहुंनी
 के सकललोकपतिपरिगेफीके सकुचहिरूपतकतमनसिजरनि भोगलषतलाजतसुरपतिअति
 वाधीसवमरजादनाथनुव स्वर्गसरिससवरचेहुंनहीभुव स्वर्गअधिकमहिसवविधिसोहें इंद्रअधि
 कनरसवकोउजोहें अवधविलोकनसंसैभारी करियेनाथवजाइसवारी काहेजतनस्वर्गहितकरिहें

काल
२९

परनिपजितुसुरअंगननिकरनिमिषैकवलाइ कियकराससुवतेरहितसोइ अवहंहरसाइ ७४ चौपाई वनउपव
नवापीसरकपा जहाँलखेसुरसवे अनपा मगरेसकतिसहितसवनेऊ गारिजातमंदारकलपतरु हरिचंदनसंतान
कवनअरु चंपककुंदमअसोकनमाला मंजुलवंजुलपनसरसाला इनहिआदितरुदिव्यसोहाए विलसहिष
गअलिकलनितुभाए पावेंनकंपननवपल्लवअदभुत कनकलताकुसमितमधुकनजुत नृनतविहंसत
भाववतावहि खेदसहितसरनियजंनुभावहि अतिविचित्रवापीवहुवानी विरहिललीअलीसुखसनी
छंद षट्ठरितहिं फूलहिं फलहिउपवनवागननसवमाधनी अतिसरसराजहिंरोमवारिनिलगीवहुंजातिन
मनी सकुमारराजकुमारवेलाहिचारुमृगनिमिकारहैं जिनजोहिंफीकोलगहिंनंदनसुवनसरनिविहारहैं
अतिअमलअंवअगाध आयतनालसिंधुजितेलसे जिनतीरतरुमतिविंवछलमैनाकपसनजुतवसे त
रभूमिवाजीसुगनिआवतविंवमिसिरुपरजहैं जहं करीछांरुनिव्याजराजहिंदेवदंतिसमाजहैं दोहा अ
निसितकुमुदनिकांतिमिसिजहंसोहहिं वहुंचंद स्यामसरोरुअलिनजुतहालारुलदुतिमंद ७५ विगसेवा
रिजजहंवहुलालै लषिजंनजानहिंविद्रुमजालै दीरघलरुगिरछलउरमांसि तिप्रातांगिनिनिमैरुंनकराहिं ७
जहंवडवागिधूंमसंचारा देविपरतमिसिस्यामसिवाए मुदितमरालधुनिनकपटनहीं जहाँरमानपरसुनिपराहीं

२९

घानी चित्रपतरीविगतसयांवी द्वैरसनाकेलागहिलहीं आगिनिसद्विसेनेहिकोसलीं दोहा नींदहिमरुहें
 मोहजहंपरमसजसकोलोभ चापहिमहंगुनछेदहैकरतवानतरुछेभ २० चौपाई कामविधानिसिकोक
 हिलतई तत्तीभेदभमनिहियकसहई जहांदेमूदिबगहीलसई रैनिसोसकमलहिंकोमटई जहंअ
 नम्रनुनवदेवंसहैं जहंनिलज्जयकपरमहंसहैं कनकदंडजहंछत्रहिमाही परजहंलवियवसिहिं
 नपांही सनिसवसरनारदवरवाची भएसवीजेंनभापवघांनो भएसुहिविधिदेवतपुरआंतिचारु स
 रज्जुपुलिनउतरेकरजारु जहांपुरीमतिविंचितलसी मधिजलजेंनुअमरावतिवसी विहरंहिंजहं
 जुवतीसमुदाई कचकुंकुमरुदपीतवनाई छंद वहुंरंगमनिसोजरितताटकघाटजहंवहुभौतिके
 जहंकरहिकलरत्नसकलजलचरविहंगवरवहुंजातिके इस्वाककालकीधारसरजूकेसधेनसिवा
 हैं सुषकमलकुवलयनयनपरईनपत्रपरजेहिचारुहैं दोहा दसनकुमुदकुलकारलहरिहांसफेनकु
 चहुंस गोदपुलिनपयअमलपयपोषनिसिपारघवंस नारिनजुततहंसुरसविधिरतनदानदियनोइ
 सुननहिंनपतिवशिष्टहंपदयोआतिसुवपाई (आरिनजुततहंसुरसविधिरतनदानदियनोइ) किप्रप्रनाम
 मुनिजाइजहंलिपविधिहृदयेंलगाइ करुपौभयेकुलकमलतुमनिरवरुनितरपराइ चौपाई श्रीमहराज

बाल
२२

अवध आइर आतिसुषमरिहैं सुनिसंसे सोचहिं मनु देवा विदित न अगम अवध कर भेवा तहं नारदो
लेम इवा नी संसैत जहं गम पर जा नी दोहा देवन दरल भयह पुरी जा समभाव अपार सुमिरि सुमिरिजे
हिसंन जनल हं हिसकल सवसार ७८ चौपाई अघगन मग गंन विदित वाधिकहैं सनहुं स्वर्ग जें अ
वध अधिकहैं सनहुं स्वर्ग जें अवध अधिकहैं जनन मरन दिविम हं नहिं जावै पुन्य धीन स्वर्गी भुवि
आवै कीट पतंग जमन अधकारी तजित न अवध दिखव पधारी वरवै कुंठहुं ऊपर जांहीं लसहिं
सदा संतान कमाही तहां काल गतिकाल नये को दिव्य भोग सब करहिं अने को अवध लोग ए स्वर्ग
निदर हो हरि प्रिय हित मष जपत पकरही तुमहिं विचारिले रुमन माही अवध लबत भ्रम करिये नाही
ग्रहि परंद उजति न कर पाही भेद कायर सवर्न न मांहीं दोहा चितहिं चोरा वन रूप जहं कुटिल कंतलहिं
मांनि चपल चमर गति नीच जल विषम नैन हर जानि ७९ चौपाई तर्क साश्रम हं वाद विनास दान देत हो
नहिं मर जाद संकर वरन चित्र महं पेची कंप धुजहिं महं जहं विलेखी ग्रंथ न सुनिष भाव विवचारी मरवि
कार जुत करी निहारी मूल ये कर्म सब हिंम हं लेखी छपल हरी पम हं देखी कंज हिंम हं हिंजरा न वैर जहं
होवै जहं विमोग सपन हिंम हं अंग भंग जहं एक अनंगा मेदन गज गै उन कर जंग कंरक जुत जहं विटप व

२२

नष्टविआरतिकरै दोहा द्वारगएसवसरनकोलवनहेतप्रलोग आएउतकंठितकहतप्रहअचरजसं
 जोग ८३ चौपाई द्वारपालतेहिअवसरधायो द्वारघडेसवदेवजनायो स्वामीनौअनुसोसनपाऊं॥
 नौसवसरनिसभहिलैआऊं राजअपनप्रहसवउनहीकों आयोनै प्रधननहिनीको असकहिच
 पतेहिनुरतपठायो सोकरिविनयप्रवेसकरायो रामगोदलैचलेउनपेसा मिलेविचहींसकल
 सुरेसा निरखिलाजमुदसोनूपभरे सादरसवकेपायेंनपरे साजुजरामहंऊंऊंफापास्यो विधिल
 गाइउरवदनमिहायो पुनिविधिविहंसिनप्रहिलैसंगा देखतचलेसोसदनउतंगा छंद जे
 हिरंगरतनदेवाततेहिरंगमिलिकपाटविराजहीं बहुरंगचौकठचारुतकितहंछारजंनअनु
 मानहीं जहंनीलमनिकोफरसग्रहमधिरचित्तमितमनिसोहई जनुतरनिभयतेभवनम
 हंछविषपासयसोसोवई दोहा निजदुतिगरवितअयनसोप्रतिमनिअसितहिंजानि रंध
 जालामिसिरविकरानिमनहुंलवावतएति मरकतमनिवंगलाछजनिकिरिनिसमूहंनिका
 हिं ससि ~~अ~~रविरपहरप्रहहरितदवलनचांदि ८४ चौपाईसुरेसुरभिग्रासेनिजजांनी कही

मृग

जानि

गाल

२३

कुसलदशरथहैं कुसलरामजुनभारलवनहैं कहवशिषमुनिकपांनुम्हारे निसिचासरसवरहनसुवारी का
 सौसतजुनअनिछविछावत मधुपनामकीदसरथआवत सनिविधिविहंसतसारवाले मुनिसोंनिहंस न
 म्मजसवखोले भूपभवनदेखेनहमआउव तहंहिंगमलविवहसवपाउव परंभ्रमजहंलियअवता
 जेनरंजनभंजनभवभारा जाकीनाभिकमलमैभयौ जाकीकपापाइजगठयो नुमहंतौसवजानत
 अहौ हैअजांनइमिकाहेकहौ दोहा पूजनीयहंसवनकरहंदसरथनृपसवधाम परमानंदपरे
 सपरभएजाससजगम चौपाई नृपहिजनावहुजाइमुनीसा आवतनुम्हारेनिलपगिरीसा नवव
 शिषनुरतहिफिरिआए बोलेवचनविनोदहिछाए नुवंसजरसनहेतएरेसा आवहिनुम्हारेनिसदि
 नसुरेसा भूपभागपतवभारीभई सुनिनृपमुषदनिहंनौछई अलिचिरंजुतसुरसमुदाई मविसे च
 परंपरमछविछाई लखतराजयथाललितवजारू पढ़वेअनिविचित्रनृपद्वार हरिमनिनचौक
 ठिजहंछाजै षटितविविधिमनितिनमहंराजै कनककपादवनकुदनिहोहैं जेहिजोहतमुनिहुंनमनमा
 हैं छंद लगिरहेहारलोभायवखलविस छविअतिसुषदांनिहैं जहंचित्रपतरीबपैलैमानिकछरनि
 अरुनसपानिहैं जेकदहिजंनतेहिहारसंदरमभातेइतिनननपरे जंनुजांनिसरपनिसुरननारीछकि

२३

सवकेतपफलतनप्रनिहारे गणगणरजगकेरखारे करिहैं जो नरइ नपै प्रीती जैहे तासकि प्राभव श्रीती
 जवभारिलोकलोकपतिरहिहैं तवलगिनकेसभजसकाहिहैं सबगुनवरनिकहां लोकहिए इन
 नकेसंभभावांनहिलहिए सुनतसवीअतिभयोभुवाला नारदमुनिआएतेहिं काला भूपगोदम
 हें रामहिंदेवी रूपसिंधुमुनिवृडिविसेवी दोहा पुंनिपुंनिनिरखरामतनअतिहरषितमुनिराउ
 भा धरिधीरजबोलतभयोअकषअलौकिकहैं उ ८७ चौपाई भुजंगमप्रप्रात नमामीपरं व्रस
 आनंदरूप अजनिगुनं व्यापकं ईसभूप विभुं संदरं जानिभिर्ध्यानगमं महाजोगवीजंगुहं
 जोगिरमं परं ज्योतिरूपं सविज्ञानसारं परं पूर्णं ऐश्वर्यदानी उदारं सकलां नकारी नमामीप्र
 कासीअजोधाविहारी छंद भगतनसवकारीभवभयहारीअकषविलारीप्रकृतिलसे जैभु
 किनिराजामुक्तिविधातामुनिगनरातारूपरसे जयरदगुनआगरकरुनासागरसुतमउजाग
 रविमलभालो जैनदधितनिलारीवृहत्तनधारीकरुं सुवारीदनुजदलो दोहा परिछिनहैंनुवंश
 किहैंअप्रिछिनहैंसोइ तुमवानीबुधतेपरेछकतने नवपजोइ जोईव्यापकसवजगतसोईधरेसनु
 ना प उभयसमौतनरूपतुवेंजपतपरामअनूप ८८ चौपाई जगतरूपजगपालनकरता जगतजन

वाल
२४

मनि

नभहुंदिमनपवडहंसी मीनाकारोवेंभनिअन्ना फंसतजालजिचैविजुह्वा जिनविचविचरतननिवि
 रजै जलजालारिनजुतछविछाजै कनिनकंगरीमापैमीनीतिनविचनिरवहितिपेसुषभीनी चो
 रुचौपरचौकनिभाजै वहुविधिमनिसोपांनिविगजै देवअयनसवअयनसुहाए अतिउतं
 गसितसिखारवनामे मनिमयनजरिवागवहुंभांती कुजहिंजहुंमनिविहंगनिजाती गुंजहिं
 मत्तमिलिंदनिपांती कनिमसमनसुगंधिलोभांती सोहा नीलमनिननरुसांमसनिउरैअ
 निकमनीय पन्ननपत्रअनेगरंगमनीकुसुमरमनीय ८५ चौपाई चिंतामनिविरचितसव
 ठौरै दसरथसभाछईछविऔरै लवतसधर्महिनहिकछुमाने सहितनरेसहितेहिसमुहं
 ने मुनिनसहितपूज्योकांमलासन पुनिरुगंतपतिपूजितुरेसा महामुदितमनभयो नरेसा
 रंभातुंवरदिसवगायक करिअस्तुतिवैदेनिजलायक करजोरैनपवचनउचारे जन्मकर्मगृहस
 फलरुमारे ध्यानहुंअगमरूपतिनकेरे तेइभेलोचनगोचरमेरे सोहा मोसंमभागीअनिनहिंभ
 योकेनारथआजु पुंनिपुंनिइंसिमवसांकहतपलकितदसरथराजु ८६ चौपाई हंसिबोलेतवअज
 अनुगगी सांचैहुंभपतितुमचउभागी नुमसमानतिहुंलोकनकोई भएरुमहुंधनितुवेंसुतजाई ॥

२४

सहाकुमार करिये सोइ सब सुर करि प्यार भूषित वाता सत्पार सवां नी सुनि सब की मति अनिरस सां नी
 ममुदिन सब वैदेव हंसिक हं सैस हंकार वध कित पुं निरहं पुं निगने स सो अज अस कहै उ नव प्रभां उस
 वकार ज स धेऊ नम सका गन ई स तुम्हारे जय गज वदन महे स पिपारे तुम हीं प्रथम कर हं सुतर स
 न सुनि मन विहं सिगने स विचसन दोहा हूषित अवन चला उजुग मुं उ उ पसारि लगे भवां वन
 वोर नुं रक्षन ते न मुगारि उरि अस अधर सिकोरि हरि सि मुली ला करि रोइ ना न गत लागे नुर न फिरि
 फिरि गज मुख जोइ ६ चौपाई चुपवां वन हिन विधि नि पुराने वारि वदन न कि अधिक स कां ने तव विधि
 कुस सो रसन की ने चले पुं मुख अनिरस भी ने कहु पौठि को म म उर म धि मा हीं काल हं की ज हं कृष्ण
 प्रना हीं नव हं को नु की हरि नगां ने कहु पौष डान न उठि रुखां ने हं से जे नु म म म वट मुख देखी रोव हं
 क हा ग जान न पेखी सि मुली ला म हं म ति ग ति सां नी पार वती गोली हं सि वां नी ग्रह सुत न सि हि न त क न
 द सां न न तुम्ह हि उर हिं कि मि क लौष डान न सन न हं से सरग म हं हं से लखि कौ न क हं सि द सराय ल से ॥
 सोरठा पुं नि सें नि मि प्र वत रानि पहि सरा म र सा सवे राम स छ वि उर आनि चहि निज निज वा हं न ग ए ६
 चौपाई नवन प्र भीतर सुत न पहाए कौ शिलाले कंठ लगाए तिहि अवसर रानि हं न हं आई करि क्रम ते स

वाल्मीकि
२५

कसवजगसंहरता कामुदेवनारयणमाधो नुमरींविस्मविंविउमाधो दक्षैरिपरपीराहारी धर्महितधरनि
 विहारी नौमिहंसवल्लभैव नारामसन्ना मत्स्यकर्मवागरुअनूपा नौमिकस्यकलिकलुषनसावन नौ
 मिबोधकलकीवपुधारी जयतिमरांगोदिजहितकारी सवमयतुमहीसवपररौ निजमुदअंसजगत
 सवकरौ सीतापतिगोपुरकेवासी नौमिब्रह्मपरकासि प्रकासी सोखा सवदसनातनरामना
 मधामसीलासवद निर्गुनसवमाधाम करुतनवतमुनिछकिरह्यो ६६ चौणई सकुचिनृपति
 करुसनिविज्ञानी सनिरौकेषुनिजदासहुंवांनी ममसनवाजईसगुनगायुउ सोमुनिसवैमोद
 अतिपायुउ अवरसहुंप्रेसिसकरिदाया सवीभयेसनिसुरमुनिगया रसनहितमुनिछयोसुमाया
 वाद्यौउरआनंदकोगाथा पुंनिदैकंदहृदयकरिषुएक चरनपासिअतिरुषितगाएउ सवैकहैसुं
 निपरमसमानौ रसिकशिरोमनियहिपहिंचानौ परसिरामपदचतुरचलोपरु प्रेमपयोनिधिमगन
 भलोपरु करुनृपसवैकरीफरहार विधिकरुकादसीउदार होहामध्यमहैफरहारनृपभोजनपां
 पहिंजांउ वरनिरजलहरिकीरतनकरिजागरनहिंदांउ ६० चौणई त्रिमभएतवदरसनकीने रोजहिं
 असनकरहिंनुवदीने जोरिपांनिपनिकरुपौनृपाला रसियसवमिलिएममवाला जिहिमहजीवहि

२५

प्रथमप्रयोगः चौपाई ^३ तत्ताहितनपरानिनसंगा लखनलगे सुतभरिसुषांगा काकपसुंदरसिर
 सोहै रत्नरचितकुलहीमनमोहै निलकवचाउवरनिनहिजाई कंठकंठत्रयरेषसहार कछुआमनउ
 रभावतजीको रमारेषभृगुपदतहं नीको कीनीकरिकिकिनिधुनिनवली गुंजहिअलिजेंबकुसुदि
 नअवली नाभिलवितजनुकुंसादिनअवली डिसुधाकी पीतकषोरीतडितप्रभाकी अंगनिलसहि
 हंगुलियानीनी दुपदीनिमिसोहंहिरंगभीनी पदपदमनिविचरनिमनभाई चोरतिचिन्हिनवनअ
 रुनाई रोहा कलकंगालकुंडलडुलहिमकराक्रितुष्टविदेत अलकैंअहिसिसुमनुससीनिकट
 अमीरसहेतु ^४ गावहिंकिन्नररगनिवेरी नाचहिअपसरसगतिषनेरी समैताहिविश्वावसु
 आयौ दारपालराजहिंजनवायौ सुदितनप्रतितेहितहंहिचुलायो जाइतियनिजुतसोंसिरनायौ॥
 लहिसांसनगंधर्वनईसा वैठोदैवहुंभांतिअसीसा बोलेउविहंसिआजुमंहंराजा तुमंहिरिहैंहोस
 हितसमाजा असकहिंमंजुमृदंगवजायो वंसीदेरिसवहिंसुषण्यायो संतनारविरचितअभिरामाले
 बीनापरिवादिनिनामा स्तुतिनप्रगरसरयांमअलाप्यो मंत्रवसीकरनैजंनजाप्यो रोहा बीनसुरन
 मिलिकंठसरजनमनलसितहोइ लहेअप्ररुवअवेंनसुषगएमाहिसवकोइ ^५ चौपाई मोहितअस

बाल

२६

वषवरिसुनाई गतमुखनेसुनवसोतुम्हारे रसनहितसवकारहिंपसारे वेगिकछुउपकारहिकरहें श्रुतिकी
 भीतिभीतिकरिहरहें कौसिल्यासोइवसकरलीलो अंगअंगमेन्निरसनकीनौ पंनिवहुविधिकेंदोन
 देवाये नेवशिष्यलैसदनसिधाए मातनिनिजनिजगोदहिलीकें परतएतपयपोंनहिंकीकें पंनिसंनि
 सिसवेंचनभिसुवछाई चमेमुखजननिनिअरुधाई सोरठा कहंहिसुनीसववैन सरआगमभागनभ
 से यो रहंहिसनजुतचैन रसिनईसअजादिअव दोहा शिवमुखपरुसंचादसुनिउमापरममुदपाइ क
 ल्पोकरियआगिलचरितजुगहैसनिनअघाइ सोरठा एमकयासभवांनि एनछनसनशिवजीनअ
 सि तैअतिधंसभवांनि असकहिलागेकहंनहर ६३ चौपाई पंचमवरखसतनकेजांनो गुरुहिंपंछि
 नप्रमुंडनवांनो नेउतेभूपतिनेसवआए सुभदिननप्रकुलगुरगृहल्लाए विविधिमनोहरवाजैनवा
 जे मंगलमप्रपारसदनाविरजे सिसुनलियेमुनिअपनेहिंगोदै मुंडनकरवांचहिभरिमोदै मोदकक
 रनिषवावतजांनो रंगनाथमनिमंदिरमाथी सतनसहितमुनिवारअतिसोहें जनुलियजांनचारिफल
 ६ कौहें लसेधैरियनश्रवनसुहाए बालविभूषनपटपहिराए रंगनाथकेपांइपरामे गोदहिलैदसखगृ
 हआए दोहा एनिनजुतसानंदनपरतनसवसनमगोइ देहमहांथीसवनपनिविराकिएमुदछाई २७ २६

ची देवनमधिबोल्हो हंसिवासव मेरोविभवउचहिंकोपासव दसरथभूजो हतहं मरहे उनकेवलदनुजेंनद
 लदेहे तिनकोकरुपोठारिकिमिसकैं जिनकेमेमनेमहंमछके हसकचकिप्रगंधरतवनवारन केकड
 कोपकीनकेहिकारन विनभूलेकदोरकहिवांनी हंमपरविनअपराधरिसांनी ताकोफलमैओगेदे
 हो बाकोतिहंपुरअजसकरेहो रोहा तोनुइहंअचरजहिमेदसरथपरमसजान नारिनचातनकोन
 दैवैभलभयेअयांन हईचौपाई असकहिचनुरचारपठवापो नुरतहिंसोदसरथपहंआयो कतपौ
 सनमुषहिदोऊकरजोरे इंदसंदेसविनपरसवारे कहियेनौहंमहंसवआवै विस्वावसकीकरां
 चलावै सनिभूपतिनवतासोकहेऊ हतवचननुवमेसुखनहेऊ प्रथमहिंमोरिप्रनामसुनाई
 उनके कहियोअससरेससोंजाई वेसतलालनजोगू उनहीकोमेरोसवभोगू हतनाइसिरैपरगपोरा
 हंसिदिविप्रतिहिसनावतभगौ सनिसरनाप्रकसवसोछेये रामहुंमातहिगौदहिआये दोहा वि
 स्वहंचसवसिअवधमहंअनुपमभाग नितनूतनसनिगोनतेहिलोग १०० चौपाई लैरामहिकोशि सवेसाहंदि
 लाभवानी लसेगेबनिजअतिरुखांनी सदनसुमित्रादसरथजाई लियोरात्रहंनलबनउगई तहं
 कोशिलासवीप्रकआई भगोदसततकिछविछाई उंनिफिरिकोशिलावरआई रामहुंसंगदेवेरोउभा

वाल
२७

उद्दिष्टारिउभाई बैठेतासुगोदमहंजाई अनमिषचैवसवजलमरिताई सोऊतनमनखवरिभुलाई छकि
 छकिनाचगोनतजिदीनें रामरूपदरसनसुषभीने परमभाष्यआपनीवधाने दुलगावहिंसुतसवय
 सयाने मोहितसिसुनदेविमुषधये नपतेहिगोनसरहतभर फिरिफिरिदानविविधिविधिदीनें
 करिप्रनामसादरतिनलीनें मातापुंनिपुंसुननडुलावै रंगेरगरंगतिनहिआवै विसमित
 भयेभरपओरानी कौशिल्यावोलीहरबांनी दोहा विस्वावसइतहीवसोलालनलाननहेत राषवहंम
 सनकारसौनुमहिकुदुवसमेत ८७ चौपाई वोस्योविस्वावसकरजोरी नुमसवभांतिनिस्वामिनिमोरी
 देवराजसोहएवजाई फिरिअवधहीवसवहंमआई जाहुपूछिआवहुंनुमगायक नाहीनहिकरि
 हैसरनायक कोपीसनतकेकईरानी विस्वावससोवोलीवांनी सुनतनुभाइछलीकहंजैहै नप
 पतिमासुससरकहंदेहै नुहिमयवाक्युकहिनहिसकिहै जोकहिहेतौसामिदिगिरिहै असक
 हिधनुषवांनलैआई वोलीभूपतिमौरिसिहाई वांनवांधिपत्रिकापठइये वासवकहंविरनातजनइये
 दोहा विस्वावसइतहीरिक्के करियेसुईभुवाल सुनिभूपतिनैसेकिएकोतुकहिननिजवाल ८७ चौपाई
 गिसोजाइइहिकेआगेदसरपवानजांनिभयपागे वेगिउवाइपत्रिकावांची छनमहंखवरिस्वर्गमहंमा २७

रघुराया बेलहिंसंगभरत औरि पहेंन विहरहिं रामसंग महं लछिमन पुरोरास अनुसारहिं
 जोरी करि दीजै नृप महमति मोरी नौ तुम को भ्रमने कुन होई सुनिगुर वचन की न नृप सोई
 दोहा रामचरित छकि भवें न निज गरव शिष्ट मुनी रा विचरहिं सुत जोरि किए निरषहिं मुदि
 म नमही स ३ चौपाई कही सत सौ न क पुनिगाई सनहुं शिवां सो उ कथा सुहाई एक स मै न
 पली नै रामें अब लोकत है सुख सुख धामें दसरथ जानि वीर सिंघनामा रतिनालिका तास
 प्रिय धांमा च दी आपने सदन अंठारी छकी विलोकि राम छवि भारी गिरन भूं मिनिहि
 सविन संसारी धरि धीरज कछु कहं सकुमारी हैं लाजित नहं मौ नै गहेज परी सेज फिरि भं
 दन कहेज किय मन अस सत गोद बेलै हौ तव ही अंनु अन अवयै हौ तविल विदसा वीर सिं
 हता की लगे कर वन जन विषां की दोहा कौ शिल्या ने हिंदु धित स निकल संबंध विचारि
 लै संग सविदेख नगई गोद लिये असुरारि ४ चौपाई आवतें जवहिं तेरां नी वीर सिंह बाली लखी
 मृदवां नी आजु भाग्य मम प्रगटी भारी मरार नि लै राम पधारी अस कहि दोरि पां चडे डारे प्रमुदि

बाल
२८

ई कृतमनसो मनसपतकिमाया कैमतिभ्रमकाहें उपजाया चलि संभ्रमित नृपति पंह गई तै सहिंचाहि चकि
न अपति भई पूंछो नृप आचर जित भैसी आवहुं जाहु भई गतिकै सी करुण सुसन मुष दोउ कर जोरी सको
न कछु कहि भैमति भोरी दोहा अवभय देहुं जो महि पमोहि नौ कहि कारन जाउ अति अचरज यकलष
निहौ तुम सौ कदम डेरौ ११ चौपाई करुण सुंदरी लहि नृप सासन ये सन लखहुं को शिलहि चोंग न
जाते मैमति भ्रमति मलाई कं प्रति देह कछु जांनि न जाई सुनति नृपति अति विसुमित भावे गहि को
शिल्याग्रलगर आपहुं लखि रिप सदन लधि मन चढे अंतारी चंचल वदन मांकन लगे मरोषं नद
रा दोउ ग्रह देवहि ते ईकुमार है आचर जित है तु विचारहि निरनयर कहुं उरहि नधारहि तव
शिष्ट कहें बोलि पठायो अति आतुर मुनि महल न आयौ सतन को नृप संघत भए कुरस निक
छु कध्या न उर धरेऊ दोहा माया या गंधर्व की करुणों विहं सि मुनि राउ बोली ईश्वर जननी राघो
सो इसत भाउ चौपाई नृपत वात कहि बोलि पठायो सो कसत लै तुरत हि आयौ विश्वावसु के जो
धेचढे रिप हं न लखन मोद सो मटे निरधिनि नहि भूपति मुसको नौ विश्वावसु कछु भेदन जान्यो
भए फेरि ते अंतराध्याना बोलै विहं सि वशिष्ठ सजो ना देवहुं नृपति गंधर्व माया अवमम कहो करो

२८

वसेनगरभनपरती नहिविज्ञानकर्मसवरहंती नहंदिजाइविधिधानहिधरं चैतशल्कनौमीव्रत
 करं पंचआगिनिआदिकसवसाधन करिकरि करहुंईसअवराधन पंनिरखनंदनवालसरूप
 धावहुंसरामनामहोउप्राणी पैहौहरिसिसुपरसवधानी हापरअंतगोकलाग्रामा वी
 रसिंहदैहौनंदनामा रतनालिकाजसोदाहैहौ रामकृष्णलैगोदखेलेहौ दोहा पलकितगुरपग सुनि
 निपरिआएहोउनिजगेह भईनीव्रवैराग्यउभरेरामसिसनेह ७ चौपाई अतिआदरबलाइन
 वंदंपति दीन्हीदुजंनसदनसेवसंपति होऊविदाभूपयहंनये वदरीवनविनोदसोगए जाइतहो
 नपतैसहिंकीन्हौ मगटिरामतिनकरहंवरदीन्हौ कैपरअंतहिंनंदजसोदा दंपतिभयेभरेउरसोदा
 सतसषतिहंदिदीनतहंगम कृष्णरूपकैसवमाधामं रामकृष्णमहंभेदजोकरई सोनपरमपा
 पसोभरई इनकेगुनगनजोकोउगावै सोविनअमकलिकलुषनसावै सोनकनवमीव्रतसवि
 सेषा करहुंसनहुंसुभसुषदअलेवा दोहा चैतमासनवमीसकुललेतरामअवतार होइपनरवस
 पुक्तजोसोविसेषिसवसार ८ चौपाई जिमितरुमधिसुरनरुउरआनो तिथिनमध्यतिमिनवमी
 जानौ जेजंननिरजंलपहिउपवासै भुक्तिमुक्तिपावैअनयासै दिवसजनमउतसवमुदभरही ॥॥

बाल
२८

नमनिमानिकवहुवा कौशिल्या नवभीतर गई रतनालिका विलोकन भई उठि संस्कारित हं नुरतहि आ
ई दिव्यसिंहासन मै वैठाई रामहि अपने अंकुशिल सो दुषदा नुन नमन को गयो मुख नूप्यो पुनि कं
ठ लग गई सीस सुधि अनुपम छवि छाई अतोई स अत सुत मोहि देहं कहि मन ही मन सहित स
नेहं सोरग रागिन प्रजन कीन्ह समन माल अंग रागने महारतन मय दीन हार राम कर वि
हंसिके ५ चौपाई देखि मुदित रा नी गृह आई जान्यो दुष सवय कर छराई वैंजो सौ न कफि म्या
रिहरवाई कहिय सुत सोइ कथा बुझाई सरतरु संमर घुनाथ सभाज कवकी को निन प्रति
सुत भाज करुणोत्तन कर सम्मत जाई बैठे दंपति मुनि सिर नाई करुणो वशिष्ठ वधान हं हेत
जिहिलित आयुध धर्म निसेत तुम सारवत्त मुनी सगु सांई कहि हं म किहि विधिकार सिद्धि
ई तव मुनि ध्यान धसौ अभिराम कृष्ण रूप पा आराम इति आयस मुनि मन अनुमाने वो
ले दंपति सो दुष भांने दोठा अति पनीत संकल्प तु वं है है किये कलेस जाइ मुदित न पकारुं
जहं नारायण न वेस चौपाई जगत विदित है ग्राम कला प्र लहं हि सिद्ध साधक करि जा पा जहां

२८

करो सरजुनहाइमोदउरभरो चोरनकस्यौकलौविधिमुनी करिदायाअपनेमनगुनी सगद्वारहिबपुस्य
 नकरवो अरुनहाइअधवोषवरावो रामजन्मस्यावहिजाई करिदरसंनचास्यौफलपाई पुनिसवनी
 रपदरसहुंपरसहुं पाइप्रेमलोचनजलवरसहुं असकहिमुनिभेअंतरध्यांना पापिनिकीनोप
 रिहिपयांना पुरुंचेसवसमीपजहजाई धरेदेरुदियपुरीदिवाई दोहा दिव्यगंधपरआभरणाल
 सहिसत्रयविद्याइ लियेछत्रकरचमजेहिसेवहिसविसमुदाइ १११ चौपाई सरमुनिजा
 कीसेचाकरहीं जोईपरीध्यांनमरुधरहीं मुनिप्रसादतेपापिनिदेवी भयोतिनहिआनंदविशे
 वी चोरनसनमुषहीपुंनिधाई रहेकाठहैसवैदेराई निनकेदुषितकदेतनधारी धरेआपधं
 नअतिअंगभारी लखेहिअजोध्यहिभागेसवै चोरनपुरीकोलिलियतवै निनकहंनिजतीरथन
 रुवायो सादरनोमीव्रतकरवायो नेपापीपापनतेष्टे चित्रगुपित्रकहंपासिरकटे लिखतपापव
 रुवर्षविनाए तुमछनमहंकागदफरवाये दोहा सनिसमुजायो जमनिनहिकहिकहिअवधमभा
 व ताहीअवसरफिरतजंमदतलखेअधराव १२ चौपाई जाइसमीपहिंरुछतभा वीलेदरितड

वाल

३०

निसिजागरनसविधिजेकरहों दशमीपारन करहिसुजांना निमिसंमहरितोषकनहिंओंना जोहिदि
 नजेनरतरपनकरै तिनकेपितरछनहिंतेहितरै नीलनलिनदुनिडभुजसरीरा वरसरचांपधरेक
 रपीरा पीतवसनमनिमुकटविराजत मुनिमधिसिपुजुतआसनभ्राजत दुहुंदिसिभरतशत्रुहं
 नसोहै लछिमनअग्रभागभुजबोहैं दोहा करिब्रतधावहिरूपअसजपहिरामसभनाम विनश्रं
 मपावहिंग्गानफलवसहिसदोंपरधाम कीन्हैयहिवरव्रतहिकेहरिसतसवतिनपाव कलेंसो
 जुतहंनिहोंसमैनौमीपरमप्रभांउ ८ चौपाई दरगममारवारमहिजाए पापीपंचपंचअवछाए॥
 करिचोरीजोरेउधननाना विमलातमानामनूपजांना सिस्मुडाइलेंसंपनिसारी जानीनूपदिय
 निनहिंनिकारी वनवसिहिसाकरहिंमरुई निसिदिनभटकतवैसविताई एकसमैनवमी
 निथिजांनी जात्रीचलेअवधमुदमांकी पापिहंचलेचुरावनहेता मिलेउनअवसरगेसाकेता
 तहांसवनकेअष्टमधारी लगेचांधनदेभयभारी असितमुनीस्वरनिनहिंनिकारी बोलेपापिनि
 दीननिकारी दोहा कदंमुनिजांनहुंनुमनहींप्रेसवजुमरेपाप अवधजातरोसौप्रगटिभोइनकोज
 निताप ९९० चौपाई ममहरसंनतेदरिसवगए जुवसकर्मअवप्रगटेनए सविधिअवधकीजात्रा

३०

गरलोकदूतनसहितमहिमाकरतवधोन १४ असकहिसतमौनकैगए तहंसौनकपुंनिबोलतभए रहे
 कहनकहिएअवसोई सुनिवरिनामतत्रिमिनकोई कह्योसुनसुमसंमनहिभागी होकरिलील
 हिकेअनुरागी रामचरितजेसनहिजेगावहि गोपरकहंसोपानवनावहि असकहिसिसुरूप
 हिउरधारी पुंनिगदगदगरकथाउचारी अनुजसधेनुजतरामउदारा कथुकबटेकरविवि
 धिविहारा अथमध्यपौगंड चौपाई सिरजरकसीसपगरीराजै ससिमुखउच्चनासिकात्राजै
 गोलकपोलविसालसबांहै पारसपीनधीनकरिहांहैं दोहा विलसाहिभयंनवसनवरसु
 ठिसंदरसवअंग धरधनुहिमनसरनकरविचरहिष्यालउमंग १५ वषभकंधयकसबासु
 हायो ताकेकंधरामससबायो भरनादिहुनिमिमातनिमोहैं निजनिजसधेनिकंधचदिसो
 है चमरपौनचलअलकविराजै केसरिघोरिचौरितछाजै रसितजंत्रमंत्रसुषदाई कदिबोरन
 रआएसवभाई तहांलगेबूझनरघुराई गएनातकहंहमहिविहाई कहनकीबुगैसरजूमज
 न आजुजैरससौरधुनंदन चलोचलोकरिचरनचलापो लैहरिरुपसमसबासोधापो रामसं
 गकोटिनसिसधाए निराधिनारिनरअतिसुषपाए दोहा गएनपतिकेनिकटइमिचासोआनंद

बाल
३९

सहदुषुष्ट अरुकांतारदेसमहंजनमें अधरुंमघोररहेअसतनमें पांचपातकिनतूनसमपाए जा
 त्रिनसंगहंमहंइतआए सनिसवकचाहतरिसिहाई जाइजमहिसोइकिसासनाई नाथकरतप
 हपरीट्टिहाई पापिनहं सुभलो कपहाई धर्मराजतवविहंसतबोले नौमीजनमहात्मकधुबोले
 सकलपापवहंविधिजेऊकरसी नौमीअवधजाइतेउतरही सुनहंइततुमनीकनकीलो॥
 असमनअवधउपरकरिलीलो दोहा चलहंकरावहुअवधमाअसकहिजमततकाल चढेम
 हिषआएअवधबोलेवचनरसाल १३ चौपाई मेंहोमातुसरनअवतोरे विमलाजैतिनचौकर
 जे जोरे राममूर्तिआदि भगवती नौमिनौमिजेपरीरसवती सरजूजुतअधवोषवंडिता जैह
 रिरुवत्मादिचुंदिता नौमिभगतभगवंतपियारी सरनसरनप्रनतारतिहारी सुनितुवेंमहि
 मासकुचिवधानहि हतमंदमतिमोकिमिजांनहि मातुमारअधकरहुंहरिअव उधरनसर
 नागतनविदतव सुनिजंमविलप्रसोमेमसोहाई हैपरसन्नपरमछविधई प्रगटीनवहिंअ
 जोध्यापरी दैवरदांनतुरतफिरिदुरी दोहा करिअसनानसजानजंमतटवनाइनिजयांन

३९

भार

राचितचोरो वरषसहस्ररुतपदानी आरमलं विलुवरदानी दोहा परमकपावसप्रभुद्विगनिव
 लोप्रकारजुवारि लियअजअतिआनंदजुतअमलकमंडलधारि पंनिवरलहिविभुविस्वकीर
 चनाऊरिवहुकाल राघोतोऽपावनेपमहिंरचिसभमानसताल चौपाई जवमनुसतइस्वा
 ऊनरेसा अतिविष्यातभरअवधेसा करुणोसुनियकुलगुरमुनिनाथा करियेतीरपुजल
 हिसनाथा त्रिकालजमुनिमानसगपाई करिदुहुकरनपसारिरिमाई लहिवरआनेउरतसो
 इचारी नृपइमिहरिचषउपाजिहंमारी नित्यरुहिहंसअवधसमीपा मगरकपापरकलीम
 हीपा मममधिजेनररासतिध्यांवहि भुक्तिमुक्तिवरवहुविधिपांवहि असकहिभईसोअंतर
 ध्याना नृपसमाजअतिअचरजमाना लहिंगुरसासेनृपगुरुआए सनतबेलाज्ञतअतिदुल
 एये छंद संगरामकेभैनिगमेकेअभिरामविहंगरुहिसंधानामवधानिए जयविजयमुसितश
 नुसंदनसभसकंदवोहिरैजानिए अतिविक्रमोसवलाखऔरुदस्वगंनगाग्रीगुनो गुनरु
 पवैससंमानअगिनितनाममैकहंलौभनो दोहा सामगौरननुअनुरतअभरनवसनअनू
 प मनहुअवधमहंधरतभेरामलषनवहुस्तप १८ चौपाई चौकनगलिनवजारविचरही आवि

वाल
३२

कंद निगविसु कौतुक सतनन पगजुत भरे अनंद १६ चौपाई चमिबदन विधु अंकल गाए फिरिसर।
जके पों उपराए अरु अरु वाइ सदां न देवाये लसल समो हरिहि जे पाए पुनि हंसिस वसो हां यज
राई कीन्ही अस्तुति मुनि मन भाई नमस्कार करि वारहि वारा कहउर सिये मातु कुमारा के
परसे नन्दिय वपु धरिके प्रगटी सरज सुष उर भरिके लखि प्रनाम सत जुत न पकोने सो
उआसि बदे वहु सुषली को राम अंकलै मुकुतामाला पहिराई जुत प्रीति विसाला सीस सं
धि बोलत पुनि भई सरज सख विष्ट यमि सोयई सोरा सकल जगत केई स नव बाल कहै
सुमम जानत अहं सुनीस वसहि हं मारी कुसम हं १७ चौपाई राम आदि दै बाल कजेते कु
सिहि माहं लबाए नेजे देखि भूप वहु विसम यं मानी पूछत भए ताहि मृदवांनी कहं हुजं न
निनिज कथां तुमारी सरज कहै उसन हं मन लाई हरिकि नामिन लिन तेजाए अद्विसम
प्रविधि विसम प्रष्टाए लखि जल मय माधिक बल पयक फिरि आधार को कियो विवेक नाल
रंभ मग नीचे जाई योजि वर वसत मूल न पाई बहुरि ससो चरिके मथिता ली नहं सुनि गंग न गि

३२

लगेवतावें ननपै सुभैदा सोरठा जगिभोहरिखुनंद एकलैरिनुलै धनुतरकसी सावुज छपे अनंद गर
 सुषदसरनूपलिन २१ चौपाई नहंरचिसवें नमिहीन निसांना लगेचलावन निजनिजवांना कोउकहं
 पहिलेहिं हंमहिंचलाउव कोउकहं हंमहीन सगिराउव कुरपोरामउसरी करिती जै रहै नकल है सो
 इसवकी जै करि ममां नरछनायकवाणी कमही कमधनुसरसंधानी नुहिहं निमधनिसां नहिं मां
 ही गिरिपरसपरसवहरवां ही रंगेष्वालरंगभूले उधांमू वीतेउसवदितहं हिंजुगजामू हपोनप
 असनकरनपगधारे तेहिं अवसरसवसतनहंकारे लैपालकिनि कहारसाधाए जाइनि कद
 वीले सिरनाए सोरठा की जै वलिजे धनार भई वारपरिषे महिष सुनिनिनवनकुमार लगेनि
 हारंनचितधरे २२ चौपाई वीलेसवें नखेलनहि घ्याडव कछुककालमहंसवै सिधारव कहंरिष
 हंनरामहिके पाछे चलिहै हंमहिंसुनहंसिसआछे धंनुषफेंकिदैनालसोहाए पितुसांसनसनि
 पुवरधाए दोरेसकलसवें नसमुदाई कहंरिपरसपरचारिउभाई धोकोप्रथमैपहुचैधाई पीछेलगी
 पालकीआवै मनिनछदनिरचिकरनिलजावै छकेनारिनपर अनुमाने कतआतिआतुरआनुप
 पाने रंछेमहरनकहैउउजाई भएमुदितअतिभेदहिं पाई सोहा गए पाकसालासवैपिनुप्रनामकारि

बाल
३३

न तोट पर हिंज हंजिन के लिए गये माने संजुनिन के हैं सिहं सिकंद कषेलन आवाहि सी सतं धि
 दसरथ सुष षा वं हि जाहिस वं न ले भी ता धाए रज कन जुन अलकं न अति भाए लषत गोद ले पे
 सदिन मन माता वरष हि जल लोचन जल जाता सपुंन सहित नरुं भोजन कर सी अति मिष
 मृदु वचन निमन हरि सी संनि निदिग वेलहि अं नुरा गें विहर हि क व हुं क अ वं नि य आं गें
 इ मि छ न रं व व हुं दि व स वि ता ई वुढे अधिक सा नु ज र छ रा ई तोरण कि प्र न प वे र वि धां न ॥
 गुर सां स न व्रत वं ध म व सु नो दं न स न मान सो मु र मं ग ल म हि म दौ २० अ य से व यो गं ड दो
 हा पीत प गरि सां स म ग सि र चित्त हि चो रा पे ले नि मर क न म नि गि रि सि ध र पर म नु य न य न
 य वि दे न २१ चो पा ई उ च्च कं ध उ र आ य न सो है रु चि र ज ने ज मु नि प्र न मो है अ ल के कु टिल
 ल से आ नि नी की मु नु हुं पा स जु ग है र नि पी की अं ग नि र त न वि भू षं न भ्रा जे वि वि धि व र न व र
 व सं न वि रा जे ल वि वा ल न वि द्या अ धि का री सो षो न प गुर स दं न सि धा री ब्र ल वा ज व्र त स व हिं
 कुरा ए म य म सां म मु नि भे द व ता ए स क ल सा स्त्र ऊ नी ति सु ता ई आ उ वे द ऊ क ल नि प टा ई ॥
 वि ष उ सु नि सि वि लि प म क वारै फि रि व शि व अं ज्ञा अं नु सारै मं त्र र ह स सा हि न ध नु वे द ॥ २१ ॥ ३३

केरंग २५ चौपाई सोतननजिधरिदित्सनरूप दिवतहिंचदेविमानअनूपा गीतज्ञानगनिकागन
 ताके प्रेमभरनवसेनलसतअंगवाके दूजोमनमनसिजैसुहापो परिपदपदुंमनिनाउसनामो विल्व
 गंधरवहोभगवांना कीकोनारदकोअपमाना तातेमहोमहिबतेनलहेऊ आपकपातेछूटिहाग
 एक मुनिवरआपपरमहितकीको जातेदालेभरसंनदीको असकहिजोरिपानिजुगलीनो पुं
 निपेनिपांपनप्रसोप्रवीनो लापोकरनअस्तुतिअंजुरागी रामरूपमैमतिगतिपागी धंद जैजैपर
 रामासवखधोमावेधमनोहरधारी हरिहरविधिधेयारूपअंगेपापरमपुरुषअवतारी कल्योन
 सरपाअकयअनूपामुषवरुविधिदुतितारी अस्तुतिअसकरिकैसिरपगधरिकैरहिगोप्रभुहिं
 निहारी सोरठा चोलेराजिवनैन ममदरसननिरुफलनही विल्वचोपुनैवैन चितचिंतितवरमा
 गुअव २६ चौपाई विस्वनाथसंतकमहिंदोर हरिहियापियेअसमनमोरा जेहिंसंवंधनाममम
 चलै हरधिरामयापोतेहिंयले करुणोभोगिकैभोगनिनाना अंतअवसिपैहोनिखांना करिमना
 मकैविल्वअसोकै राधिरामउरगोनिजलोके तेहिंयलजाहिनेमाधवमासा तिनकेअष्टष्टहिंअ
 नप्रासा आइसरजुनटकपानिकेता अमनेजारिसवसधेनसमेता विहंसतजुनअनुजनगृहआएत

काल ०
३५

म सहितसंघेनिधाएहरविहां पपाइ अभिराम २३ चौपाई लगे करनभोजनमनभाए दसरणउरआं
नंदबुढाए रंछेउ नपहंसिपलकितगाता लसगिरायहुंकी नहिताता जातेवां नानिपुलनहिजांरी
लागेचपलनिसांननिमाती सबदवेधिहंसरहिचलावो असअभासहिमेमनलावो कहौकंप
नकछुहोपहंमार पितापदावहुंपरमप्रकार दियअस्त्रहंससवहिसिवाउव सबदवेधिहंसान
चनाउव सनिपितुचवनसवैसषष्ठाए संगेअचैसुवीरनवाए धाइनजुतमातनटिगजाई वे
लनलगेविनोदबुढाई होरा एकदिवसरघुनायउहिभोरंहिसबंनसमेत रहेगमतपोहीग
येसुंदरसरजरेत २४ चौपाई नहोंकलेउकेबुढकरजोरे प्रभुप्रकमहिपरहतमहिचोरे अंतकम
हिषासववलचना लखननरनकोकरनसोअंता कुसाकोसकाननसचारी घावतदिसनजासुर
वभारी सननकुरुकरिधाएवालक रामहुंचलेकहतचलिघालक जाइधेरिवंनधनुषटंकोस्यो ॥
सुनिधनिमहोमहिषसोहोस्यो परनिषनतछिनिकरिदगलाला निदनिजासुअंगनघुनमाला
जाकीनोरमहिषयहआवै बालनकरूपोसोवांचलावै रामहिंकेसनमुखसोइआयो विनगोसीहरिवां
नचलावो होरा महिषमायमिदिवेधिमहिमविशेआइनिषंग लविमासकतिसवांनिमुखयागरव

३५

परसपरकिप्रोपप्रोना हिंसकभोगहिंनरकनिमाना संनिवांनीमैअतिअकुलांनो लगेउसंगआए
 उउरजोनाऊँअत्रधहिंपहिअसथलआई गएगवरोरूपवृताई दोरा धरेउध्यांननैधीरहेनजिइ
 दिनयापार गएकालवहुकामममभैवलमीकअकार २६ चौपाई परमकपाकरिसुसिमधुपरसो
 दिग्यदेरुलहिअवपरदरसो असकहिंवहुविधिअस्तुतिकीनी अनिश्रुतिशुषदमेमरसभीनी जो
 लेरामधामजोइभावे मममसादनेतरेसिधावे पुंनिपुंनिपदपरिपरमपदैगो रामहुंकहंनिजमी
 निभिजैगो करिविहारफिरिमरुलनिआए राजहिरानिनसुवसरसाए निसिवताइमगपहिंमनलाए
 प्रातकर्मकरिसवधनवलाए ग्रामसिंहवनसिंहसमाना चिनसिंहहुंजालमतांनो सारगोसरुक्
 होसचाना बहरीवाजकुहेलानाना सोरठा परमसिकारीजीव औरीजेतेजहंरहे आनेसुदिन
 अतीव सेवकसकलनिदेसन३० चौपाई सजेसंवासवसहजसुहाये चटिचटिरूपउतकंठि
 तआए चारुचौकधिरिठाटेभए लबहिलोगअतिआनंदधए अनुजंनसहितसजेरघुनंदन॥
 पितुसोविदामएकरवंदन विहंसतवदनवाहिरेंआए वंदीगनवाविरदसमाए क्रमहिसवधनकरुकर
 तमनामा वरनकीववालेलैनामा मगर अपरगटपापनहेतु ~~चले~~ जेजनमेपसजोनिअचेत॥

गाल
३५

हंजननिनहंसिकंदलगाए उंनिसुंनिमहिषकपांसिसुवांकी महिषमगनमुरजुतसवरंकी दोहा चूंमिग
ममुषवारवहंअचरजसोउआंन दानदेवांडकरीविविधिसरसिसासषदांमिगएगहंनघंनसारंगे
पांकी सोयकसकलकुमारनिसिजगेहोतहीभोर मानक्रियाअरुअसनकरिचलेसंजेवनऔर॥
२७ चौपाई परममवीनरामसवकोंही वांनविभेदवतावतजांही हंसतहंसावतमगमृडवांकी
गरगहंनघंनसारंगपांकी तहांसबनिसम्मतगतिधारे ससावराहमहिषमृगमारे विचरतग
येहसरेकांनन जहांविमौढविलोकेउवाहन कहंरिनरआकृतिप्रहिरेषी कहंनसषहंनैक
हांविसेषी करतविचारतासहिगजाई पदकमलनपरसेउरषराई भोसहिमुंदरस्यामलअंगा
निंदतनवनलनीरदरंगा पीतवसंनमनिमुकटसुहाए परमपारषदतनछविआयो दोहा पत्नी
उलकिपगपंकुरुहृष्योरषुवरताहि बुद्धिमानकहुंनिजकपावनमैतैकीआहि २८ चौपाई॥
हिमिगिरिवासीउंडिरनामा रहेउकिगतबंधनजियगामा पेकसमैमैवहंअमकीन्हों गिरिउन्निधि
नमहिंधनुसरदीन्हों भागनिनेहिमगनिकसेसंता मोहिअवलोकैउहोउतेहिअंता करिदापावर
नोदकदिशे वारवारमैसखसोपियो कैसचेतउठिपायेंनपरेऊं निहुरदयंकथुकोमलभएऊं करत

कार धनसम धरि रथगनचाके जहंतहं करि चिकरि वोंके जिनहि निरवि सुरपति असमोन
 हिं विधिकत रचना कर कहुं आं नहि जहं एभू धनभूषित कटे राजकुवर राजहिं जिनचुटे गुंज
 हिं गजमदमत्तमधुपगंन करहिं गनमंगलमनुमुदमंन चली जाति सवसैन सहाई तऊन
 धिनि अंतरदरसाई मिलितु सुखरुकार जगंनै मंदिरविहिं नप्रगटवषांनै छकित सकल सु
 रारहे निहारी परमसबदरघुनाथसंकारी होला नुरंगममंगल फेरही हंसि हंसिकरत वषांन स
 वैनि साननमहं नै शक्ति तुपकवरवांन सोरण खेल नहे तसिकार अतिउतसाहि नबंधसव
 हांषिनउतरिसंवार भएषवीले नुरिनमहं ३४ चौपाई सुरंगनुरंगपररामविराजे गतिल
 धिरविहं पवगपतिलाजे अगुरुडहिं गरवअसंन अहिकोजोउ निसिलगाम अहिधारिष
 रसोउ चामरचारुबोरडहुंडो नहि तेइजंनुवाजिराजिताषोलहिं रूपापरभरनहुं भलभाजै ते
 हिअंनरूपहुं अभरंनसाजे लषीपरचहिनधि मनहसे सत्रुसुखसत्रुजाचुठिहंसे तवनिषादप
 तिगुरुदिगगरऊ करधरिनास रामअसकहेज प्रतिवूनसैनप्रवेसकराई सिधैअषैटकरहुंवेलाई
 तुमत्रिभुवनसि सकरछनंदन कहिनिषादकीनेउपदवंदन होला असितवसनअभरनसजेहैहैस्योम

वाल
३६

विहरहिंसुवसहिमभुहिंसारे तिनहुंनपरादायाउधारे चलेकियेआवेरकयाजा उचितदंडैतां
नकाजा दोहा वजेवाजनेविविधिविधिरहितसवैकुमार निजनिजतुरंगनतरलकयगवनेहेत
सिकार ३१ चौपाई विहरहिंसामउतंगमनंग हंसतसंघनसंगहांसप्रसंगा तिमिभतादिडुडा
दंननमोहिं दुहुंदिंसिचौरहारविहंसाहिं अतिउतंगमहलनिनपरंनी अवलोकहिंसुषमास
रसांनी एकीअटंनिपेवहिंसुरनारी चारवारउरुपात्रलिदारी सवजपोसाकसवनतनसोहें
हरितमनिनभूषेनमनमोहे कुंडलगालकपोलनिडोले अलकैललितलेहिमनमोले भाल
तिलकउरमालविसालै असिजुनकसकटिकसीदुवालै लसहिंवांमकरधंनुषसुहाए सकसकस
रकरदसिनभाए दोहा कंधउतंगनिषंगजुगराजहिअतिकमनीष परटपंषसाप्रकनिकरभरे
दिप्रहिंसनीष ३२ कविन लसहिंपयादेआगेपीछेवरवाजिनपैराजैरखवंसी सजेसोभंनिकेवां
निहें भ्राजतनिसानवहुवाजतनगारेजुरिजांगरेअलापेरागैंअतिसवदंनिहें पीछेछविष्ठाएआ
वैहलकामतंगनगकेंमधवासोछैलछाजैजुतमुसुकांनिहें चौरचारुदारिदारितनमनचारिचारि
सोहेंसवाभ्यारेप्यारेधरेमुकुनांनिहें ३३ चौपाईइमिप्रवाहररखवरआए नगरनारिनरनमनछं

३६

सजुग १

सिरजितहिंसिधार वंनगंभीरलविआनिसुषुष्ण ए दोहा करुणो राम यहिविकटचनकरहंसंचार स
 नितेनिकगुनितैसईमविरोहेतसिकार विविधिवाजनेभटनधुंनिसनिचंकिनसकाइ भगेम सुंनि
 गादिकजीवतवजरंतहंअतिअकलाइ ७३ चौपाई चरतत्रिनहिंसुषुधारेहिधार आवतम
 गनिनसरनिचलाए दाविदसंनत्रिनसरनधधारे कुवरइहैभमनिजउरधारे भीतभगेफांद
 तमृगआवै राजकुवरतकिनुप्रकचलावै लागतछतजनुरीमिजनावत प्रांननिष्ठावरिकै
 छितिआवत चिन्नारूपदिमृगनिगहिलेही मभुवकसीसपालकंनदेही नाहिसमैसवापि
 पकोई छपौएकमृगजुष्यहिजोई औचकतरलतुरीदियउरी हंसैसवैमृगभैनिहारी फिरि जे
 पकदिशिरामहिवैठारे करउलकसलनितहिंसृगठारे दोहा मृगीएकनिजपतिहिलियोवोट तहं
 कैपाइ नेहिसराहिरिमनहिंसनदीकोमृगहिवचाइ मृगनदिगनमहंरिमिरितजिनतहंस
 रसंग्राम तवनिषादनियहियगुमोअतिगुनग्राहीराम सारखा वोल्होविरुसतसैन धारआइ
 गुरुजातिकोउ विपलवराहंनिभेन उहकरनीपकमैलषी ३८ चौपाई करुणोविद्वक्त्रपकलवि
 एमै हमतोनहितकिहैचहियमै जादेकहंजोनाकवराला भयानअवैरमारविवाहा सुनिहंसिसवैगु

जाल
३७

सा

संवार धुजधारी आगे किये जो हनचले सिकार ६५ चौपाई पीछे औ पुध्वले निवादा उंनिदुंदुभि
 बांदक दुपिमादा फिरि सवार पुंनि जानम तंग वरु रिसु सुतर अंग सत मातंग सहसदस घोरे जो सबल सब
 न सहस्र अस्वगज जो सतर पंचसत सुनहुं मुनीसा प्यादे प्रवल हजार पचीसा चले छोरे वन इमि
 सब भाई और सकल सैनिक निदि काई कोऊ नरंग निमुदित नचावै कोऊ मतंग निचटे हिल
 रावै लीला करत मंद किय गमन सरसत सषपर सतवन पवन नमसा तीर भीर गुरुल्ला
 घो नहंचु लिए कवनहि सुधा गयो दोहा जाल लगाइ हंकाइ सम आदि फेंदाये फंद चिन्ता स्थान
 ऊंक छुग हं वराहादि के नचंद सोखा न्योपसिन पकराइ वरु रीवाज कहिन नै हरवे चारि उभा
 इ सेष जी चरि विषय लगए ३६ चौपाई सोइ मांड च्यदातुर आए उलके प्रभु सानु जसिर नाए
 है असी सदि प्रफल नरि कीसा लिये समीतिस मधरि सीसा रंछी कुसल कहै उरि विराजु म
 भु आएस वछे महि आज महि निषाद पति कहंस मुनाई करिय सिकार समितर घुराई आश्र
 म हंगते मारन अहं ही तिन कहं दोष वेद बुध कहं ही नुमतौ श्रुति पाल कर घुनायक मुनि नस
 लायक न पफल दायक दिसि दसिन मृग सामुदलेह विषम हुंवन करि सग महि देह विविहिनाइ

म

३७

मित्रवक्तियो प्रनामा रीफिरामदिपदुहुं नइनामा जागिवाषजवलगिजपुरावे जनसरभरिसुषतं
 नवनावे करुपौपेकपादापहिंकांनन -आसोपेविप्रवलपंचानन रीघरदनवभुजउरकौसा पीत
 नितंरुषीनकादिदेसा सनतभरतवोलेहरवाई महीमारिहौताकरुंजाई **एंद** सबलवहिमेरेडुंद
 जुद्धहिंषडगममसिंधहिंहुंनै हंसिकरुपौहरिकेहरिहतेकछुवीरतानहिंरुधुगनै नुमजोंहुंसैनहिं
 संगलैतवसषेनसंगतहुंकोगए सुनिसारजगिसोउगजिनियोभरतनकिसिसारहमे रहनिरन
 पामहिंविप्रप्रवजनमश्रुतिनिंदहुंक्रियो भरतजमुनिदियआपतातेकहकेहरिततलियो न
 जिदेहुंदुतधरिसंखचक्रहिंचारिभुजजुतदिविलस्यो पदवंदिअस्तुतिविविधिहैकैपारषदहरिप
 वस्यो दोहा भरतनुरतफिरिआइपगपरसतकियोप्रनाम कहींकयांसंगसंखनिपुनिसातुजर
 रसेराम ४९ चौपाडी पुंसिसवसैनहिंश्रमितनिरारी गणगोमतीतीरवगरी जहुंअतिसभगसं
 धनवजसोहै मिलीहुंनकारनमनमोहै चौपेजांमरामतहुंकरुपौ गुरुअववहुंसिकारहुंमलह्यो
 रम्परेतपहिडेराडारहुं भोरभएपुंनिमृगगनमारहुं सुनिगुरुलण्योसोधावैनसेना ताकिसषेनकरुं
 राजिवनैना रिषिनवासइतजानोजाई जहेनहुं उद्योधूमदरसाई अतिअसंकमृगसावकजाई सोह

बाल
३८

हं हिं अंगु वार्डे चले सषदिसोइ सरसवभाई जाइ धेरि वारा हं निमारी पतरिरुचिरतटमहिं निवारी पुं
 निततं हं नेमी नवहु पीजे वैठे भोजन करन मवीने रामहिं अधिकरि मंडलकीने सोहि सवै मीतिरस भीने
 मास मंजु मृदु अंनल पकाए मेवा अरु पंकवांन सहार वहु प्रकार दधि दूध मिठाई सुधा स्वाद ससि
 सरस सै फाई दोहा करहि कलेवां कुवर रुचि कहि कहि आपस मां हिं राम हं स्वाद सगहि कै दे
 तस वंन कर जांउ ३८ चौपाई जे वं हिं सुष सों सवापि प्यारे निज निज मन के वंचन उचारें सव निवो
 ररघुवर कीने हंसहि हं सावहिं अति मुदहीने उठि संग अं चैं सो वीर नवाए चुठि ह प्रचले वनहिं
 हं कवाए वन देवनादुरे वंन मां हीं लवैं अनमिषै द्रगन अषां हीं चमरी गांइ ऐं छि अरु मां नी हा
 ठी मन हूं धीर जै वानी निकट उठे उए क गै उा देवे उ चरूं वोर ते तेहि सव छे के उ करहिं कुरु कुरु कंद
 न न देही राम संग हं सि हं सि सुष ले हीं करि निज निज आयु धन प्रहार ब्यालहिं वडवड गिहिं स
 धारा दोहा दलत चंदन हिं महिष गज भजे धावन वाइ मनो सुगंधै भेट दै हरि हिं जनायो आइ ४०
 चौपाई छुटि कै हरि करि कुंभ विदारे अति अतुं पम गज मुकुत निवारे कटो मृगेंद्र एक फि रिभारी ॥
 मधिसिर हं मो निवा दहं कारी लागत सरगर जत सो उधा सो सखा प्रतापी वडग चला सो परपो ३८

वाल
४०

नगुह संग हरि गिग आए जगेमान प्रभु जुत दो उभाई सो इनिवार कहि किता सुनाई सुनिसा नु जम भु
लज्जित कहैऊ गुह हंम सव निनी दव सकहेऊ तुमहि शत्रु हंन मम सिरली को व डउत पात समि
ननिसि की को अस कहि अजु जलाइ उरली को नित्य क्रिया करि अर धं हि दी को सुनिहि नाइ सिर
चढि चढि वां हंन चले सिकार दिंके उत साहन सोहा रहीरा जिरित सुरभि वन सोहत सषमा औन
मग मग प्रामुद लेत तहं चली सभग सव सैन करुषो सत सो राम हंति भजो जो वहुं मग जात पहुं
चा वहुं तिहि निकट रथ करहुं एक सरा धान ४६ चौपाई जोत प्रसिन को मृग नहि होई नौ मरि हो मे
मरमहि जोई सुनि प्रभाव मृग अति जव भाग्यो राम रथ हुं पीछे तेहि लाग्यो ललत पवन वीचहि
रहि जां ही आगे कहे नुरंग गति मां ही जो धंन वंन हरि हुंदर साई धन हिं मां पीछे परि जाई म
हा वेग धावत इमि धावै जंनु पगर जते प्रभु हिं चचावै दियो रीति अंग दर छुनंदन प्रमुदित सत लि
प्रोकर वंदन मृग निरखं नहि त कहं सुषमारे समै श्री च कहि कल सिकारे कहं प्रगट न कहं डरत नि
हारी करुषो सत मुनि मृग अस गरी छंद मुनि वाल धिन्पा जु गुल आए करुत मृग पालो अहं सोइ उत
रि पर पारि करुषो रघुवर अमिय औरा धै महे मुनि दई वहुत असी सकहि अपराध विनु जां ने नही नव सषं ४०

वाल
३८

हिसुंदरिपेपुलवांई लतनकीकलकरतविसारहि जवगो धूमवालिमहिडारहि दोहा श्री प्रगोमिनीधे
 नुरवली आश्रमनिजांहि असप्रभुकहतहिं सैनसवपहुंची समिरितआंहि ४२ चौपाई मेधावीमुनिसुं
 निहरिआए सोइपलकिततेंनमिलनसिधाए आएसपदिगोमतीकुलै संगसिष्यलीनैफलमूलै॥
 लषतहिंचलिप्रभुप्रांयनपरे रिषिआसिष्यदैआनंदभौ करिअस्तुतिरघुवरहिलेचाई पापहारजी
 रघुदरसाई कहिमहिमाअसनानकरासौ करिसंध्यहुंसवहीसुषपायौ पुंनिमुंनिमेमविचसर
 घुवीए मुंनिआश्रमतिंगरसंगभीर जयांजोगतहंसवहिरिकाई वैठेसवनसहितफिरिआ
 ई सुतरुसमहंनिदीपनिवारी लगेकरनजेंनअसंनतयारी दोहा तेहिऔसररिषिकुससमि
 धिकंदमूलफलत्याइ प्रजिप्रभुहिंपुंनिसंवनिकहुंदीनैउतुरतपठाइ तवसचिसुंदरसंभवप्र
 स सत्प्रसाश्रपरवीन वरसत्तापरकारवहुंचिरचेमोसनवीन ४३ चौपाई विंजनपापसपूपमि
 ढाई सद्यहिंनिनवहुंनिवनाई केदलिपातनवारमगाए बरुडमहीपहुंज्वलितकराये अतिवि
 निविचित्रसोभास्यषण्णै निरवाहिरिषिसिषिगैनटकलाए जुतसमाजप्रभुभोजनकीहौं अंचै पक
 ३ खगंधैव्यस्यलीनौ मुनिनिदेसलहिसेजहिजाई नहंसवतैनअसंनसुधिपाई कछुककालसुंनि

नसंगहरिगरहरधितमुनिकुटियविनुवनजहाँ मृगमारिवरुमधिघोसप्यासीसेनलधिसरज्जुगए
 तहंश्रिंगिरिधिवरसिष्पपठएआइतकिहरधितभए जुतअनुजराभप्रनामकिप्रतिनकरचलिप
 निजआश्रमै गमनेसोधनुषउत्तारिमनुमुनिमिलनमोदउमाहमै सवजाइदिंगदंडवतिकिय
 संमकरुतमुनिमनिसुषणई तहंलघतसांताभगिनिआईसवनिकहंभेटतभई मुषपोछिअंन
 लनिरविअनुजंनरुजिवहुविधिफलदिमो मुनिसवहिंवासदेवाइतपवलसषटअतिनिच
 तोकियो वृत्तधीरदधिमधुधीरछेइरेसविपलवहिसरिताचली वरधामसवकेवनेचोविधिअसन
 परितहंगली वरुकांमतुरुकेचागभूषंनवसंनफलतिनमहंलगे अपसरागृहप्रतिगाइनांचहिं
 निरविसुररहिगेठगे सौरव अनवरुंभोगहिंभोग जेसरसवसपनेहुंनही सवैसराहहिंजोग
 श्रिंगीरिधिकोंमोदसों दोहा -अतिहराधितकियसेननिसिहोतमानसवजागि नित्यकर्मकरिमु
 निनिकटवैदेअतिअनुरागि ४७ चौपाई नातविचारिसवातहंएक विहंसिकरुपौसुषदिसेअने
 क पैसंदरीरातिजेदीन्हों नाथकोऊहंमनेनहिंचीन्ही मुनिनायककोलगहितुम्हारे जिनसवविधि
 किएसवारी सनतसकलरषवेसीविहंसे विहंसिसकुचितहंकुवरकुविसे विहंसोमुनिहुंसोविहसत

कया सुहाई लागे कारन सैन सब भाई तव सब जे ननि हृदयें अनुरागे रसकचहुं दिसि रसन लागे ऊरवा
 रनहुं विटपनवीने कंधनि राखि नीदवसदीने दोहा रजनि पीछिले जां ममहुं जागि शत्रु हनधीर धरि
 धनुसारु रिसे जाटि गवै आसं नवीर तिहिंस मप्रहिं मातंग प्रक आपो हार कपाइ जासु गंधलहिं ॥
 कलभरुयें उरहुं भगे दोराइ ४४ चौपाई महामन तरुतर भारी धसर तन ता कनि भयकारी गंड
 निभ्रमहिं गुंति अलि माला पीन मुंड दोउ दंत कराला कोला रुल करि पालन कीनों सोरी उहं न धं
 नुसर कारलीने गुह जुत जाइ कहि तहं वाता देषहुं करहुं कोन उत पाता करुषो महा उत वन गज
 अहई रसदुर दैन संग जुद्धहि चहुं तव गुन कस्यो लुके तुन मागे हंसि रहं न चलि ताहि प्रवा
 रो सो सप सगिरि संमस मुहानी तजौ शत्रु हन सर संधानी सिर भिदिकटि हूषि निदुत आई
 घषो नून छन छवि छवि छाई दोहा रह्यो विभ्रमद पां नरत निंद कशिच श्री कंत संघ घंट धुनि
 सुं नि कियो महां नाद हंसि संत लहिं मुनि आप भयो दरद परसि सरहिं न त्यागि धारि दिव्य वपु पाख
 दहैं वो ल्यो अनुरागि ४५ चौपाई जय रिपु हन जय से कटनासन जन नहि ए आति जां न प्रका संन ॥
 ई मि अस्तनिकरि करि पुनि पद परि गोहा पर उर राम अजु धरि तव रिपु हन हयग प्रबंध वाए विसमि

नतेंनकुलससंजारी करतसुमंगलगोनपधारी प्रविसेंपरचलिचारिउभाई कहिनजाइआभाआधि।
 काई निजनिजअटनिचढीनियजोहें सुमनचंदवरसहिंविहंसोहें सरदसथाधरवदनविलोकी।
 चषचकोरतिरहतिनरोकी दोहा देतप्रजेनसुषसबेनसंगहंसतबंधवतरान गएद्वारचलि
 रामलघिनृपउरसबेनसमात ५० चौपाई सहितसैनकुवैरनछविदेवी रागिनसखअनुपमैविसे
 वी उत्तरिसबेनजुतपितुपहुंजाई कियप्रनामपगपरिसवभाई पकरिगानिनृपदिगवैठाए
 कह्योतीनितुमदिवसलगाए कलपतवीतेकलपसमोना तुमसबकेप्रानहुंकेप्राना तात
 जव अवैरकअवजैयो सांगसमैफिरिअवधहिंओमो असकहिकरपरसेसिरराज कहिनजाइ
 उमगोउरभाऊं सरजलदगअरविंदनिछायो उमगिप्रेमवाहेरजंनुआयो रामकह्योपितुग
 रुकेसंगा हंस पायोआनंदअभंगा दोहा विविधिवसनअभरनधनुषसरअसिचमअनृप
 नाहीअवसरप्रीतिजुतदियोनिवाहहिंभूष ऐनिअवैनियकरअनुतजुतजाहुंआसुअवतान दे
 वनहितघरेलगीवढीप्रीतिनवमात ५१ चौपाई लहितासैनउठिसपरिसिधाए गुरुनृपकरवनजी
 व जेजेहिभांतिनमारेगए सुनिनिवाहसुषनृपछराए कुवैरजाइजननिनसिरनाए दियआसिघनिन

सुव

दिषाये

बाल
४१

जोई बोले हैं मरी नहिं कोई लोकि कर सिन मुनि कहें जानी सुनि मुनि मुष पंनिक यों उरनी धरक
हं विदा हों न जव लागे कह्यो मनी स परम अनुरागे सरजू ग्राह्येक अति भारी जल परसत हिं जून
न भयकारी सोहा सुनत हिं चलि हरि तीर होते हिं आए धरि धनु बांन जनन को लाहल होत होष स
लो सैल समोन ४८ चौपाई माय मध्यत कि मासे उवांनै सो धरि दिव्य देह चदि जाये प्रभुहि ना
म करि गो पालो कै मुनि मंडली भई विन सो कै फिरि सा नु जा सांन टिग जाई दिपे स प्रीति रतन
समुदाई पुंनिस माज जुन करि पर वंदन मुनि सो विराभ एर घुनंदन छकर नरुत वन जीव
लहाए चलेन चावत नुरंग सोहाए मिली आइ सो उसै न सोहाई गए रहे जो मय मटिकाई
चुटे गयंद राम मधिसोहं वरविस मन सुरगंन एवि जोहं दिग मंडल दुंदुभि धुनि री धुवम
उललोधा वति धरी सोहा उत परते जवने कवें रनिक से सवन समेत तवने न परानी प्रजा वि
कल विलोकंन लेत ४९ चौपाई अवध नगर वासिन र वसुंमो राम आग मन निहं च मगुमो
अति उत कंठित कटे सुधाई जावि अवलोकंन लगे अवाई तन पल कित चाधिस वजन वांटे उ
ठि आसंन ने न प्रभे ठाठे चढी सं अटनि अलिन जुतरानी दिपे मरोष निद्रग सुष सांनी प्रमुदित व

४१

आनंद विहरहिंगलिनमुवागसरदसरथकेकुलचंद कहुंचौकनिफेरहिंनुरिनतकिजंनरहंहिसगहिं
 मंजुदरेषनिजांकितियरहनीअनमिषचाहिं कहंसिकारेकोकटेचटेतुरिनषविधारि नारिनिहा
 रिषकीकहंहिनिजतनमनधंनवारि कवित्र वरवाजिचसोउमज्योषविषेलमडावतवीथिन
 मांरुअरे निजछाहछरीलीलवैषकिंकैअलिजांतसिकारसिगारभरो मुकिमेजुदरेषहिसोनि
 धीइननैननिमैरसवांनिपरो नवनेदरसातवहीअवलोन्हिंजानिपरैमोहिकाहकरो दोहा कहुं
 कुलभंनचदिअनुजनुतसरज्जतीरहिजाइ करहिंकेलिजंनसधंनसंगवैसिनमीनलगाइ १५
 चौपाई रामअवधआनंदअनिछाए पहिक्रमसोकछुकालविताए ताहीसमयअसुरसमुहा
 र ॥ भएगोधिमुवनहिदुषदाई नवथलतजिसवरसनकाजै चलेलेनरामहिंठिगराजै चषचको
 रविधवदननिहारी रहिहेअनमिषआजुसुघारी फिरिसलवनलैआश्रमऔहौ जपतपसकल
 सुकितफलपैहों इमिमगकरतमनोरथआए दसरथद्वारेषिसुषछाए द्वारपालदिषतहिरिषि
 राई गयोवेगिनपसभासुहाई जहंसवकुवंरनतकिसुषभरहीं रामवाह्वातैनपकरहीं दोहा द्वार

बाल
४२

अंकलगाए पुंनिममुदितआरमीवतारी वहुमनिमानिकमालनिवारी अंचलसुषनिपोषिषवि
 षाकी दिएदो निरुचिजैसीजाकी लागिकरवनअंसनसोलाए जेयेसधेनतहितसुषध्याए अंचै
 सुगंधितवीरनिषाई संधीजंननिनकिसासनाई सनिसंतासमिलनसवरानी मुनिमहिमांन
 सुनिसुषसांनो दोहा पुंनिगंधर्वनांनसुनिकोपेसकलकुमार सनतसुषदविरदावलीजगे
 होतभिनुसार वहुविधिविहरतसवहिसुषदेतवंधुजुतराम वैकितोरआगमअधिकविलसं
 हिंसुषमाधोम अयआदिकितोर कलकरेमावलितरुनमागतिअवलोकनिआंन लषनदुगं
 चलषविअरुनभौहकमानसमोन्न १५२ चौपाई नगरनारिनरषविरसपागे सवनिजनिज
 षरकारजन्पागे निरषहिंजरुंतंकरहिंविहारै जाइनवरनिसनेहअपारै लषहिंकुमारननु
 १ अरुहांनी सोसुषदसानजाइवषांनो दिनदिनदेतअनूपअनंदे विचारहिंचारिउआनंद ३
 कंदै रविरयतुरंगनिमंदचलावहिं लषिअतिअरुभुतआनंदपावहिं निमिकालहुंगनिमंदहिंजो
 हीं पेछनसरिसैदिवससिरांहीं मुनिसवजपतपतांनविसारे फिरहिंसुवीथिनवरंननिरारे पसु
 पहीजलचरहुंघनेरे त्रिनतरुलतागुल्मवहुतेरे दोहा दरसपरसिअंगअनिलसंहिमगटनउर

४२

ते होउ कनारथ गृहं हिंमजारी सोरठा वोस्यो मुदित मुनीस भोंनुवंस उत पेंल तुम कसन कहं दुअव
 नीस फिरि गुरु विदित वशिष्ठ सें सकल धाम के तेनु हों अतिसतिवारी प्रथित दीरघ दयानिकेत हि
 त सुरभी भू सुरस जेंन १५६ चौपाई नृपज वमष अरंभ हम करहीं दोरि असर दै डरि अंवरहीं रुधिर
 स्थिक वरसहि धरी त्रासहि रिषिन सिधिन कहं भरी मष व्रत धरे क्रोध नहिं जोग तातें करौ न प्राप
 मयो मरु रक्षन हेत राम दोउ भाई देहु लेहुं जग सुजस वडाई तरनि तेज सुतल वनिसं धरिहं हमो सबै
 आसिष उच्चरिहं मै जानत हों राम प्रभाऊ जानहिं पऊस वै मुनि पऊ मषनिस महिं कों काल सुहायो
 आप्रहिं ताते जांचन आयो गुरुहिं प्रष्टि मोहिरा महिं दीजे मनने कहं संदेह न कीजे सोरा कौनिहं
 विधि दोउ बंधु सो नहिं जिनिहं वै नीच जग विच जयजसल हं हिं गुरुतिस वां रुमारीच १५७ चौपाई
 सुनि नृप कं पिअति गयो सुवाई करुपीस मुनि कहि एरि धिराई कहं अति मृदु अंगु गुल कि सोरा
 कहं नि साचर कर ककठोरा मोही कहं अनुसांसन होई सहित सहां इव लोथल सोई कहं करं कस
 कहिय चुकाई कोम भुजत को परम सहाई कुल पुल सिभोरा वन नामा कहं मुनिहं लंका तेहि धांपा
 सो वडं विधिविधिसि वअवराधों वरलंकार न विस्व कहं वाधा अति पापीहं नि सिचर राजा फिरै ना

वाल

४३

णलमुषसुनतहीं सहितसतननपआइ पगपरिपूजिप्रकारवहुगेरिषिसभहिलेवाड मिलिवशिषआ १
 न दिकनतें हंवरआसनरिषिराइ वैठेसानुजरमलषिआनें दउरनसमाइ १५४ चौपाई चोलेउसविन
 यमुदितमहीसा कहियेविस्वामित्रमुनीसा सिंहादिकनउपद्रवलोई कैवरमषनविप्रहैंकोई धौ
 सवमहीदहिनाजांमे औसीजजरियो मनतांमें कैरधुकुलनेफलैप्रगदेऊ जातेसदनआगमन
 भएऊ चोलेउविहंसतमुनिनृपपांहीं जेनुमलोकपालकुलकांहीं रावेकसिमानलघुआता ॥
 अरुइंद्रहिंअभयहजगत्राता भुजभरोसभगवानहुंपाई जुगरसाव्यनातिहाई पहिअवसरआ
 नंदसोषाये सोचहिसषहिंसुमेजवनाए दोहा अरुइंद्रामनअरधमहंवैठेनुमहिंसुनाइ गावन
 कीरनिकिन्नरानिजदयिनइंद्रसोहाइ १५५ चौपाई वैभिरितुवेंउलकनिमांहीं नयनिकरमुद अज
 जलैजनांहीं औसेनुमकहंकरतरिंराजू नृपभयसंकहिनहिकहुंआजू दसरथलजितकहंसु
 निपांहीं कोसमरथप्रतिउत्तरमांहीं काकीअसजीहांमुनिभूषा जोवरनैतवंचरितअनूपा जिनहिं
 रचतमहंजगतनवीना भयेविषनविधिवचनैरीना जपपिप्रुतिसममुनिनुवेंवांनी भएउसकुल
 सुचिमुनिविज्ञांनी अरुस्वरसेनुवेंकारजकांहीं नद्यपिउरयरुउमगसहांहीं नुवेंसासंनसारसिंधा

सोंवैनधूतबेलिछलिलीन्होंधनहाइमेरोशतअवधूतलीन्हेंजानुहे १६० चौपाई लैसात्रजगमहिहिप
 लायो सोपतरिविहिनकहिकछुआयो सोउठिदिसआसिधीविराई चलेसुहिमिलिलैदोउभाई नि
 भरजशत्रुहंनसबंनवजाई फेरेउमभुवदिसपदिअजाई विकलविलोकिनृपहिमुनिराऊ कि
 यस्तचितकछुराममभाऊ उंमिरानिनकीअतिविकलाई रिषिमभाऊकहिंनृपहिमिराई
 नगरलोगसनिरामसिधार कहहिंपरसपरदृगजलछाए जोजानतमुनितनयविषोपा
 नोहठिसाधमनहिनिजजोगा विश्वामित्रजगतविष्याता नामउचितपरुदीनविधाना दो
 हा भरजशत्रुहंनलैसबंनप्रभुशिखहिअनुसार नृपराणिनहिगप्रजंनकहंसवकरकराहि
 विहार बांमदेवआदिकमुनिनजुतवशिषसुनिराइ कहंकिंकायाइतिहांसवरसवकहंधीर
 पराइ १६१ चौपाई उतदोउकुवैरलसहिरिषिसंगा रुसकरिअसिकलकंधनिषंगा धरेबांम
 करधनुषसुहाए दसिनकासरोजसरभाए तरुनतमालसचंपकदांमा निदरहितनसरुजहिंअभि
 रमा रनउतसाहसोआंननभाजे पुरुषसिंघदोउबंधविराजे निकसहिंजेहिंपरमारगमांही तहं
 नरनारिलागिसंगजांही विविधिव्यारिवहीश्रमहारी भैमृदमहिंनिजनायनिहारी कियेजोहिंघे

वाल
४४

सुअनुचरभिसमाजा तिनहीं महं मारीचसवाहं मषविधंसिवासहिंसवकाहं सोरठा सुनिनपप्रसम
 हांन गुनैदेवराजनजुरै एवनअतिबलवांन महंसेनलैचढहुंकिमि १५८ चौपाई नपचपलधिरि
 धिवदंनरुषाई षईसोईचोलेमुनिराई कीहेहुंविस्वांमित्रहिंनोही नपअतिअनुचित्ररधिकुलमां
 हीं नुमरषुकुलमहंपरमहिंरुषा जयश्रीसीलसत्यमयभूषा तिहुंपरजाहिसुजसनुम्हारा क
 रहंनअवकषुओरविचार अस्वसखजानेहुंविनजानै देहुकमारनमुनिहिंसयांने त्रिकाल
 यमुनिजानजहांना य्पांनजोगजपसुतपनिधाना रिधिरसिनरामहिंनहिंसंका देहुंमुदितननु
 अहेकलंका इनसमअस्वसखधरनाही सोसवदिनतैनपनुमकांही सोल कौनिहुंनवभाष्य
 हिंउदयआएलेनकुमार संनिगुरुगिरागंभीरवरसपहुंकिएविचार जोरिधिवहुरिसोतपवलहिं
 जराहिरसितकीन जाहिररषुकुलअमलअतिसजसभयोमनलीन प्रांनपियोरामकहंमुनिक
 हंसुनिदेतहिजांनि विकलमहांरोवतिभईलगीरुषोनिरांनि १५९ कविन पोष्योपयप्याइप्याइराषो
 नाहिदुलराइअवहुंलोयोरीचातहेतअनवातुहं ह्यमुषइषकहंदेष्योनाहिनैननिसोनीकीनवनीतहुं
 नेकोमलसोंगातुहं घटेबारवारवारकोशिलाप्रकारिरोवैरोवैकोऊमेरोवारसोकनसमातुहं भूपति

किये अनिधि है परम सवारी पुंनि मुनी सप्रभु लखें न समे ते करि संधा सुसंग जल रे ते किय विभ्राम न
हं मुनि न स प्रीती किय अंनुरंजन कथनि सुनीती लोत प्रात करि कनि सोहाई चढे नाव मुनि विदा क
राई (सीला भये पार न टउत रिस रिकरि)

करि मनां म करि म कनि सोहाई चढे नाव मुनि विदा कर
ई दोहा गमने दसिन तीर मग सहित अंनु ज र घुनां थ

गोउ नगर पर कटहि जहं सुनिसं मदु हं न निहारि दारि अंनु अंनु क न जुग कहं हिं सवे न र ना
कविज्ञ रि १६४ को कप व जारे सी स व गरी सुरंगी धारे कोटि कां म बारे विधिरूप निवता यो है अंग नि
निकाई क छु व र नी न जा इ भाई रहत लो भाई मन जित ही समा यो है कोमल पर म पों इ पों वरी गु
लाव हं ते औ सो है निहर मुनि प्यारे ही चलाये है कैसे विक लाई गाई जाइ जी र एक पाई जा के औ सें रत अ
व धन छ लिला यो है दोहा लखो क छु क चलि वन वलित वारन वाघ व राह विविधि विहंग वोल हिं
विविधि वृत्त न भरे उष्ण ह ६५ चौ पाई विन मुनि कटिन सें घन वन लखि म भु करु मुनि परु कारन
कहिए विस्वामित्र मुदित न व करेऊ व्रजा सरहि इंद्र ज व हं तेऊ व्रत त्या वास व करु लागी अति सै

माल
६५

नष्पाहसोहाई होहिंसवीसुरसंभवजार् मुनिनिरवतरखकुलमनिधीर कहतजांहिनृपनीतिगं
 भीर होहा सनेसोंमेमसकोचप्रभसहितअनुजचितलाइ सनिसंनिगुंनिगुंनिपतिहिंर छहिंसु कत
 वसरसाइ १६२ चौपाई गएकोसषट्जवरिषिराई दसिनदिसिसरज्जतजार् चोलेवत्सपरसि
 पयपां वंन चलाअनिचलासंजकभांवन मंत्रसमरूपठहुंदोउभाई विद्याइहोउअनिसषरा
 ई सुतापितामदंकीदोउजांनहुं तानगुनिनकीमातामानहुं युधात्रिषाअमरिपभयहरनी
 त्रिभुवंनष्पातिसजसवलकरनी गरमपात्रतुमकहंजियजांनी अरपहुंकरहुंग्रहनमुदमां
 नी सुनिमसंनमषसपदिनहाए विश्वामित्रसमंत्रसनार मंत्रपाइहोउवीरविरजे जंनुवि
 धिनिकटभांनुजुगभाजै होहा करित्रिरात्रिगुरसंगमुदितउठिप्रभातहोउवीर क्रियप्रनाम
 रिषिकहंकरहुंनित्सकर्मसिभनीर कैंसचिजपिवरमंत्रहोउकियगुरसंगपयांन सरसरिसरज्ज
 मिलनतटनसौतहांतपयांन १६३ चौपाई करियेगुरसहआश्रमकाको सोइवोलोपुनीसछवि
 पाको प्रथमकांमतपुथनरखुनंदन जानौतवनहिंनिपरनिकंदन शिष्यप्रशिष्यतासतपकरही
 आजुइतहिंवससिरहिंउतरही असमुनिकहतहिंसुषसुषध्याए फिरियकटकहोउकुवैरनिहारी

प्ररिअंवरअतिसोरे सुनतताउकाकोधितधार कस्योरामदेवहुंयहिभाई प्राकंधरसोभंधरहुंयै
 यहिधुंनिसुंनिभीवनउरकंपै मायहुंवलयाकैहैभारी तदपिहंतोनाहिनारिनहारी काटेनांककै
 नजोमानै तौहैभलीजाइलैप्रांनै पेनोकहतहिंहायउदाई गरजनरामहिसनमुषआई अति
 मृदअंगनाकिमुनिराऊ गरभेलिप्रभुपरमसंभाऊ दोहा सोइकीन्होहुंकारचलिगईजासि म
 नीइरि अतिसोरेषुंनिसिलनजुतलागीवरसनधरि तोमरछेर नवकुद्धैरषुनोयस
 ररोइलीन्हैहांय रजकीनपांसनछाडि पुंनिपानिउरेउकादि छंद अरुलखनकाटोनांककां
 नहिंआसअंतरहितभई फिरिलगीवरसंनसैततेंमकरिगरजिनभमाया मई दोउबंधुभूंधं
 रकारिविहंसतकरनकछुकौतुकलगे मुनिकहंवेलाद्योरामअवजंनिजानिसंध्यां सुरहंगे ॥
 भुजंगममप्रात तहीराववेधोवलीवांनधाए भलीभांतिताकैसवैपंथयाए चलीकोपिसोहै
 किएरूपधौं हंन्योरामवांनैगिरीपरिसोहै छंद सुरजैजैकरिकैसुषउरभरिकैवरसिसुमनसुरानै
 कटछए बोल्योसुरनायकसुनिमुंनिनायकभरिभाग्यजुततवनभए अनुपंपारामअतिअभि म
 रामअनंदसदनहैअकयजोई तुवंपावनरावनवहुलषपावनसिधभावसंगफिरतसोई ॥ सो

बाल
४६

असरुजगीजहरणी इंदरिमलिनदेधिरिषिआए मेज्जितगंगाजलनहवाये हेपवित्रअतिहर
 षसुरेसा करुणोरहिंलिंणवेंनयहदेसा धनैहुं ध्यांन्यतेपरितकरेपो नवतेदेसतेसोईरह्यो कीने कि
 ऊं कालताउकानामा गईजसिनीवलअधधामा सोऊजोरिदेसहिवनवंसई प्राचीत्रासाएह जा
 नहिचलई दोला हैमारीचप्रसांभवलयारीकोसुतराम मरामप्रांवीमषदलनदषसुरनसं
 ग्राम १ ईई चौपाई करुणोरमयहजसिननारी केहिकारनधार्योवलभारी मुनिकहंर
 रवनामसकेना जहाकिपोतवजुवातिसमेता बोलेताकीनियसोंधाता होइहितोरसुतविषा
 ना जलमीसरसदुरदवलपाई बढीरुपजोवनसारसाई जंननिजंभसुतसंहलिंकारी सतमारी
 चभयोसंमताहो सुंदनज्योतनंकंभजआपा नवसतजुतधाईयरुपापा आवतनकिमुनिपुंनिक
 रिकोहं करुणोरससीरससहोहं कियहुंकारभजीअतित्रासा वसिविसेधियहदेसविनासा हो
 हा इजनभसिनीजसिनीयहिनविचारहुंनारि करहुंसुवीसुरमुनिप्रजंनप्राहीसकुलसंबारि सो
 रा पतिव्रताभृगुनारि भईजवहिंदेवेंनदुषद नवतेहिरधितमारि लख्योमकुंदहुंजगतजस १६७
 चौपाई करुणोरमअग्रांअनुसारै रंतोयाहिअवनहिकछुवारै सरुजहिंधंनधरिकियदेकोरै रह्यो ४६

नाम इहं हि मुनिन मिलि रहं हुं महुं राम सो सुषमा धाम ७० चौपाई प्राहीय लमवधूं मनिरारी करहिं वि
 षन हो उर कस भारी अस कहि प्रविसें निज थल जाई करत प्रकासित थलिन सो राई अति प्रसांत जो पर
 म प्रभाउ मगर तज कत भयान कभाउ चंचल इंदिन तुरंगं न केरी अति दहतें नु जें नु सुरज षनेरी अस न
 सने जिन के अंग पूरे अरु मनु से वर जुहि नरु मल कज दाल मंडल कीने वंधन सिथल संकचि न दीने
 अरु तप ते अंग धाम अमोने तरपिते जते तडित समाने जेचुं हंदि सिच वषो धवटावै ते रिषि जहं श्रुति
 सिधि निपटावै दोरा जहं पाले मृग सि सुच पल ह मन सम न डिग आउ गुहं हिंद संनम वक्र सकुं हंदि
 रिषि दंड नि डेर चाइ चौपाई तजित संग आन संग भाई विषन सो अव मग टै दर साई जहां निरंत
 रहो मै देखी अगि निरूप हरि तुष्टि सेषी रिषिन संदेह प्रयास विहांसी पहुचा उं दिवि करि मन मांही ॥
 तिल जंवादि आहुति वहुनाई वदो जो सच न धूं मन भु पाई तामि सिस्वन हे त सो पाना मनु आधा सेत
 ही गं ना तहं देव तहिं रिषि सिधि गं न आर मिलि मुं नि प्रभु हिं प्रजि सव जाए कहि सव कपो मुदित मुनि क
 हेउ ऐदो उ वंधुता उ कहि हंतेउ एकित मुनि नमधि प्रभु संनिकहेउ सुनि प्रनाथ मो मन अस च रेउ ॥
 दोरा की जै मय आरंभ भवरी जै आसि व मोहि जाते रस हुं अभय हं बोले कौशिक तोहि कसन करहुं राख

नीरज ३

गाल
४७

होहा इन्हिं प्रजेस के साख सुन अखन अरु मुनीस कहिं सुरपति गवने मुदित नाइ पड़ें मप्रद सीस १६
 चौपाई विस्वामित्र हरषि प्रभु रुखे मुदज लैन मन निवखे सीस संधि पुलकिन पुंनिक हो नात रैन इ
 तही अवर हो तुंनिसा नुज करि गुर पद वंदन वसे नाउ कहिं वनर छुनंदन उरिम भात करि किनि सो राई
 अति प्रसन्न मन ते मुनिराई अख सख वर मंत्र नदी नै परम प्रीति प्रभु विधि वत ली नै तन तन ध
 रिस व अख सोलार जोरि पांनि प्रभु मन सुख आए करु पोर मति न सो सुष पाई वसो मन हिं मम स
 रस मुराई पुंनिसा विनय बोले रघु राई गुरु संधार रुंदे रुसि वाई होहा सुनि सुष संनि मुनि पुंनि दि
 पे सव संधार वनाइ हि य हि प्रसं सत संग लै चले सखें हिं मन लाइ १६ चौपाई फिरि फिरि निरख
 त दोउ रंगा धीरा उमगत जल द्विग पुलक शरीरा दरसां नो एक भू धर भारी महां मंजुष्य न सं प्रसुष
 कारी ना सु समीप सुवन सर सो भा अलिषग निकर मुखर जहं लोभा मृग स मरु सो हं हिं रत लीला
 कै रु रिकुंजर को जहं सीला फुंनी फन न पर ना चहिं मोरा वधर न चाटहिं वाघ कि सोरा नहं प्रभु कहं प्र
 हिं हिं सिमग मोही प्रसयल रं मल खहं कहं नांही वउ प्रभाव प्रभु कहिं प्रवाहं बोले उत व मुनीस मुस
 काई प्रथम हिं वा वं न कीं अस्थाना नारायण महुं इहं न पठां ना होहा लरीं सिद्ध ताते अहं सिद्धां अमया हि

४७

दोहा सुनिसकुचनसिष्यमसंगहिं कियसंभ्रां दोउभांइ फिरिगुरमुनिवनिदे
 सतेसौपेसेजहिंजार उठिप्रभातप्रभुअंनुजजुतकरीकानिअभिराम आइमुदितगुरुनिकटपुनिकिपपद
 परसिमनाम १७४ चौपाई कहंमभुमोहिनिजअनुचरजां नी सोपियकष्टसेवांसुखमां नी कहंमुनितुम
 रसकश्रुतिसेतू उचितैकहंहुंजगतहितहेतू सुनहुंतातसवपरिललामा हैंनगरीयकमिथिला
 नामा तहंनिमिवंसीजनकनरेसा जाखविभवजसविदितसरेसा सीलसम्पनप्रज्ञाननिधाना भ
 लभक्तिरतवहुंविधिदांन एकसमैमवहितमहिंकांही सवरनहलतेसोधतमांही प्रगरीयककंमा
 षविमाला तकिवकिबूकेउमुनिनभवाला नवकोउत्रिकालगुमंनिराई करुप्रोभपतुवभागनिजा
 ई दोहा साक्षातपरमेश्वरी पहिउरआनहुंराउ आईतुवंग्रहवासहितपालहुंकेमकहिंभाउ सुं
 निनृपममुदितप्रषसितनवमीमाधवमांस ऊजमधिदिनलै आइग्रहदीकीरनिहुंआस सोरठा
 पुंनिष्किवेदविधान दंपतिकियसुभचार सनौदोनसनमांन सोसुखउत्सवछितिष्यौ दोहा वि
 बुधवृंदवरसेसुमनकियगंधरवनगांन जनकनगरनानारिसवआनंदसिंधुसमांन १७५ चौपाई
 वै कहततापत्रैहैहैदूरी करहुंयाहिसीतामुदमूरी सतानंदइंमिनांवसुनायो मुनिपितुजंननिप्रजनिमुष

सव

काल

४८

सिंधु अस आजुहिंते वने रोति **रसहुं सानुज धनुष धरि सावधान सवभांति** कहि सनेम आरंभ किय सहित रिखि
 न सुषपाइ लगे तपोवन फिर मजहं दिन रजनि हुं रो उभांइ **१७२ चौपाई** छटये दिवस द्विजन किय होम ॥
 धायो धूम तस्यो मठि कोम नैसाहिं भयो सोर अति घोरा मारु मारु धरु धरु चहुं कोरा जुरि राकस कारेन
 भयाए **उमडि मलये जल धरजे जुआए राम** कहे उदे वहुं अवभाई असुरें निअं नीअका सहिं आई
 से नहिं जानहिं मोर मभाऊ हनौ न सहसा सदहिं सुभाऊ अस कहिं नुरत धेनु वरं कोरा सुनि मारीच
 मरां धुनि दोरा नकि उर सर छांडे उर छुराई गिरे उविकल जल निधि महं जाई प्रभु कहं लखेहुं अस्त्र
 कहं भाई **समजो जन लैंगयो उडाई दोरा** नव ताके सैनिक सभट वरखे वां नन आई काटि सर नहं
 निलखे राग न लखे लख नर छुराउ **१७३ चौपाई** नव मखकुंडहिं ओर सुवाहं धायो तपनि प्रसनिजि मि
 राहं प्रभु लखि लहि जात तेहिं वांही अगिनि अस्त्र मारे उर मांसी छूमि छूमि धन लोखरानो पुरत
 उहं मि पविडं मि अरानो **अनुचर लै जिघसु लेपराई** सुर समन निवर से निगराई छवि छकि छकि फि
 रि फिरी जल गाई गए सदन धं मि पुं मि सिराई करि मख सविधि सरिषी विराई कोले प्रमुदित प्रभु
 हं आई रामा किहेहुं मम वचन प्रमाना भो सिद्धाश्रम अवसर थां ना भए कतारय मुनि स मुदाई

४८

४

ठताई करत धंनुं मधुजग सुवराई रहत नृप नमद स्वांग वनाई लियो धेरि पर औचक आई सील ध्व
 ज कठिल ईल राई भयो दुहुं न दारु न संग्रामा जूजे उसां का संपति वांमा कुस ध्वज हिता रे स तेहिं दीन्हो
 भूप स्वयं वरा सुष सो ३ भीनो आयो है दिज मुनि न बोला वंन रह असि ध्रंत व मधु मुनि भा वंन अ न
 वसि च लहुं अव संगत मारे है धनु लखि वेहिं जोग तुम्हारे मुनि सा दरम भुरहे चुपाई लखेन कठपौ
 तव भल मुनि राई दोहा सुनिराम हुं के जनम ते सिप को जनम अनूप चकित उमा वृद्धो सिपा आ
 ई किमि कै हरि रूप ७८ चौपाई कठपौ हर विहर संनिमि प्रवां नी किहे हुं प्रसन्न भलिस मुषिस यां नी
 सुनहुं र हस्य सो क भ्रम हां नी करौ मगद सुवं प्रीति भवां नी प्रभु असै द सरथ धर जायो सिप अस
 हिय तव विदेह गृह भायो मोहरन नृप जव विज्ञां ना परा भगति किय पर अस्थाना सो इ अधिकारी
 गुनिस वपाई सिप रागि नम प्रमि पिलहि आई एक समै धंनुं जंन गई दारिता सत लनी पत भई
 रजि मीति सो सद नहिं आई बेलन लगी गेद घवि घ्याई तव दरसन हिं त जन कहुं गए कठपौ अनंत ल
 विवि स मय छए दोहा को उठा उधंनु अनंत धरि रिपो कहहुं धंनु पाल निन कहत वंन कसौ गई प्रजन
 त उवात ७९ चौपाई तव अति विस मित फिरे उ विदेह सुता बिलोकन सने सने वलि उताल जायो

गाल
४६

पायो जवनेसीपजनकप्रआई रिधिसिधिगुरुप्रतिरहोलीभाई सचीसिवासरस्वतिकमलाज एविश्ववि
 लयेआइग्रहराऊ अनिलालितसिधुभईसयानी तवनपद्याहजोगजिपजांनी गुनोजोहोइअजोनि
 जनायक कंन्यायुतताहीकेंलायक अभिमतसिद्धिहितअतिअनुरागे आपउमापतिअचरनलागे
 लगेसीपसोउमहिपुजांवन भेप्रसन्नदोउडहुंकेभावंन दोहा कह्योप्रगदिगौरीसनुवंसुनुवडभागोभूप
 जासोममधनुउठहिंतेहिगुनेहुंअजोनिजरूप ताहीकंहंसस्रअरुअलंकारदेतातु किहेहुंकाजयो
 कहिछयेनुरतजगतपितुमातु ७६ चौपाई मरामुदिततवकहेपेविदेहं प्रजहुंधनुषसुताजुतनेहं
 गिरिजहिंधनुहिरजिसिपआवै परजंनजननिसधिनसुवषावै सनिनपमनसिधधनुजोउठा
 वै तेहिंज यमालसीपपरिहावै सुनिसुनियेगुनिसोभाषांनी आवहिंमहिपमरामुदमानी ते
 सरलवहिंधनुषवडरूपा उरिउरितवफिरिआवहिंचपा कोउज्वलितअनलमपपेवहिं कोउ
 सिंहबुषोईदेवहिं कोउफुंकरतमहांअहिलेखी कहंहिंपरसपरअचरजदेखी सुनेअलौलिकसीप
 लोनाई रावनआदिहुंगरवितआई दोहा अनितकंहिततकिभुजनिधरहिंरुद्रधनुधाइ टरैन
 निलभरितवफिरैसोकससोचसमाइ ७७ चौपाई सुनिसतधन्यान्परिसिहाई कह्योविदेहकरतस

शुनिसंज्ञा हंमैप्रकासप्रकासकअहंई हमरेवपुत्रैकुंठनिरहंई हंमहिरहंहिंगोलोकहमांही हंमतेपरे
 तत्त्वकपुनांही हंमहिनतेउतपतपारनहोई होतहंमहिमहंलयंसवकोई सिप्रसंदरीतंत्रसवभाषा
 कहेउतांप्रनिमैनुवेंअभिलाषा परमानंदमगननृपभएउ वचननआउपुलकिपगपरेऊ॥
 सीपविलोकेउअवउरराऊ हैनसजाकरनेकुहुंभाऊ होहा मायासंतविमोहनीप्रगदीआसुअ
 नृप लग्नास्वयंकरसुषहिंमहंभूतिचरितसवभूषण चंद लहिंजासुशक्तिहिंमूलप्रकृतिहुंकिपे
 वसवहुंजगतहैं जपजासुनामहिंजपततजिभ्रमजालमुदमयभगतहैं जपजासतेजप्रकास
 ममप्रतिभुवंनअगजगरमिरह्यो जयजासुरूपअनूपसनिममपरमईसहुंमुखलह्यो होहा॥
 सुनहुंसिवापनिगाधिसुतलघनवचनमुदपाई करह्योसफलतेउतरादिसिचलवभोररघरा
 ई चौपाई अतिसवसोसवदिवसविताई चलेसुशिष्यसकटअगुवाई होतप्रातकरिकुनिसोहा
 ई चलेरिषिनजुतलैदोउभाई अगिनिलोत्रसामाजिनमांही उतरेजाइसो नतटपांही न्हाइहं
 वनकरिरिषिसमुदाई करिसंध्यासानुजरघराई वैदेधिरिमुंनिमभुरुषपाई करह्योनाथनिजवै
 ससनाई कहिक्रमहीउतपतितवरीनी भोचपमुंनिनिसिमोवहुंवीनी करह्योतातसोवहुंअवजाई

काल

५०

न

गृहभरपा देवै अतिअद्भुतसिप्पुपा कोदिनतरनितेजतनमांहीं सेवहिंमा आदिचहुं पांही प्रतिरोम
 निब्रह्मांडनिकापा बहुविधिहरिहरविधिसुरगपा सवमपंचतहं आनैआना तकिअवनिमअतिही
 अकुलाना फिरिधरिधीरजदोउकरजोरे कहेमातुमैसरनहिंतोरे जैजगजंननिज्वलितअतिरू
 पा परमेश्वरीअनादिअनपाजैअहलादिनिसंधिनिज्ञाना शक्तिजासुपेप्रोदनिधौना दोहा॥
 सोरठा जउप्रजतिअतिवास कैमैस नानैसकौ होइजोसमितमकास तौमैपूछहुंमातुक
 छु ८० चौपाई सीयसकेल्यौपरमप्रकासा भूपमस्नकिप्रसहितरुलासा सवनेपरकोइस्वरअ
 हई जाकोनिगमनेतिकरिअहई कोविरचितएभवंनसदांही अंतविलीनहोहिंकिहिमां
 हीं कलियसोसवसिध्यांतउगाई मुनिसिपवोलागिरसाहाई तुममारैसवदिनकेताता भं
 निकहंहुजंनिमोकहंमाता भूदसलहैअसुरअधभारे तवतवईसरूपवहुधारे असकलाए
 नपरकारा पूरंनतमहुंदोइअवतारा तेसवअंसरामकैजांनौ रामहिंमोहिसवसोपरमानौ दोहा॥
 भंसुरसुरभीसुरनहितहरनहेतभुविभार दसरथअरुजुवंसदनदोउलीन आइओतार ८ चौपाई॥
 नेऊनभेदराममोहिंपांही तवएकवउद्वैदरसांही हमअरुगमअनादिअनता गावंहिंसिवसेसहुं

५०

अनिप्रसुरि नगर एते जों ॥ १॥

निषिद्धमरां नी सुवसां नी कियसनमां नभा पुनिजमां नी देसको सन पार पत भार उ हं मे सवय
 ह्यभुहं सिकहेऊ कहं हि परस परस उखरलो गा कियो कौन धौ दसर यजोग रोहा करि दोऊ रा
 कुलनिलक आ एको सिकपास सुमनि प्रीति सतकारने किय सुनि परहि निवास २५ चौपाई ॥
 करि वारता महि पमन भाई प्रभु समेत यौ देरि धिराई प्रात कर्म करि चले उ मुनी सा गवने उ संग
 हि मुदित मही सा चलि मग कछु कह उ मुनि राई देहुं प्रजनि सुष अवन् प्रजाई तव मुनि वर
 चरन न सिर नाई पल कित पुंनि पुंनि मिलि दो उ भाई फिरे उ भूप प्रभु रूप लोभायो लहि पार सजे
 उरं कंगें बांयो चलि मुनि मिथिलहि उपयंन पेवौ नंदन वन संमस वहि न लेवौ पुंनि दर सां नोय
 कत्रस यां ना रम्परहित वन जीवें परां ना तव पूछे उ मुनि संनर धराई कास सयल यत्न न लवाई
 रोहा गौतम व्यामरा मय हं करन सो कप्र महरि संग अहिल्या लै रंहरहे करत न प्रभूरि एक स
 मै मोहित सष विगौतम अंतर पाइ मुनि विवेष धरि कां मवस आयो यल सुरा २६ चौपाई जां निहं
 भूली मुनि नारी लहि सुष फिरि कोनी भय भारी भागि आस अवह पां ते जायो मोहि अपन पौ वेगि वचोयो
 संकर कटे कुटी ते ज्योही आवत देखो मुनि कहं सोही नीरय उदक किए असना नै लियो समधिक सअ

बाल
५१

उत्तमो मसं सत सव सुव धाई परन सेज पौ दे म भु आई सो पे ल व न हुं करि से व काई दोहा उदि म भात करि
 किनि म भु उत्तरि सो न सुनि संग चलि देवी दु प ह र अ म ल सु र स रि त र ल त रंग चौ पाई सार स हं स कमल
 जल सोहा पर म रं म्प त ट मु नि बुर जो हां त हं स म ह र्षि न टि कि मु द भी ने न्हां इ पि त र सु र स र प न की ने
 नित्य हो म क रि गोरि धि राई वै ठे सु धां त्वां द रु वि वाई करि अ स्ना न ध्यां न हो उ भाई वै ठे जा इ सु नि हिं
 सिर नाई क ह पौ क रि प म भु ग वं न क ल्यां नी क ह उ ता त तु वं वं स म भा उ
 आं नी भा गी र य र घु रा ऊं क रि क म ते स व क यां मु नाई नि रि वि धि सा ग र तो च लि आई सु नि स ल
 व न ह र खे र घु राई पर न प ग नि मु नि आ सि ध पाई दोहा कि प वि श्रां म पं नि स व हिं नि सि उ दि म भां त सु भ
 नी र नित्य नि वा हिं सु ना वं च डि उ त रे पार सो ती र करि म ना म च लि म ग सु व द पुरी वि सा ला जा इ पूं छे उ
 म भु मुं नि क हं सु नौ सु त र सा क ति रा इ भो वि सा ल ति हिं य हं प री र वी वि सा ला ना म सु म ति नृ प ति
 ते हिं वं स अ व स द न सु म ति गु न ग्रां म इं मि मु नि क र त हिं सु म ति सुं नि आ ए जु त प रि वार प ग प रि मुं नि
 हिं स मा ज जु न रू जे उं वि वि धि म का र चौ पाई प रे ही ट ज व जु गु ल कि सो रा भ ए न प न वि धु वं द न्ध को रा
 उ नि स व कि त रूं छे उ अ व नी सा ये क मा र को क रि य मु नी सा नि ज दु ति प री म का सि त क र हीं व र व स न
 र ना रि न म न ह र हीं के हि का र न अ नि

ने विमलवारिवरसुधासमाने अरुणपीतसितअसितसोहाए विगसेवारिजअलिनलुभार कंजहिक
 लज्जलविलंगनजाती विलसहिंरुवरविटपेनपांती सोभितसुमनसुपिकसुकुजौ रहींपरसिपुहुंमी
 फलभारै जहंतहंरहीफलिकुलचारी त्रिविधिवपारिवहंसिषकारी वहुंरंगरतनविचित्रवनाए ॥
 वरवाणनिसुरसदेनसुहाए कनकसुकोटवनकचितचौरै सौधसिधिरकलसनिष्ठविहोरै दोहा
 लषतलवाततलषेनकहंरुपधितचलिरघुनाथ अतिविचित्रपरनिकटहीभूधितमुनिवरसाथ
 उतरेजहंतहंरिधिनगननानादेसनिआइ अनितोत्रसामाभरेलसहिंसकृतसमुदाइ २६ चौपाई
 सुमोमहर्षिननुतमषुदेत आएकौसिकमुनिकुलकेतू सोइकरिसतानंदकहंआगे भूसरसवि
 वसहितअनुरागे आइजेंनक्रनापोपरसीसा दईसुआशिवहराषमुनीसा पुंनिनपरजिसमेतसमा
 जै कहेउभएउमषहरनआज भयोक्रतारयदरसनपार वृद्धिकसलमुनिटिगवैवार तवदेवे
 होउराजकुमार सोभासीवसुसीलअगार रहेउमहिमतजिनिमिषिनिहारी तनमनषुचरिविशेषि
 विसारी कदेनपरमप्रीतिरसपागे जिनअंगप्रथमभूपदगलागे दोहा एकितकह्यौपुंनिधीरधरिए
 कोजुगलकुमार छविकेछविमदमोदकेसरससिंगारसिंगार २७ चौपाई मृदुसरतिसवकेमनरु

न वि

काल
५२

निमिसमाने मुनिनिजवेषकसवहिदेवी जांनिदुष्टआचरनविसेवी दईआपकहिकैंकटुवानी गोलुरपतिम
 निअनिदुषसांनी करुणोअहिल्याकरुणपिजोई रेणपिनितोहिलवेनकोई परीपांडसुनिआपकराली॥
 तवमुनिबोलेउपरमदमाला दोहा अहैआश्रमरामजवतवलहिंसुद्धसरीर मिलिहैंमोहिइमिकहिग
 एहिमिगिरिसुनिवरधीर ८७ छंद चलिकरुंपावेंनपरमअवतेहिंसुदितमुनिकौसिककह्यो तहं
 गरसोकारिदरसअधरनिरतिहुंनिदंतनलरुयो तवपरेताकेपांडरषुवरसोऊआनिआनंदभरी नकि
 रामअंगअभिरामअनमिषसजलचषपायेंनपरी सोरठा सुमिरिगिरामुनिधीर गोलीपलकितर
 जिमभु तरुंगतमालशरीर नौभिरामजुतबंधुगुर छंद नमामिसर्वनायकं सुवासितार्यदायकं॥
 इगोचरंपरात्परं अतंविभुंधनुर्धरं नमामिसाधुरंजनं कुभूमिभारभंजनं करालकालवारणं न
 मामिसर्वकारणं सोरठा इमिवरकीरतिगाइ निजइसितवरपांडरि मिलांमुनीसहिजाइ कहिनजा
 इकोसुवशिवां दोहा तेहिछंदवरसेसमनसरधुंनिजयजयतिसुनाइ सहितअहिल्यागौतमहुंलख्योआ
 इरषुराइ करिअमुनिमिलिकौशिकहिगेतपहितसुषपांड तवसमरुषिनिनैप्रभुहिंचलेमुदितमुनिराइ
 ८८ चौपाई नकिउपवनप्रभुप्रनिप्राने पापीसरसरीसुभगलघाने मनिनजटितसवरनसोपा

५२

निरास ^अ प्रमथकसार कांमकमोनसभगजुगभौहैं काकपसकलकुंतलसोहैं **अहंनसहासचपलच**
 षकोहैं **लगी** अवनचुवनितचितचोहैं **गोलकपालचिउकसुकनोसा** अधरदलनिमृडहांसविसाला
 गरसरेषरावेषविराजै **भुजजुगवरउरआपुतभ्राजै** त्रिवलिरोमावलिमगरिसोहाई **नाभिकूपपां**
 निपअधिकई मरकतकनकनिदरिदुनिनीकी मुखकरसरदससिहुंछविफ्रीकी सीसजरकसीप
 गरीराजै **पडकाउन्नकंधषविष्णजै** कलगीकुंउलकटकसमालै जगमगरहीजोनिमणिजालै
 केहरिकरिनीरवरकरकमानसरचांप नवसिखसुषमासदनहोउहरहितकतत्रैताप **६३ चौपा**
 न ई तेरोउकुवैरजनकवालवाये लहिसुधिपरजनप्रथमहिधाए **लगेकहंनलधिरूपअथाहं** ॥
 लेहुंनेकिनअवलोचनलाहं कहुंहिंपरसवरपुरनानी अनुपंमरूपनिहारनिहारी जसप्रेमुनि
 संगसुतवरवेषा **तसकोउसनेउनकुहुंकोउदेवा** धौअनिमिपनविधिहुंकहुंआने अंसरूपजोहि
 कियनिरमानै कोउकहरामहिंविधिजगरविकारबैठाए **पंनिविहंविपेरुषवनाए** औचकवनेपेरि
 रहिचनई **उलकलैसोईसोचनरहई** कोउकहरामहिंविधिनवनापो सवकोचुषसुषनंधरिआसा **६४ चौपाई** सीप
 श्रीगौरीहरमिलीउचितैहोतसंजोग **नातेसिसचरिहहिंपईहरविकहैंसबलाग** **६४ चौपाई** सीप

गाल
५३

ये २
रहीं महिमंडलकरं भाषित करहीं वैकिसोर नार देष वनाए धोको उ सुवर भरतल आए धोम मंत्रं सभा उ सु
ष दई धरे देह द ग दे न दिषाई करपो विहं सि मुनि नार पुवंसा दसरथ सुत न प अवतंसा राम लखं न दो उ संधु
सुजांना तुमो कहं सो अहे प्रमाणा अस कहिं फि रिकहिं चरित सुनाए कहे उ धनुष मष देष न आए
सुनिस माज जुत न प अं नुरगे दसरथ भाग सराहं न लागे करि व हो रि निज भाग व जाई उल कि त ल वं
न लगे दो उ भाई सोहा सुमति मिल न लो मुनि व दं न मुनि विक्रम मुन ग्राम जानि जगत पति सज ल च
ष सता नंद ल धिराम १६९ चौपाई बोले आरत मुनि नार पांहीं मम पिनु थल लै ग ए हं कि नाहीं विस्वा
मित्र कह पो तर घाता मिली गौतम हि मुनि नुवं माता सनत हि मुनि अति आनंद लीला प्रभु हि प्रनाम
न हि म न हि मुन की कां सभा मध्यं नि अतिस प्रप्रीती विस्वामित्र महां त परीती सतानंद कहि स व हिं सु
नाई लगे प्रस सन स व सु य माई लै न प मुनि न प्रभु हिं करि आगे चलि क छ पर म प्रेम र स पागे स व विधि
सुष द रं स थ ल माहीं दिपो वास जे हिं सुर हं सि हांहीं न वं के वि दान प्रति गृह ग ए ऊ प्रभु स ल वं न मुनि
संग त रं छ ए उ सोहा ग ई फे लि ज रं न रं ष व रि मुनि हु ल सी र नि वां स सुने अ मा नु ष रू प व र न प स व भ ए

५३

मारी

जोड़

पौपौनिअवधैवांविस्मापौ जनकनगरनिमिनाउधरयो तातसमुदरतनाकरताई रतनसमूहंनियु॥
 रिहिं दृढाई इमिहरिकहत राजपथगर तहंअतिसुखविविलोकतभयो जिनपैमदनरतिहुंदुतिवारी
 औसैबहुसोहंठिनर औनमैनकेचित्रऔनजनु जोहतहीरुहिलेतहरेमनु निरबहिंमधुहिअटारिन
 चंदी अतिअदभुतआनंदसोवदी उमगेरससैअनमिधारी पुहुंमिप्रासकोउपेवतैनही जंनुअ
 पसराअनपमयेई महीमहेइजनकपुरजेई सोरा तहंउतकंठितकोइ उउतनजांनहुंअंनु
 लहि मंगलसमजहि मंगलसैमयहिजोइ जंनुकलसैआगेकियो १६७ चौपाई चांपलवाव
 नदसरथलाला अरुकिकरनटटहिंहियमाला तिनतेगजमुक्तनैमनरही सोइलाजावरवां
 जंनुकरही विरिसंजारेहिलेकोउधोई छकीरामधुविमुधाछकाई लीलाकमलैमुषकरिलीनो
 जंनुअसपाधीगुनफलदीनो कोउदगपथरुपहिंउरल्योई कियआलिंगनैअससषपाई को
 उकठंकोमजमोअवगादी देखेइनेविधिकरिरतिसारी कोउकहरतिनइनहिंअनुहई विधिसै
 जोगउचितैकरकरई कोउकठकामनहोनतिहीना मागिनइनसंनपहिलेहिलीना रोरा कोरिहुं
 असजोयहछविहिलेकेलासहिजात जोनजरवतताहिहररुपहिंलवनलोभात १६८ चौपाई॥१॥

मार

काल
५४

धे

परमपदकेफलऐहै मनतजिसुताइनहिन्दुपदेहै कोउकरेइनकेरूपलवेहिंजेंन भएपरमआनंदमग
नमन आनंदमिलीकौनबोसियको जवपरसीपगसुंदरपियको कोउकरेकांमजारिवरदीन्हों
रतिकहंसोसिवअतिभलकीन्हों नजरइन्हिलपिलजिअभिमानि न्यागततनसिरातसुषमां
नी कोउकरेजद्यपिपरमानंदै लहेउनिरखिरषकुलमनिचुंदै परसनभाषेनहितललचांकी ता
नेगुनोसर्वमनमाकी सुषमिअवधपरमानंदकांकी विनजांनेकविकहंहिसदोही दोहा कोउ
करेदगमगसचइंदीरूपरिहीसमाइ परसआदिसषयेतनहिंअतिअचरजअधिकाइ ६५ चौपा
ई कोउकरेभाइहुंवचननिकांही होहुविडंनमभुदरसनमांकी कोउकरेइहउकरेवनहिनीकां
लखहुंलेहुसषसारहिंजीको अरुसुनिपरेंनवचनैजाहू भयोमगनमनउदधिउछाहू नियनोतक
हिंभालिसवआपै देहिलगेनिमिविधिहिंसरापै करेहिंदेवतियवउतपकीन्हों जानेअनमिषहैसु
षलीन्हों जदपिकदासविलासविहीना पैयहिऔसरमईमचीना कोउकरेसवअंगसमकियजोई॥
इनअसमईजनाससिमोई रामहुंकरेतपेविपरनारी विनअधारइतचित्रनिराही दोहा अवधनग
रजोहोतनहिसुषसुषमाकीबांनि अतिअलपंमयहिजगतमहंकरेतसवैसुदमांनि ९६६ चौपाई॥ ५४

पोसुलभजिनलमिलनकि कियदसरपतपभूरि २०० चौपाई जोअनुसासनहोतगुसाई सोमेकरौरासकी
 नाई मुनिकहैएअवधेसकिसेए जगविष्णुअहंहिंवरजोए चाहंदिधनुषतुम्हारविलोका ताहिदे
 वावहुंतजिप्रनसोका ननुमिपिलाधिप्रमुनिप्रहंकहैउ सुनियधनुषकंसहुजिमिलहैउं दसप्रजाप
 तिजवमषमांही भागसंभुकरहीहैउनांही लियसरोसतवधनुषचढाई किप्रअस्तुतित्रसिसुरसमु
 द्राई है प्रसेन्नतहंआसक्रियाला स्वरनसरसनदियोविसाला निमिकेजेरतनपजगजांना देवरा
 ननपजुतविज्ञांना दोरा जानिनिनहिंहरभगतवरदियदेवनसषयांइ लहिंधनुशिब्रहिंपसादतेकिप्र
 महिंविजयेंवजांइ २०१ जबतेनपहरिप्रकहंगएउ तवतेनहिकोउसमरयभएउ नोधेनुधरिमहि
 मंउलजितई तातेयातिनअसउतरहई मषहितमहिसोधतयकवार लहेउसुतागुनसुखविअगार
 गुनेउजोवरउअजोनिजहोई जोगपदेनकहंपाकेसोई तेहिंपगदनकहंधनुहिसुजांना असविचारि
 भैंमिप्रनहांनी जोकोउहरकोदंडउठावै जयश्रीसरहितसीपसोपावै सोसुनिरावेंनआदिहुंआए॥
 दुल्योनतवगेसीसनधार सोइअतिमृदुतेंनकवरेंनआगे करहुंमगावेंनमुनिअनरागे सोरा नु
 वेंसासंनवलवांन तातेताहिलवाइहौ सुनिमुनीसमुसकांन जानिछकितप्रभुरूपनप रोरावीचि

वास
५५

कोउकहं देहं हिं हिमि हरनेना सोइतप फल कल तेन लहिं मैना प्रथमहिं मुनि नमोहि अजमायौ पर
विदेहं अवजीत न आयौ रहि अवसर सिधु चढी अंरारी अलि न बो दहे हरि हिं निहारी प्रति अं
ग सुख विलसत सुख छई सुख विधु सुधा चूडि पुंनि गरि सुदस सुदम हं मगन सयों नी आं नंद
आं सुन फेरि नहों नी तेहि छन राम रूप ते मारु सिधु धीर जहरी नच्यो अपारु भो असतं भस्वे
दसुर भंगा सविन डुरा यउ मम हिं म संग आशुकं पप्रल कनिक हं सीता सकीछ पाइ नमी
निपनीता दोहा ग्राही ते जंनु प्रभु पग निपरी सोरी ठल जाइ सकैन कहि कवि एक सुख रोजो
सुख सरसाइ १६६ चौपाई सिधु आं नंद सो निज हिम गुनई जो मम मन हिं विधाता वनई औ अ
स सुंदर रूप वनावै लषन निरंतर अनिस वषावै बहु रि विचारि कहनि मन मां ही वन हिं वनाए
अस वनाए अस वषा नां ही देखि वना उवि भव ग्रहराऊ जुत समाज मुनि मन अनिचाउं चारु चो
कवै ठे मदिपाला कोल हिं वंदी विरद विसाला जनकराज दिषत हिं उठि धाए मुनि समेत हरि साद
र साए अति आदर वर आसन लीन्हों एकि छ कि पुंनि पुंनि एजं न कीन्हों पुंनि मुनि सो कहां मिधि
लाना एक राम आग मन भो अति लायक दोहा सो गुंनि अनुचर मोहिं तुं म करि अनुग्रह हरि ॥ कि

५५

विवाहवरागमकहं कैतजिप्रोनहिदेव सुतासहितपुरनारिनर २०४ चौपाई मलहुंधंनुषहिषेचतभए करत
 परसपरस्वेदहिछए सुरअसुरहुंनहिजाहिउलाए सोधंनुवालनहेतमगाये कोउकहंमुनिसकोचनपए
 धी नारंककहहुंसवेमनमांषी करतनरकवहुंलाएतहां रामलधंनमुंनिनपमधिजहां फिरिकर जोरि
 हेंअसभांषी देखैजोकोउभटअभिलाषी जोरिपांनितवकहेउभुवाला मुनिप्रहआपोधंनुषविसाला दे
 वदनुजअरुनपवलवांना जाहिजोहितजिगएणमांना रामहिंयाहिलषावहुंस्वामी तुमतपजोगमां
 रुजगमांमी सोरठा मुनितकितेंनषंनस्याम आनंदसोलोचंनसजल कहणौवत्सहेराम देखहुंप्रधि
 नप्ररारिधंनु सेंठा गरसोगुरुहिंप्रनामकरिसिंहवृंनितहेराम महिपंनमधिपंडितमनहुं उउविच
 विधुष्यविधाम तेहिअवसरपरजंनसवैसधिनसहितरनिवांस रख्योनकोउजो रूपधंनुलधिनहि
 लेनपसास २०५ चौपाई सीयदसामधिसधिनसयांनी नलिननालइवेंधंनुअ ओंनी वचंनअगम
 किमिकहंभवांनी जानिसिरोमनिसोसवजांनी मुदिनमनहिमनप्रीतिवधांनी नलिननालइवें
 धंनुअ ओंनी लिपलीलहिउठाइवापांनी तेहिनवांइअतिचपलचढाई दक्षिनकरकरषेउसुसकाई
 सियसंदेरुसरांसनभंगा कियारुकुलमनिएकहिसंगा गरिबंडजुगरंग महिमोही फिरिसहजहिंगवें

बाल
५६

लेवः प्रावहुं चांपवः सुभट्टेन सोकतं भूप चलेनेन ते उचकित छकेराम के रूप २०१ छंद वलवोनमल्लपो
 चौहजार चहुवैलपडे वलके अगार कसमसन कंधले चलेताहि छंदरास्त्रिकवपचलतजोहि नरना
 रि कहै हि ईसहि मनाइ अवदेरुपाहि रुवेवनाइ इंसमनहि दलह अवनि आन नहि निहुं परद
 लहि निसि प्रसमान जो होइ राम अरु सिय विवोह नेहि सरिसनां हि सुषजगतमोह को उकरत भयो
 ब्रह्मो विदेह प्रनत जिन कहत सिय समन लेह को उकरत न तेहि सचिवों बुझाई अवकरुं सार प्रनभार
 जाइ को उकरत चतुर अति भूपराइ सिय इनहि समर पिहि धेनु छुवाइ सोरठा जो कष्ट संवित होइ ॥
 हमसवरुन कार सुकृत सुभ होइ तासफल सोइ सिय हिंदे इ नृप राम कहै २०२ चौपाई को उकरै इन
 कहै जो गिनिहारी विधिहिं सवै विधिवात संचारी को उकरै पहिलेहि को उनसनायो दसरप अति अनु
 प्रेम सत जायो नृपनि प्रतिज्ञै करन न पावत सिय हिंदे तरामहि सुषष्ठावत मृगयन न जे उजद पिजग क
 हई रामहि सियादे वभल अहई जीव नन पतवस फलहं मारा जो सिय वरइ कुवें सुषसारा को उकरै सि
 वसरवज मचीना इनकें मिलइन कहें धेनु दीन्हां सवगुरुना आपहि अपहरिहैं सिय वधै इनहि न संन क न
 रिहैं सिय मानु कहें अति अकुलाई अवनि प्रमन अवरहैं कि जाई सोरठा कै सव अनपुंम लेव सियहि ॥

५६

ल नहिउरवसी आदिअरुदेहिअजादिअसीस विरदवधो नहिचंदिजेन नाइ नाप पदसीस जानिज
 गतपितुरामजगजं ननिजानकिहिजांनि सनेस्वयेवरससुहिसन नृपनिजसकतवधोनि ७ चौपा
 ई षकीसुखविसविसिपहिसंवारी करिमधिगंवनिसुधारिधिारी तिनाहिंनिरविसुरनिपसकु
 चोनी सिप्रसवमाकिमिकहोभवांनो वरनहेनआवतसवदेष्टी उमगेअनिदउदधिविसेवीसु
 रनविमोनषयउअसमांन मंगलषविमेभएउजहांना डहुंदिसिकोसोभासवसांनी तोउपमे
 हैजानिवधोनी रचिनवजगकोशिकमुनिनारु विरचतजो कहुंअैसाहियाहै तुवेंधुवेंभंगचप
 लचषकोरै निरषतरंगअवनिप्रभुओरै देविसियहिअदभुतसुषपागें सरपतिआदिकहंनसु
 रलागें दोहा परममृडलसिंगारमयरूपनकरकतहोइ कससमिधिहुंअसपरसअजरहंहिक
 चौ० ढिनकरिहोइ २०८ नहिंविधिसांतमनहुंनिरमाना तातेहोतइहैअनुमाना रससिंगारसागर
 कहुंभाई जरुहैयसीयलसियहुंजाई निरमितकामकहेंसोकहई विरचनअतनअसंभतुअरु
 इ सफलजनमअनमिषताआजू देविसकलरामसियकाजू असकहिसुमनमालहिममारी
 भैवकोरविधुवेंदननितारी गुरजेनसकुचदरसअनिचाउ वनेनवरनततेहिंघंनभाउ करकम

मः भएवंधिरअजआठउकाना आठहुअहिकुलश्रुतिनविहीना पेचघनहिंश्रुतिदोषविलोना ११

यात
५७

नेगुरांही भरेउभवेंनतिहुंरवसोमहोंना छंद धेंनुभंगधुंनिअतिचंडसुनिजेंनसकलमहिमुरधितपरे
रहिगणमिथिलानायअरुमुनिनाथउरकंपितवरे धितिउलतिहलरुलसिंधुजलषलरलनमल
षलभलपरो बहुगिरनगिरिवरश्रिंगरिगजनिकरचिकरिउरभरो कसमसतसेसहुंकोलकस
पधराधरसोंधारही महिदाविपायेंनलवेंनयाम्हिंहरषिनाथनिहारही मुनिवरसुनिस्ताधुज
नकरकांनदेजैजैकौ परिधारकरिषुवीरसुमिरनमुदितमनपायेंनपौ सोरठा पुनिप्रमुदितम
अजोइ सुरनरसिद्धमुनीसगंन कियजैजैसवकोइ वरसेसरसरतरुसमन ई चौपाई बाजेअं
वरअवेंनिनिसाना लगीकरनजुवतीजुरिगाना करतगाधिसुनसुतपचुआई उठीसधिनमि
लिरनिहुंगाई सियमुषमेमविलोकनिभाऊ लविउअलिनअमातनचाउ विहंसतवेद
नकरहिंजेंनग्रामा भेंजेउसंभुसरासनरामा महोंमुदितमुंनिपगपरिराजा कहप्रभुक्रपा
भयोपहुकाजा सनेसनेहरामपुंनिदेवा धेंनुभंजनअदभुतकरिलेवा कोमलजेंनवलपरमअ
तरकीं किमिकीरनिकहिसकौकुवेंरकी असकहिजनकसिप्रहिवलबाई सतानंदअनुसो
सनपाई सोहा वजेवाजनेविमगनकिप्रभुंनिवेदविसाल गंधरवकिन्नरचारनहुंगावहिगीतरसा

५७

येन पार १२९० चौपाई कोउतहं निजवरगंन सों कहेउ जातिकुलहं भल मुदित करेउ विप्रवेश कोउ
 वनितहिंरुपा भयोभरिभयव्याकुल भया तेहिं छैन मनहुं भारगवभीती कोतिउष्णरुसिरीसो
 श्रीती रामलवनगढ आश्रमछाई कहिन जाइ मुनिसिय दुचिताई भरसो चवस परन नारी येक
 येक सो कहं हिंदुवारी एत्रिप्ररुधिरसरहिं तिहुंवाला नहिं जास सरकाल कराला भगभक्त तेइ
 भागव आए अवधौ विधिविभुकरावनाए सुनि एवचन जनन समुदाई कौशिक प्रतिबोले
 रघुदाई पंद कह्यो हरीगुरु अनंदमे विषादहैं कहां कह्यो लख्यो न भागवेद अतरे नहीरहां॥
 तके मुनीस कौ सवैत्रसे उदे किए हहा सोपांच अर्ध अर्ध सारह्यो रह्यो महा दोहा काननके
 काहं वचन धनुषधं उजै देखि परसराम बोले वचन उर अति अचरज लेखि छोउत सरजुत धें
 चिरुरति परस परचहिं नास तासति प्रेन उतरे वलयगुमौ न उतरे जासु २९९ चौपाई दसोवा
 लवांहुं बल सोई विधि अनि अद्भुत गति तुजें जाई ममजीतो कुमार मुषदेवी कोधतंत अति मोक
 हं पेकी हरिगिरि जाजहं सनै भए तिनके धंनुके टटिहुंगए चउलवौ धिके धिके हेमोरी वृषहिं कहुं
 हिंसव मो कहुं कोही अस कहि कहुउ चउलवौ ले करसोकहि न कुठारहिं तोले रेविदेह वलिचेणि

शाल
५८

लनिजपमालसोहाई सियसकंपतकिमभुहिउगई **छंद** गहिसीपकरषकसविसयांनीमालप्रहिता
 वतभई मभुपरसिबैचिनसकलनेसोउ करपीतिउरउमगीनई लविभांवअनुपेमअपरवरसंहिसु
 मनसंभवजाइकै पुरनारिनरषकिकरहिआरनिमंजुमंगलगाइकै सोरा हयलंयीमनिवीर वि
 विधिनिष्ठावरिदहुंनकी नैहिलहिजांचकभीर भनतिविमलकीरतिमुदित रामहुंचितचलचै
 न **पल** किततनषविस्वदकन सियहिलेआईअन मृगनैनीमुरिहरिलवत दोहा प्राहीअव
 सरचारएकसपदिसभामधिआइ जनकबोरकरजोरिजुगबोलेउअतिअकुलाइ २०८ चौपाई
 महोंराजप्रादिधनुषसमाही आएसुनिनप्रगंनचहुंयाही कहूंजवनगजसमुहिसिकारु आश्र
 मनेगमनतपगचारु जहंमहंजंनसंवादमसंगा कोलाहलसुनिरुधंनुभंगा अतिहिंकुड
 आव्रजभयुराज समयेंउचितईतकरिपउपांउ सुनतजनकभयविकलमहांई सतानंदआदि
 कमुनिगई सांतिमंत्रपढिईसमनाई लागेकरनमेवसुभदाई सुनीपरीजहंतहंभयवोंनी सुन
 नहिसविसहितसवरोंनी लगीमनावनअतिअकुलांनी विविधिभांतिपुरपितरभवांनी॥
 दोहा एपेहिंपरानेवलनृपतितजिको कनिलजहंप्यार हरषितहरिपरलषंनहितकोतुकभ

राम
५८

सुनिकछुपजनिउरदपोंवउलविपाऊवैन येपितानतरपनकिहंनपनरुधिरसातोनि वरुन
 कोपअनलहिउधुंनभयहंसंभुधुंनभांनि २१६ चौपाई रामकठपौसुनिएसुंनिएई वालचपल
 तावसादिगजाई लियकरचापटदिजोइतनेउ प्रहिप्रसंगतैतुमहिनगनेऊ भगुनांपककहं
 कोधहिमांही अरेप्रथमसिबुसिषिमोहिकाही गनेनरुहिकहंसुनियकेपांही गुन्योनगरवक
 हियअसनांही भोनविचारिमकानिलरिकांही अजचंकप्रभुछमेकरही जंननीवीरनुस्गारि
 निमाता जेहिप्रगसोसुतजगविद्याता भगंनगनेसंदेतउदेवी जितहिप्रसंसेउशिवाविसे
 धी सुनिमुनिहसिकहंराजकुमार अरुनिकरोनवारहिंवार होला पढेजेविश्वामित्रपहं
 दिव्यअस्त्रसमुदाइ सुरनिकरौप्रहिसमयतेसमरउद्याहवडाइ २१४ चौपाई परमकोपउरकोप
 रिहरहं रजनीयजातिहितैअरुहं अतिसरोषभाष्योभगुनायक रेजातिनमैमनिवेलापक काल
 उरचसमजाकीधारा लियेकांथमैसाइकुठार कतअवहंविनआयुधटाटा धरिधनुसरकारक
 रुरेनगटा रुहिकहंमरविकलमहंजाए प्रभुकोशिकदिव्यास्त्रपटाए उंनिछविप्रनिवीरच
 तभीमै तदपिविप्रवधगुनिनिजजीमै तदपिविप्रवध परमअस्त्रहंमरैनमैहंधरै औसोसाहस

३० कौशिकनामउचारिहरिभएअसमकछुमेन कलोलजहुन
 हिनजवरनवदतवीरातवैन॥ ५॥

छंद

वाल०
५६

वजावहिं कहं सोइ जो राम देवावहिं जेहिं जानेहुं मम गुरु धनु तोरा निदरि विष्णु तवां हुं वल मोरा सुनि
 सकंपरहे जन कचु पाई हरि कहं जोरुं मुनि जे न भाई दिवै त्रिपुंढ भाल मै जटा सु सी समै छजे कु
 वार कंध द्वै तु नीर द्वै को दंड जस जै समं जु मेव लाम गको चर्म धार नै किए लसे विसाल नैन लाल
 जाहिरै रिसे हिये छंद अलंकार चुदास के अंग की नै करै देखि ने दंड ओवां नली नै हदै मे महां
 अस के धार जै मिले सांतरो द्वै नै माह भ्राजै दोरा अद सुतरु पमुनी सपे अब वे लं वुजो
 होइ नौ पावहिं गुर जे न दुषहिं कहिं समुहां ने सोइ कहे उजाइ दस वदन मद मोरन सरु ससु
 वांहु पुज वल भंज कहे मुनि परि पाई सु उछाहुं २१२ चौपाई दे आसि वष विरहे निहारी लवि
 अभीतरै राम उचारी कहं पितुरि पछ त्रिपुंन धन को प्रेक सहायक प्रद सुदरन को पुंनि छत्रिहिं
 निगभं कर नासा करत करत सव दिन अनयासा डरगं धितै अजहुं जे धार सुने न श्रुति सो धोर
 कुवाग कत न वराम जे न मदिज ताई कुल भगु अरु असु निस मुदाई तासात गुरु संकार जा के अ
 कथ पराक्रम के जग साके छोनी जोति दिजं न जि न दीनी कीरति निहं लोक महं कीनी ऐसे सुनि
 ऊं सुमो को उना हीं विन जां ने परियत पग मोही होरा परसराम कहं राम तु वंस ससु जे न ताचे न ॥ २१॥

५६

निज जंननी बंध कारी वधै जोग कछु पाप न अहई औ सो काम सभों मधिक रहई निपट ही रह निरल ज्ञाप
 हाई सुनि मुनिकहे उसरि सि मुस काई दोहा भली भली लाछि मन कहीं तैल हरेवल धों म रष कुल द
 शरथ गुरु दयै भए जेठ हे राम २५७ चौपाई वीर रहित छिति तल मोहि माने नही एक अंकुर अह दाने
 कहें तहे राम कहें हुं गुनि भाई कहें गुरु न प्रति ई मि न वडाई राम वचन जन कादि कभाए कहें पौल वन
 फिरि सैव दए अव मुनि हं मइ न मौ नै लाए नुमनि जस जस कहें सुष पाए परसराम तहे राम हि
 जोही कहें उकहां फिरि फिरि गुर दोही दीन परम मड वचन उचारी तजि छत्रि पधारम हिं कुल भारी
 गुर जो शिक मंद विनियु हं कांही करहिं कलंकित लाज हिं नांही हरिकह कहें सांविषे वानी पैं
 मय कदि ज कुल भय मां नी दोहा अति हिं कुपित मुनि कह अरे मो कहें वार हिं वार निज कुल गुर की
 शिक सरिस भित्त क कह न कुमार अजु चारि तुम सत सहित हति दसरथ सराग्रों म सदल जंन क कुल
 दल तमै रुद्र शिष्य मुनुराम २९८ करौ समर महि भीम महांई मभु कहें कावच न निउरवाई उपजे जेइ
 स्वाक कुल मांही ते सपने हं रंन ते न स कांही भुक्ति कुटिल भुगुवर सि सचाए कहें उकहां फिरि गुरु
 रुल गाए बोले राम हं न कि रि सि हीने उद्र शिष्य नु मरै विनु जी ते नहिं संतोष क शिव धंनु नारे कहें पोभा

वाल्मीकी
५६०

कैसें कहैं कहैं सुजसकै अजसहिं कोई दिज कहैं षु कुल सूरन होई दोहा मुंनिक हं वाचक स्वस्तिके वि॥
 स्वामित्र वशिष्ठ निन संमहं महं कहैं कहैं सिअरे अज्ञ अनिधिष्ठ भोजु प्रगच्छ त्रिषु धर सनारायन की
 वोंह भयो लीन सौं जित भुजं निजे इहं मभगु कुल जाहं २५ चौ पाई उत्तर प्रति उत्तर ने कहैं दरसों
 वहिं किम विक्रम मता हर धनु भंग जनि तरसि आगी रहति उरहिं जो छन छन जागी निमिर षु कुल
 कुटुंब के आस उरि हैं निरुचै आजुहिं आस गुरनिंदा स निकुपित अपारा भयो अरु न वषल धन
 कुमार कहैं गुरु न निंदा अनुसरहं मुंनिस भाउ उरने कन धरहं आजु राम मोजे ठन भाई रघु कु
 ल महं मोहिं जननि न जाई जंन मोहिं वीर अवीर की गन ही अथवां अवनि अधम भल भन ही तु
 म अस मुनि मर मयि वेकां ही लोत पार मैं अवयहिं धां ही दोहा मुंनिक हराम अरे तुमहिं कहत जे
 ठहैं भाइ आइ कहां लछिमन इहैं कहैं विहंसि रघु राइ २६ छमा करिय अरभ क अपराध सुनै न
 कबहुं सुहृद गुर साध पर सराम कर पतने हूं मां ही मानत हो कीरि हैं किछ मां ही तुमहिं अस्त भए
 पीछे रहैं जै हैं अस्त जां निषहलैं पितु सांसन निज जननि हिं हं नेऊं ता कहैं परसत सहजै गनेऊं
 उंनि न पग भं बाल वध कां ही पर सुनि दुर विदितै जग मां ही कहैं लघन किन कहैं मुंनिक मरु मुनि

पुनिपदधरिसीस सोरठा वनेसुसंघनिसोंन बरसेसुरमुनिगेंनसमन लगीकरनपेंनिगोंन तियतिहुंपुरमंग
 लसजे २२० चौपाई ७रजेंनजनकसुप्रेमसुरीती सहितसधिनपुनिमिपसुषप्रीती कहिनजाइरानिनउत
 साहं भरेभुवनमुदरामविचार राजकुवरधिरिधिरिवहुंपासा हंसिहंसिकरहिप्रेमपीहांसा वंदिकोसिक
 हिजनकवहोरी बोलेपलकितरो उकरजोरी मोमनअसमतभावतस्वामी पठइयपुरिहिसीधुजेगोंमी॥
 अपवधपतिहिसवधवारिजनावै साजिवरातवेगिजेहिआवै लहिपुनीसमतअतिहरवाई वंधवरग
 विचविठीलिवाई चलेचारजुगलैसोइपानी परमप्रीतिजुतमतिमुदमांती दोहा सोरठा रामहुं
 किमोपयोंन मुनिसंगयलदिमिअनुजजुत इनकुलवेदविधान चारकरावनमुनिलगे २२१॥
 चौपाई विहंसिगानिननिग्रामहिंदरसहि विविधिरंगकेफूलेंनवरसहि एकएककहंछकीलवावें
 हिं दिखदोऊकुवरपरहिंछविछावहिं निनमहंसायनराजकिमो भंजिचौपभरुवरमदमोग स ए
 विमुठिसुंदरपहंसियनाहं ग्रानहुंतेप्रियहंसवकाहं कोउकहंसधिविनुकुवरनअैसे नपरांनी
 परजेंनरहकैसे कोउकहंसुनिपरवाठिरल्यए नपनिजनयतेंनइनहिंपणए कोउकहजनकतपैप्र
 निरुपा ल्यापोजौचिअवधपरभषा कोउकहंनपतिवरातवलाई सधिरिनदिनआनंदअधिकाइ॥

वाल
६१

रागवदगदगजोरी भोकोधानलज्जलितमहाई जनकदसरथहंसकुलसहाई पुंअवधोकेआहुनिलोली राग
 चंद्रभाषोतोली परसबअवहीपरनुलवाई देहंसरासनममकारभाई दोहा कहंभगुनाहसधनुषव
 लजोगननुमसंग्राम भंजेबुभवंधंनुप्रथितपैपराचीनपरिनाम १९ चौपाई हरकारवनहिंदुरिपरहंज
 तुमानिमिन्नमात्रहिंजगभएउ अवलैयरहनवचोपचढाये तौममजुद्धजोगितापापो ग्रहिंडंद्रहुंनहि
 सकैचढाई धीचहुंकेतौचलहुंपराई नारायणहुंचढावनमांली शवतहंअमसंसेनांती प्रभुमुसकाइवी
 चिधंनुलीने चपलचढाइंकोरहिंकीनो अतिकरालरवत्रिभुवेंनकांप्यो मुनिमरविष्णुरामकहंयां
 प्यो करुणोरामजोसासनहोई करहुंविप्रधिप्रहुंमैसोई गुनिगुरदोहीमुनिरिसभरो दियोवांनकरुं
 जुहुंकिरो छंद करिकोपहरितवकरुणोभगुवरअहोगरवमहैभरे जसमुन्यौनैसहिंतेमोगुनहिजरहे
 उउरहिछमाधरे अवलसहुंमोहिनिजरूपपरकरिविमलदिसविलोचनै प्रतिरामबहुब्रह्मांडलवि
 भगुनाथरघुवरतैहिछमै अतुनारप्रानमानिनिजसोमोहवसनहिंगनतमे तवईशपतिश्रीरामशु
 निलौवैचिधंनुसरहुंनतमे अतितेजजुतसरतेजनिनकोनुरतलैप्रभुप्रदगयो तवप्रेषहुंमीपरसधरतहुं
 मानविजुजंनुतंनुभयो दोहा भगुवरफिरिउहिजोरिकोरिजोनिगमपरईस करिअस्तुनितपहितगराउनि

रसालवनाए गौरसपल्लवपलनिसेहार कदलिपुंग अहिलतउवनोई मंगलषटपदधजषवि
 षाई हाटवाटग्रहवागसकृपा रचिपरवासिनकिमोअनूपा भैपरमंगलरचनाजैसी सकैनविर
 चिविरंचिहुंनैसी एकलघुवनिकविभवग्रहसोभा देविदिगीसंनकरमनलोभा दोहा तेहिंअ
 वसरपुरषविभनतपावनसारदपार उमानअचरजसमुहिसिपरामप्रभावअपार २२४ चौपाई
 तीनिदिवसमगामहं करिवासे देवोदतनसरजुविलासै तरलतरंगभोरबहुभ्राजै सुषरमदुपदि
 जवनजविराजै चाटसनाउउतरेअनिचाऊ निरखततनसिटीनिवनाऊ जहंनहंनगरवजा
 हिंसुवधाई करहिंगानपिकवयानिसेहाई गजमुकुतनिचौकैरचिपूरी चांमीकारचौतरियाह
 री तिनमहंमनिमयषटदरे दिपहिंसोदीपनिमालनिरुरे निमिप्रतिद्वारनवंदनवारे निजकार
 रचिमनुमदनसंचारे दुषरासीपरवासीदेवे दोरहिंपछंनपयिकहिंपेवे छंद कहंलघतिकटतक
 रिनकलभंनिसजेसुरगंनजातिके कहंवाजिरयवहुंवनकभ्राजहिंमनिननानाकातिके कहंराजकु
 वरसुजांनसोहंहिंमलिपमनिजातिके कहंवीरधरिधंनुतीराजहिंवीरताकीष्यातिके दोहा अवध
 विभवआभाअमितभएसवितअनिदेवि गवनेपुंनिगहिराजपयनहिकछुसुरपरलेवि सोरपा॥२॥

सि

वाल
६२

दोहा अनिप्रिप्रासियहि विदेहं पंनि अनिहै वारहिं वार निमिआनें अहै प्रकअली अनंद अपार सी प्रसु
 ष्विसकुचें निचल नितक निसमे मउमंग हियहि सराहत राम यत्न आए कौशिक संग छके स्वयं
 वरसुषल प्रतिजनक विनयसनमोनि कह्यो वरत डुल विष अचटिके लाभव उजोनि २२ चौपाई दि
 कारि गरन जनक बल वाए मुनि आयुस आतं हित आए जिन लखि विमुकर महुं स कुचां ना लगे ते
 विरचें विमल वितां ना षोडश धंभ उजंग सोहाए कनकरंज तरंग वसन बोढाए तिनमं हं महाम
 निन वहुं जाती किय विचित्र स्वना वहुं भांती उपर हरि दुति वंस निष्ठाए मीन अरु न परतरे ल
 गाए चहुं दिसि माल रिगज मुकतं नकी मगरो हं निमो हं निमुनि मन की विलसहि चै कै विरचि वना
 ई चित्र गलीची मनहुं विष्टाई भीतर समुद्र सवुज मनि षाये सकल रतन जाति न ते भाषो दोहा
 लसै चित्र साला ललित मानहुं वरुन विहार पत्रन पुहुं पंन मनि न रंगइ द्रधनुष आकार सोरठ
 लसहि जे वंदन वार मुकतं न के गुहाहुं सहित तेइ चारि उदिसि दार रहे राजि साला सभग २३ चौ
 पाई वेधिवि तांन जोति दीपन की मलमलाहि जुत दुति मनि गोन की मनहुं सरतर न रंगहि अहं ही
 जो वरु दिसि पै पै धिन परई मधु विवाह कुं भज आगम नू जांनिस के लो जल सरि मन् सुवरन मनिन ६२

नि होहा रतनफलफलपल्लववहविधिवरनवनाउ लहिसुवासलषिहरतमधुहोतचौगुनोचौउ
 २७७ चौपाई नीलरतनअतिगुंजतठीके चलहिसुनलजलतूलअमीके हीरधमनिदलान
 वहुंसोहे करहिछटनिरविकारनितजोहे विछीविचित्रगिलिममृदघनी चारुचांदनीतिनप
 रतनी सैजंनकीविथरेसुषसीवां गजमनिमयगरजनिजुतग्रीवां कुंडलकरकविजायठधारी
 वैठारहिसादरदरवारी राजहिरतंनघरीकरमोही सोहंहिंसिद्धिमहर्षिमुनीसा जंनुवहुंजन
 कियसरसुतिईसा सभामध्यदशरथअनिछजन विबुधेनविचजंनुविष्णुविराजत दोहा राज
 राजपतिमुकुटमनियहिविधिदेखेउजाइ मायनाइ ~~चौपाई~~ हतनदईपातीअतिमुषपाइ ज्यौ
 सौवाचतमुदिननृपसौसौमैमउमंग मनहुंफटिकासीसाभरतक्रमक्रमंगसुरंग २२८ चौपाई
 ननननरुहलोचनजलछाए रहेशरिकसतनेहछकाए लगेकरनफिरिचकितवितारा मम
 कुमारदोउसुहिमुकुमार जेहिंसुरनअसुरहुंनजोलासौ तेहिंगहिंकेहिंविधिरामचढासौ॥
 पाविहुंतेहरकोंदउकठोर तेहिंपनिकिमिकरकमलनतोरा पंनिकिमिदयभगुवरमदबोई जनक
 लिबापंनिमृघांनहोई अचरजकलंकपासुनिवारकी महिमाजासुजाइनहितरकी गुणसौवहिं॥

वाल
६३

चलितिनपेवीजाइ पौरिप्रथममनिगनजटित सुरधनुषनतनकाइ चलितकोमसीदिपतिअति
 २२५ चौपाई दाढेनरुंदरचारीरुं चमरषत्रसोभनितेंपूरें तैसहिंनृपतिफिरवहुंआवंहि चारचल
 नकीगेलनपांवंहि वंदीगनवरविरदउचारे डंडभिषेनेघहरनिमदहारे वजहिंवाजनेसकल
 मध्यांना करहिंभाटचारनगुनगोना हारपालवरवेषविराजै जिनलषिइंद्रिहुंवारपलाजै स
 चकेप्रभुहृत्तनपहिचोनी कहेउआगमनहेतवषांनी सुनतहिंसोअतिआनंदछाये जाइस
 भहिंकरजोरिजनासो मिथिलापतिपठपेहलकारे दाढनाथदुवारहंमारे होहा लहिअनुसं
 सनफिरिसपदिसादस्चलेउलेवाइ पौरिप्रथितनकिसाततिनसभाविलोकीजाइ २२६ चौपाई
 लषीललिततहंवारहरी जलजमालरिनसोभितषरी विलसहिकहुं कहुंमांपैनीनी मनुमनि
 विविधिषट्निसेवीनी कहुंदुवारनहिंजांनेपरहीं मनिपरभनिपूरेंभ्रमकरहीं कहुंघाकोभां
 जुधारनहि कहुंविजुजलपोलसहिसजलहीं कहुंजलमयविजुजलहिविलोके चारुचौपरनि
 रतननिकोके मनिनमीनरंगरंगसोहाई मगदतदुरतदगनिअतिभाई फूलेमनिमयवहुंगसर
 सिज रहीराजितिमिभूरिंगरज हरिविहंगवरवालेवहुंतति लसतिरहततरुततिविचित्रअ

६३

जैननिनआगे बाँची फिरि फिरि अति सुषपागे सुनिहुलसी विलसी सवरांनी मातन मोद न जाइ ववांनी परल
 गाइ प्रिय पत्र सपांनी रिएरान गुरति पसन मानी लहि असी सतिन की सभवांनी मंगल गाइ उदी कल
 बाँची कदिवाहेर आए हो उभाई फैली जहं नहं वरिसो **हाई** गए नुरत गुरु ग्रह चलि राऊ सने सुसील सभा
 उ सुचाऊ पगपरि पत्र सुनाइ सोइ कहते उपगे अति श्रीति नाथति हारे पद कपां भयो काज प्रहिरि ति सुनिन
 प्रसक्त सरहि मुनिकहे उपरम मुद घ्याइ सजहुं वरात हिंवे गि अवफिरे उभूपसिर नाइ **चंद** सी मोनव
 लाए हरखित आए कहेंहुं कुमहं मम पावै नृप करुणै चैन ते जनक औ न ते जव भरि फिरि नहि आवै सब सुन
 हुं प्रवीने नितहि नवीने अभरं न परगज वांजी अति आदर दी जे तारी की जे करि कुल नृप जे नराजी रोहा॥
 फिरे ते सांसें न सुनि सपदि प्रावर भर प्रति ग्रेह राजत नृप निवास मधि नीदन राम सनेह **३३५** भोर भए वहु
 वजेन गारे महिप मुदित महि देव हंकारे दिये दौ न वहु विधिसन मोंनी चले देत आसि वरवांनी विविधि
 निशावरि रानिनी कीनी वरनत सज सजाव कुं नलीनी लसे पहिरि पट अभरं न नाना तिहुं परमुद मंगल
 करगोंना जयपि अवधि अवध सुष सोभा रह जहं दिगपालन मनलोभा तदपि प्रीति वस परन नारी मं
 गल मय ग्रह गली सेंवारी चोमर धुज पना कपट घाई चित्र विचित्र वजाख नाई तोरन कनक कलस मनि प्रा

वाल
६४

नृपसुतसुधिपाई आंनननै ननई छविछाई अतिमीठी नृपची ठीवांची परममीतिसचके उरमांछी
 सोराण कहं हि सवे अतिचैन कसन होइ संवंध अस गांधिस वनतपअन तिमिपरपंममितेन
 पति होला आरसा नुज भरत सुनि पुलकैष वरि विसेषि लहेउसभां नृपमोद अतिभारतप्रीतिग
 तिदेखि २६ चौपाई वृजे उन पद नन वैठाई तुमनिज दृगदेखे दोउ भाई जवने कौशिक संगति
 धारे तवने समाचारये पाए ओइ परमप्रिय पुत्र लबापो को तुम संमजांचुं मनभायो कहं
 कुंजन ककिमिति न कहं चीने परिचार कहं संग नहिं लीने जिन पुहुंचे भोमंगल तहें जिन
 की कसल नाथ किमि कहं जदपि आपस वअभिमत दायक पै लीवो अतिहित नृपला
 पक मभुक्क मार किमि दुरहिंदुराये रविहुं सासिहुं कहुं छपहिं छपाए सीप स्वयं वर मुनि वारं
 गा राम नृपनमधिक्रिय धंनु भंगा सोराण भई भक्त भगुनाह सुनत आइ किय कोय वहुं प
 रविमभाउ अथां ह दे निज धंनु तप कहंगए निरषत नृपन अथात विस्वविमोहन वंधु दोउ
 शाना विराग भुलात नयन निउर भरि रहत छवि २३० चौपाई सुनिद साय दतन प्रियवां नी कास
 दिवापो वहुं सनमां नी गए भरत भीतर लै पाती पुलकित प्रेम प्रफुल्लित धाती तहें सवरा निन

६४

२४) कहेंहिजिनहिंजेंनुजोहिं जोहंनहारेजदपिजग पैप्रहनिहिवितलो३ तकेहरिहिनहिंसेतुरिन न
 तरुपेकइनमाहि लेतेअवसिमसन्नहैं सोतेकेहंनहिं षगवाहंनपुहंमीप्रथित दोहा भरतहिंआदिक
 नृपकुंवरसजिसजिजुतहंथिपारु चटिचटिफेरतविविधिविधिगतिनकनकजंजार छंद मटकानिछह
 रिछनछविछाजही तवकंपितदंतिसुकुंभवहुंरंगचित्रसरधनभ्राजही रवषट्षंरिनमोरपिकमिलिमु
 दितकलधुंनिसाजही सोरा सिरीअमारीमूल कलितकरनकंठाभरन तकिसुरपतिवितभल चदेअद
 पिएगवतो जिनसरूपअनरूप वसोनविषतवसकुचिविधि मांथैएकअनूप रचिगंननाथैसिरकिथो
 २३५ चौपाई सजिसजिसुरसमाजमनमोहं चटिनपगनरखवंसिहुंसेहे साजेरथपताकफहराने सरद
 जलदआभाअपमाने किंकिनिधुंनिकलहंसलजांनं तजिकलरवचनचोरउजानं विलसेहेंसारथिनसं
 वारे मलंमनिनमपअभरनधारे जोरतजोहिसहसासहदीही परेपेविमनिपरभनिनीही कहेंहिगतिनत
 ५) किसुरसषण्ण ईनरविहंविधिवादिवनाए निरधिरयनिछविगविसकचाने निजरयसुखविअसमअति
 माने पैनिजकुलदसारथयजोनी भएआपहीरथअभिमानो दोहा मयमवशिष्टहिंआदिमुनिमुदितचदाइम
 हीस आपहुंसहितसुमंतफिरिचदेसुमिरिगनईस वजेनिसाननकीवगंनवाने विरदसुवानि पावरभरचहुं

बाल०
६५

ला हरदहवफल फूलरसाला दोहा कदलिषंभसोभितसंदनद्वारसंगंधसिचाइ चौकैशरीगजमनिन
मंगलछविस्सासाइ २३२ चौपाई जहंतहविधुवंदनीगजगोमिनि पिकवपनीमृगदृगदुतिदांमिनि॥
जुथ्यजुथ्यसजिअभरंनसारी गावहिं गरुडगीतसुवारी निमिअंवरअपसरकरिगोना कविसमं
ननृजहिंगनिनाना दसरथसरनमनोहरताई सिवा सुकविकुलसकै नगाई मंगलदरविविविधिजहं
सोहै मंडपमहां मुनिनमनमोहै रामसीयहि नगौरिगनेसहि पूजहिंरानि प्रमोदनरेसहि गांवहिंवाह
उछाहसमेता निकसहिं प्रविसहिरुसिनि केता कहू कहूवर विवंदधुनि छावहि कहू भाट चारन गुन म
गांवहि दोहा कहू आए नृपगंन सकल संनमानहि नृपगंनि सकै नसे सहं समय तेहि प्रेम प्रमोद वषांनि
२३३ नृप आयसलहि आनंद छाए रिपहंन रुयग जरथसजवाए जीन जटितमनिमभुनि अनेका लसे
विचित्र जे उरंग एका मरकतमानि भषित रुयनाना करहि सकल रुयसुरपतिजाना गरुड अनिलन
भगनि अभिमाना करहि नकवहुं कयहि अनुमाना रापनिषं निधिनिन भक्ति प्रचहंसी फर कहि जं नुर
विहय छविहं सही फरकत अधरवेग अधिकाई कहं हि न निजलवुनै उरल्योई जवनि रोधरि सिवंदन सो
होही नवतउठत फिरतहुं दुहुं छांही चहुं दिमिता कहि चंचल आवै जं नुविधुवन नकिवो अभिलाषे सो

६५

वसंत रिपसंमसकविबुधउरसुषभरें ६० चौपाई नकि वरातमहिं विधिघगिछाई हिमीतुअहंन
 दिनसभदाई सुरगुरइवगुरभजारीनीं नपकुलरीतिमीतिजुगकीनीं सुमिरिप्रभुहिं गुरपासि
 नाई चलोमहीपतिअतिहरवाई तुरहीनारवजीसहनाई पनवसपरहसंषसमुदाई नभमहिंमं
 गलगंनरसाला वरसेसुमनससुमननिमाला गंनवाजमनिधुंनिअधिकारं जेनसंभाषेन
 जांनिनजाई तुरंगनरथनिगजेनअसवार कियेनारतमृदगतिनप्रकार चलेमन्नगजगर
 जिसुहाए रितुपावसआभाअपनार दोहा भरतादिककुवेंनसुष्टकिकौहीनजांनिकविपां
 हिं जेहिलषिसुरललनानिकोहोतहांयमननोहि २३८ चौपाई होहिमंजुमगसगुनसहाए ॥
 बहसमीरसौरभअतिछाए नचतजांनिनन्नकगतिनामा छावतिरिसनिसरससुरतांना नट
 सुविदषकपायकजातीं करतजांनिहिलीलावहुंभांती सरितनुपलपयवोसअनूपा विरचाए
 अतप्रथमहिंनपा जहेनहंहोइअवधिपतिवांस अवधअधिकसवभोगविलास मुदितवरातन
 गरनियतांनी चलिचारनतवषवरिवषांनी सनेसवनिवाजनसमुदाई छाईनगरवरातअवांड़ी
 जनेकरजअनुसांसंनपाई लछमीनिधिभगवोनिसेंजाई छंद रविहयरुचिवारेतुरंगसंवारेल

वाल०
६६

वसन

भरे
दिसिमल भीरघविषांनि ३५ चौपाई चटिसिविकां हिंसुवोहनना लसेसकलसेवकहुंमधोना वंदीमा
गधुसजसुजांना जयाजोगचटिकियजसगोना गजननिसो नजराऊ फहरें घनपरजेनुतडितापिरथ
हरें व्यत्रछांतरविपरहिनदेवी चवेंरनिसरजमुषनिविसेषी समयगो नगायकनसनाए तिमिगंग
नेहुं गंधरवगं नगाए डहुं दिसिवजेवांजनेभरी दधिअस्तलावनिमहिपरी वरसहिसुमनेनिसुरनर
नारी सजेआरतीमनिमयपारी गांवसिमंगलमंजुलवां नी पहा मोदनहिजाइववां नी दोहा विविध
रतनअभरनेवासनवस्तुभउार दषभनअंदनवेसरनलियकोटिनसुकहार सजिणोसाकवरविर
दुनिजचेढभजहुंसमुदाइ अनितउतकंहितलोगसवकवदरसियदोउभाइ सोरठा पदचरगनसुष
लीन लसेसजेवहुवनकसां अससस्त्रपरवीन चलेसत्रांनआगेही २३६ छंद मृडमिलीजल
केंनकरिनस्वासापरसिवसननिसारभै चलिकरतित्रिविधिवयारिसमसरिसुगंधषावनिछति
नभै वरुवरनवैरषधुजपताकासुतरुकुसुमितसेलजै मधकरनिधुंनिसमरयनिकिंकिनितुरि
निपेजनियावजै जुनहरितमनिहयंकनककलगिनमंजुवौरनिछविचसै गजमूलअंमारिनपे
रुपितललितकिंसककेलसै वंदीनकीवपिकादियगंगनमुदिनमनकलवरकरै कहिंइमिवरात

६६

कियनजरितिनालिप्रसमेमनप्रभप सोरण चलेलिवाइवरत फिरिजेनवासंजोरिकर चलेउरा
 उतरवात वकसतचहुदिसिगुनिनगन २४० चौपाई दिमोजाउजेनवाससाखवन अनिविधि
 वधविमयप्रतिपावेन मंडितमहिचांमीकस्वारु मनिमहलनिअनुहरतउगारु चहुदिसिफ
 दिकदलानैनीकी निजदुतिकराहिचांदनिहुंफीकी रचितरतनवहुवगलावने हंसहिंजेरवि
 करकलसनिधने रतनवसनवरअसननिपरे चित्रितमदागचौपरारु गजवांजीऊदन
 केसाले चहुंकितवहुविधिवनेविसाले चापीकूपसरोवरसोहे विरचितमनिनधारमुनि
 मोहै रतीविकसिकलकमलनिपांती गुंजहिअलिकुजहिंषगजांती दोहा सुधास्वादफ
 लद्रुमविविधिफुलचारीप्रतियां न दिविपरसुषलविसुलभजेनकरहिंविदेरुबघांन कहहिदेवउ
 हुंकारपहविहितैविविधिवनाउ इतसीतामहिमा अगमउतपुंनिरामप्रभाउ अवधराजजेन
 वांसमुनिउतकंठितदुहुंभांइ लैगवनेकौशिकमुदितसुमिरतसीलसुभाइ २४१ चौपाई॥
 चहुंदिसिरिषिसिनिनिकारपधारे माधिसुनिमनहुंतपैतनुधारे अवधराजकरउन्यप्रभाउं जा

काल
६७

सेचपल गति उमग भरे अनि आनंद वाटे चरि भय वाटे कुवा खीले चतुर घरे पप्रद गंन आ छेक
छनिन का छे जुत हं थि पार न दर विस जे रप गज सजितो है सुर मन मो है जुरि न पता के फली छजे
भूषति दिसि चारी अभरन धारी जुत छत्रि निवाहन न चढे गां वैत सगदी एति अति वादी क वंन
चात्रति तुरि निकटे कल कं ठल जा एमंग लग एलै कल सं निति पभांति भली वाजे वहु वाजे मे
रनि साजे वनि ठं निउर अग वा निचली दोहा सचि वंसतानंदा दिदुज सो है हिं मधि जे न भरी ॥
बोले चढे न की वगं न न प्रसमाज सुषरी ३६ लषत वरा तम नोहर ताई अंग वां निन उर सुषन
समाई लषि मिथिले स और अग वां ना वाजे न प्रगहे गहे निसां ना दिवि दुंडुभि धुं नि अपसर
गां ना वर से सुर सुमन निरंग ना ना बल भल हो उदल भए घनेर चोपदार दुहुं दिसि तेरे ॥
चारन भारन किय गुन गां ना बोले वंदी सम प्रसमाना लसेच पल पप्रद गंन रुरे रथ विचक्रेष
हरे दिसि हरे लहे गरजि गज घट निवि सो लो वहुं रंग धज सुर चां पहुला सा दामि निदम को साक
सुरंगा मंजु मोर सं मन चेतुरंग दोहा अल गोर न दुहुं वोर चलि मिली सैन रंग भीन घन अनं
द जुग घन छेम डि भए उम डि जे न लीन भेदि मीति अति जुत विन प्रहृ पग प्रथन अनप वस्तु विविध

६७

दुहुदिसिगुनिनकिणसगोना वाजेआतिगहगहेनिसांना रोहा लवहिंलोगरघुनंदहिंजुनअ
 देभुनआनंद जेंउचकोरवाहंरिचधेनसरदपरवकोचंद मधिवरातवकसनविविधिनृपदस
 दि रयसुषधोंम विलसतप्रफुलितकलपतंरुमनहुंकामआराम सोरण जानिसुसमप्रविदेहं सु
 जेंनसचिवेंगुरजातिजुन आएसनेसनेह मंजुमनोरथकलितउर छंद राजहिंविलोकिन
 कीवपतिजोश्विरहवोल्पोसुषदहं सोइअवधपतिनकेउठेपलकितधरतपापांउडिमहं
 गुनिसकलसंमसंमधीपरसपरमिलतअतिआनंदलहं जेधंनृजेजेधंनृदुहुंदिसिपेविमु
 रनरमुनिकहं रोहा गुरवाशिष्टमुनिवरनपनविधिवनमिलिमिथिलेश उरलंगाइकुवेंरन
 एकितवैदेदिगअवधेस चौपाई लविअनुपेंमदोउराजसमाजें सहितसमाजसुरेसहुंला
 जें सनानंदतहंविनैवउई कियकहंजनकभागप्रवहुताई विनैविदेहकारतसुषण्णए परमक
 पाकरिमोगृहआएसंनिवाशिष्टकोसुभआगमन भयोसकलप्रदमंगलभवन् मोपरक्रपांकीन
 नृपभूषा भयोसुषदसंवंधअनूपा दसरथवालेसहितसनेहं नमसंमनमहीविदितविदेहं नि
 मिकलश्रीरघुकलअवतंसा कियेपरसपरविपुलप्रसेसा वैदेधरिकभोतिपहिरोनो पुनिहैविप

बाल
हृ

हिप्रसंसतमगमुनिअऊं संगदोउवंधुलसहिसुषभीने निजछविकोरिकांमछविछीने धिरिधि
 रिलषहिनपरनारी मुदकोलाहलकौतुकभारी लखौभूपकौशिकमुनिआवत कवरंसस
 हितपरमछविछावत भरेप्रेमनपपुलाकिसिधाए सहितसमाजसरीरभुलाए गहेआइको
 शिकपगएऊ कहिनजाइउमगाउभाउं मुनिभरिअंकसआशिवदीन्ही कशलप्रस्नग
 रगदगदकीन्ही छंदतवलबंनजुनहरिसवनिहियहरिपरपितुपगजाइकें नपलिएल
 लकिलगाइउरआतिमोदसिंधुसमाइकें चलिकरजभरतप्रनामसांनुजलिएप्रभुहियलाइ
 कें फिरिलबंनरिपहंनभारतभेटेरागरंगअनिछाइकें दोहा रघुवंसिनमहिपेंनसचिवेंसबंन
 सुपरजैनवंद मिलेजयाविधिरामभरिसववरातआनंद ४२ चौपाई फिरिदोउवंधुगएगु
 रुपांही लाबिमुनिभरमगनमुदमोही करतदेडवनलियाहियलाई प्रेमपुलकरंछीकुसलाई
 तवसादरबोलेरघराइ अपरमुनिनवंदनिसिरनाई नायकपाजेंनरहंहिअसाके परमकुस
 लपदरहंहिविलोके मुनिपुंनिलेसंगनपहिगआए मिलिकौशिकवेदेसुषयाए रामहुंजुतअवध
 सहिदेवी अगवांनिनआनंदविशेवी हरविसुरनकुसमावलिदारी गावहिनचहिनअपसरासारी

प्रसंसतभए दोहा निजमुषनिमिकलवरनिसवभूपहुंदियोसुनांइ गिरिजादेउकुलसुभगसुनत
 अषोषनसांइ वित्तामित्रवशिष्टसंगकहेसवैमुनिराउ दोउवंसअनुपमपरमअनुपमदोउनपर
 भाउ चौपाई कहवशिष्टनपवंसकहाई हेहुंहमैनिजसनासुहाई सोलषिमनकरकरहुंविवाह
 नपकहंयुहमुनिपरमउष्णहं निमिकलरषुकलइहंसगाई रामसीपनौभुजवलपाई गोधिसुत
 नकहंहंसिसषछाई लईसुनाइनवंसकहाई युहसंवंधमोरसवकीको लैहौंनहिइतनोईदीको
 सुनतजनकआनंदरसवारे मुनिसोवोलेकरजुगजोरे कसधुजजुगकंमामुनिलीजै भारतशत्रुहंन
 व्याकरीजै धंभभागनिमिकलमुनिभूषा कारहुंमागिसंबंधअनूपा दोहा तववशिष्टमुनिसोकरहो
 सतानंदसुषछाई लगनकालकीविधिहुंदियनारदहांचपठांइ कहवशिष्टमुनिउत्तमैहरषेदोउमहं
 राज नपहिंप्रसंसतअवधपतिआएसहिनसमाज ४७ चौपाई सुनिसायहिसवकुवरनव्याहं कहि
 नजाइनपकुलउतसाहं कंसनकरतेदानदेवार करतउचितविधिकसध्वजभार सुनतवरानम
 वेसवितोने कहंहिसकलपरजेनसुषसाने अनुपमअनुजैनजुतवरदेवा रामहिंदसरयसंगजोदेवा
 निजनिजउन्यनपाइपारा जनकसुकुनकरकवनविचार फिरिसिपरामव्याहविधिदेवी लहवजन

ज

बाल
६६

जनककिपुगौने दोहा दसरथसील उदारता अरुष्टवंससमाज मनहिप्रसंसतनिजसदनआए॥
 मिथिलाराज ४४ चौपाई आनुरपुनिकुशाचजोहिबोलाए सैनसहितनेहरथितआए अनुजदोष
 वैदेवरआसन सहितसमाजहिभरेहुलासैन तवदसरथपहंसंचिवंपठायो जोरिपानिसोजाई
 जनायो सहितसमाजविदेहबुलार सुनतचलेभूपतिछविष्णार मारगजनकनगरनरनारी॥
 कहिरकसोएकनिहारी भूपसंगदैकुवेंरसोराए जुगतनरामलबैनजनुआए भूपभाप
 सबछकितसराहै लखिलखिअनंदउदाधिअवगाहै वीथिनिबेलिनतुरंगनचावत चाखौक
 वेंरनजुतछविष्णवत दोहा उत्तरिनुरिनतेजुतसुतनप्रविसेजैनक अंगार लखिउहिआसनन
 परियों उरभरिसुषकोसार ४५ चौपाई सिप्रपियरामतातमनजोई समसरिकहिनसकतकविको
 ई दसरथसंमजनकहिअनुमानै समविदेहकौसलपतिजानै दसरथसोबोलेमिथिलेस कहिय
 वंसनिजअवधनरेस नृपकहकलगरुवंसहमारे कहिहैसुहितौचरितप्रकारे सोसुनिक्केविदेहसुस
 कोने निमिवंसिहुंनवदनविहंसाने कहैपोषाडकलजाकोहै सभामध्यसोकहतनजेहै कहव
 शिष्टरषुकलअसरीती हमहीभाषियवंससमीती अनिरविवंससकलवाहिए सोसुनिजनेक

६६

सखतिजिनपरसिपुजसविसतरतिसे नारिअपोंवेनिजाततिइपगपरतिसो अमितरतनमनिवस
 ननिष्ठावरिकरतिसों लेतिनतकिष्किरामसुकनफरकरतिसों सौरा सुतनसमंगलहेत दि
 येदोनदसरथदिजेंन सखेंनिसनेहसमेत पटभरषेनकुवैरनसजे ४६ चौपाई प्रपुनपीतपोसा
 कसोहोई निदरतनवदोमिनिदुतिभाई विविधिरतनकंकनमनमोहे करसुरतरुषलहेजंनुसोहे
 अंगदमनिमानिकहीरनके हारहुंहियहरजंनभीरनके किरिनिनिरिसनिकंछावै मानहुंज कार
 समतापवरसावै कुंडलजलजकपोलनिदुतिसोंने वि।नअंताअसरहेविसदवनि मनहुंमद
 नकेदोउकरकेरे चारुचककिपश्रवनवसो कुलदधिविंदुभालमधिदीके जंनुविधुअंकरोहि।
 निहिकीके प्रतिअंगसुखविरतननयंननसो भखेंनहुंनिरषहिमुदमनसो दोहा सौरममिनिमयं
 मंजुअतिराजहिंसिरकमनीय सुरतरुकीजनमंजुरीजांचकहिनरमनीय ५० चौपाई राममुनिनक
 हंमोयनवांचहि मुकुतमालमिलिचिउकहिंभावैहि जनमुसरसिनेठरिषविष्ठाई अमियविंदुवि
 पुअवुलिलबाई इमि वरातवित्तवरसजिसोहे अंगअंगप्रतिरतिपतिदगमोहे सजहिवरातीरुपग
 यजोना करहिभारनटविरदवयोना इहोसियहिअरुवांचनलागी कुलअचारजुततियअनुरागी

वाल
७०

मफलसकुलविसेवी पैरविअदभुतसुखविलोभांने अगहंनदिनहुंमंदगतिदांने करहिं विलसअ
वअसहअपाए कोउकहेंदिनहेंथोरैवाए रोहा अवैअरुनसारथिकरमगयोभुलाइवनाइ चलहिं
मनहिंनिजतुरंगसवधरतअमितपयपाइ सोरठा अंतरपरतसुमेर दोउमिलिसारथिकरमकैं ॥
आवतलगिहिनवेर रजनिजातजनिहैनकोउ ४८ चौपाई इमितेंनकांठितपरजेंनभाए निजमुद
ब्रह्मानंदलजाए मंगलमयविप्रवासरभएउ दुहुंसिसिआतिउतसवसवएउ विविधिभांति
कैवाजेंनवाजै नरनारीकलमंगलसाजै अनकनगरनाउनिषविछाई नहुंछूहितजनतासेआ ३
ई जेपदहरहियसरसिजहंसा सुरमा मुनिजिनकीकरहिंप्रसंसा भाग्यवतीनेउपांइपवारति प
तिपितुकलकैपितरनितारति दसरथसहितसमाजनिहारै जांनिसमयसुरसुमननिहारै पलकि
तअंगमतिअतिसवपागी मदनबसधरिउतारनलागी छंद नलिनसुधी नवनाउनिनहुंछूक
रतिसो जंनुविधपरवसकारनिदुषदलदरतिसो धौवनिकरगुंनिकठिनगरुतहियडरतिसो परसति
समयविचारितापत्रयनरतिसो जावकजालविचित्रचरनरविधरतिसो मनहुंवसीकारजंत्रगगरस
भरतिसो सुमिरनजिनसिबहिएंधारअभिरतिसो विनुअमलहिमुनिभाग्यहोसअनुसरतिसो कर

नारपावै इमिप्रतिअंगसिपसुखविषकाई गांवहिमंगलसविसमुदाई करहिंवेरधुनिदिजवर
 बांकी सतानंदसुभअयसरजांनी मंगलसगुनसुकलसमजाए चलेमुदितमुनिसंषवजाए
 दिवससेषजनवांसहिंजाई दियअवधेसहिंसमयजनार् सोइवाजेबहुसंषनिसानाचढे
 उरातीहपगयजांना सबाएकतेहंकुवेंरनपोही विहंसतकहेउमगनमुरमांही छंदमुद
 मोठकहंसमुसरिकीपहरीनिआगुजाजाइहें निप्रकोनुकहिकहिसुरउपानहिसंवहिंपां
 इपरइहें इमिसननवैठेबंधवास्योसकुचितेहिंछिनसोहही हंसिकहंसिनपगनवलननौसिर
 नाइछितिननसोहही सोइवाइसरथलविसोभाउ सुषसंनिहंसिहरिसोंकहपो कहेहिजोक
 छुमुनिगउ सोईसवमिलिकीजियो ५२ चौपाई गुरवशिष्यउसंगेजै उहोउचितसवकुन
 करैहें सोइवरवारनचटिवरभाजें वजेगहगहेवहुविधिवाजे तुरहीतरनफेरीभेरी सहना
 ईवरवंसिनटेरी वीनमृदंगफांफुमुरचंगें उमरुउफकरनालउतंगे भईभारचहुदिसिछवि
 बांकी उनकवरोतनजाइवषांकी पीतपोसाकनपहिरिछवीले सुलेनवावनतुरंगरीलेजे
 दिगयंरपररामविराजें उपमातेरिहेरिकविलोजे सोभासिधुअनदिहिमदर मयिजेरावनहें

गाल
७१

चारिकोनवेदीरमनीया तामधिसोहसुताकमनीया भगिनिनिसहितसमप्रजेहिंजोदे एकितहे
 हिंसुरतिप्रसुदमोदी वरसतसमनकारहिंगलगांना भईकरावतभलिअसनाना दोहा विमल
 वारिवंदनश्रवतकेसानियौरुचिरुति स्यामचमजीतेमनहुंछोउहिकरतिनमोति ४१ चौ॥
 गोछेसमिरिस एविडंमिधारी ओपअसितासिर सुनरननारी पुंनिवारवसनविवाहविभूषन
 सजेसविनकाहिवचनपिष्वन सहजहिसियअंगआभाषोनी सुनुसकुमारिसभगसुव
 रानी भूषनदुनिहितभूषितकरही सोप्रगटैलविचवसुषभरही कुसुमकलितकालिवरि
 अनिलसे जंनुजमुनाकीवीचिनिहंसे अरुनपाटसितसमननिवेनी लसतित्रिगुनमाया
 मुदरेनी आजितरामवितजीतनहेत प्रगटीजंनुतपेक्षकेत अंजनमिलितमनहुंच वल
 वसिपके अतिजुतसारसिजसरानिपिपके दोहा मंगलसंघवजैवलितविलसहिवांहुवि
 साल मनहुंमृदलताशिवनहितसेवतमंजुमनाल सोरठा रहेसोचरनुसोताइ अतिवि
 चित्रजावकरचित भोरभांनुकरधाइ कियआलिंगनकमलजंनु २५२ चौपाई सविकारिपवि
 सिंगारप्रकठोरी परमपुरुष हैमदनवहोरी परजोनिहुंमंजुवनिवनावै सोउंनिकिमिसिप्रपद

७१

अनुजेंननुतवरेवहिरेषी पुंनिपुंनिपुलकेसंभुविशेषी पुंनिनषगंनमाधिपहिपंहिरेसौ धरेसरी
 रसुषहिंसमलेषो नितानादिवाजनविधिनाना जनसंभावनगायनगंगा हयगयरयनचक्रधं
 निभारी दुंदुभिसंयध्यनिनभकारी अपसरगंधारवगंनअनूपें सुरनिवरातप्रसंसवभये
 भिन्नभिन्ननहिजदपिजनाई पैसवकवंपरमानंदहा जोरुनहिततियचुटी अंरारी आं
 नंदमैसवववरिविसारी कोऊकेशअधगूंयतधाई फूलनकरतपरमछविछाई छंद न
 रिकुसुमतिनकेकंचनतेछितिपरतअनिछविपांवरी जंनुकोमनेहरिकाहनिरवनअवं
 निउउगंनआवरी कोऊकहीपगदिएजावकरामजोहनकोचली कोऊकही हगदिएअंजु
 नअरनपरलागीभली रोहा विनहिकसेकोऊकंचुकीचुटीदरसहितधाई अतिउतकंहितको
 उचुटीवांधिकिंकिनीपांड ५५चीपाई पहिविधिअतिआतुरताकीरै राजकिमोरंनमंहंमनदी
 कै नाषहिललीमरोवनलागी तनाहिविसारिमनहिअनुरागी लगीकरुनलुखिवनकवराता
 सविमननुतरोउदगजलजाता तकतएकसोभहिछकिजांही मोतीलावासरिनमारी कुसुम

गाल०

७२

७ सुंदर छंद सो उचल है नहि संमने हि गपंद हि सुकवि उपमा किमि करैं सज्जि वसं न भखें न सो मल
 उन चौर करि जानें दभौ नट भाट माग धसून वंरी सुजस विविधि वषों मली सानंद भूसुर वंद मंगल
 वेद धुंनिक लणों वरी दोहा हरखे देखि वरात वारखे सुमन सुरेंद्र मंडित मरि पन मधि मल दसर
 पुमरी मरेंद्र वजलि निस्तान न की वगें न वो लहि विरह सुवांनि पुरष चहुं दि सि मली मंगल छ
 विसर सा नि ५४ आलष न व्याह अनिचाऊ हरि हर विधि वास वगन राऊ जुरि सव देव दिगी म
 सुजाना जोहि जनक पुरमी निअ माना एके अलौकि कर चना देवी नर नारिन छवि मुद नि
 धिले की पुंनि मंड फलिविलो के छ जाई विरचित महां मनि न समुदाई अरु तकि चित्र विचित्र व
 नाए विधि हुनि पुन ताल छुठरु राए चकित कहं हि सवन मन लजाई देखि सुनियन अस रुचि
 राई करु सिव प्रहसि प्रमहि मा भारी नहि अचर जय विभवं न निहारी तुम सव देवहुं अरुहुं सया
 ने जाँनि हैं मि कत होहु अपाने दोहा अस कहि चले महे सपुंनि आवत लषी वरात सहित समा
 ज एके पल कि पे विरम वरात ॥ चौपाई सुउजें न जुन वर वेवहि देवी ॥ ६० ॥ राम राम राम ॥

७२

अषाढनसुषविलुभाने लोकपालश्रवातेकहरीं विषमदृष्टिगौतमहैंअहई श्रापोंसहजनदियस
 वकोंही हैमसेनअपराधहिंमोंही यहिविधितियनसुरनकीवांनी सुनतजातप्रभुअतिसुखदोंनी॥
 पुरविचित्रताएवितरनारी निरखिवरानिनपासुषभारी वज्राहिवाजनेधुंनिनभररी नपसमा
 जदुरुंषलभलभरी दूलहओंनदकंदहिंदेवी पगेप्रेमजेंनएकेवितेवी तोरठा तरुचयचंदनहों
 इ जिमिरुचिचंदनकेनिकट नरनारीसवकोइ निमिमृदमयचहुंदिसिभए ५६ चौपाई भएखज
 दपिवासरअवसोंना विविधिप्रकासनिदिनैसमोंना पदुंचीद्वारवरातसुहाई कियजपधुंनिसुरसु
 मननिछाई घायउनभमहिंमंगलगोंना मुदकौलाहलकौतुकनाना किएवेरधुंनिभसुरभरी॥
 दधिअसतलावनमहिंशरी चलिनपनिजकारकुवेंरउतारे फिरिलेचारुचौकवैणर जनकर
 जअनुपेंमसषभीने कलसगौरजेंनतहंकीने द्वारचास्तुविविधिवनकीन्हें हयगयआशुप
 पटमनिरीन्हें लाछीमीनिधिउरिकुवेंरनभेट्यौ मनहुंरंकनिधिनिकारसमेत्यौ दोहा उठतवरनज
 गोंसकहैफिरतवरानविचारि सतानंदसानंदसोइकोहउवशिष्टनिरारि जाहिअपरजेंनरिषिनमु
 षरजनलैअवधेस जुनकुवेंरनैतातिनकरहिंमनिमंउपहिप्रवेस २६० चौपाई मुनिसुविचित्रपाल

बाल
७३

कलिनजुनविसरिनिजाई नाकिवगतीसवप्रहिंधाई कहिहैंसवहिंनपरमअसोंनी सुनिबोली।
 कौउअपरससोंनी सविजोप्रहमनअननअसोंहैं होतनजुनअतिचंचलताहैं येकैएवित
 किबरसुषमारी लखहुंहोतउतकंठितनालीं दोहा सुधिविसरतवतरातकोवित्रपतरि
 रूप सबेकलाइतहारप्रतिलागीअदनिअनूप ५७ चौपाई पै अलिप्रहअवनिहिचितहोई
 मनवरहरसअकथसुदमोई रूपवोंनहरनधिरसांवा चालनहोंनगरगंगरावा करतपर
 सपरइमिकलवांनी नवतरेधिवरनतछविषोंनी उरीगायसुषभरिप्रकवारैं वहीमनहुं
 आनेदरसधारे कहंहिंसमीप्रसविनतकिकोई प्रहसुषरसअनिष्टलकतजोई धरहुंसमे
 दिनवहिकहुंजाई सुनतकहेउतिनकथसुसकाई लखहुंवरनछविसविनिससोंनी गांव
 तगीतिमनोरुवांनी मउयेंतरआनंदअमोंना सवसमेदिआउनमनमोंना दोहा तेहिंधिनछ
 किकोउकहेउप्रहसोतनद्याहरसाल मूरुषताविधिकीचलतिनोतिहुपरतिहुकाल ५८ चौपाई
 कहंहिंसकुलसुरसुषसोंवढे हमरिहिंभाप्रसमगजचढे निरषतसहसनपननियारोनेतऊ।

७३

सु
 सुमननिगिरि लाई गांन निसांन धुं निनु अधिकारै वचन पसपर जांनि न जाई पहि विधिसवहिं मंडप
 हि आं नी दिष आसंन जन कहि निज पां नी लहिसांन नगर पद सिर नाई बैठे वर आसंन सव भाई दोहा ॥
 मुनि जे नरा जे न जानि जे न जया जोग वैठांड फिरि निज जोग सिखा संनहिं वैठे कौसल राइ छंद वैरे समा
 जस मेत देस राय जन कतव अनि प्रीति सो कौशिक वशिष्ठ रिपूजि पूजे उवांम देव सो रीति सो लहिं
 वरिषीस असी सन पगं न जानि जुन अवधेस को अरचत अघात नराउ सव विधिकि ए भांउर मेस को
 विधिसंभुवास वध नद धर महं सकल सुर आवत भए नहिं लबत चीन्हत तिन्हिं को उतहं वडि सुवसा
 गर गर दिष सवहिं प्रभु मान सहि आसंन सवै सील सराहं ही कहिराम संमनहिं को ऊमानं उदधि
 आनंद पाहं ही दोहा निपरा नी सुभलगन अव करै न को ऊढरि सतानंद आदिक वचन नैन न जे न
 हरि हेरि एकित वरा तील वहिं सव सुख विधि चित्र वितांन करहिं परस परस दित अनि न पसंन मां
 न वषांन ६२ चौपाई गां वहिं गीत समयं सुवकारी सुंदरि सुधरि सुवां सिनि सारी सहसा उठि नहं जे
 न कमली पा कहै उमिलहुं उठि रघुकुल दीपा दिषे राम अरु प्रगट जो आवत मिलत भूपजे उठहुं न मि
 लावत दै अरषहिं फिरि आनंद भ्राजत आसन राहु देत न पलाजत दिषो पाघुं निजं न कख जांन गुं

वाल
७४

किनमाही वरनच टारपरछनकांही उजहिगरुगहेवाजनना न अमित अनंदन जाइ वषांन म
 गलसाजुसाजिसवरं नी गवुं नीमधिवनिनंछविषांनी जिनहिजोहिदसारपसषपागे नुटेउ
 चगजकहेअनुरगे अगिनिनिरतिधोरमाभवांनी जुनसरस्वतिरूपवहुंठांनी ओईकापे
 नपग्रहना न परअभरनजिनअंगगतिगांन सवैअलौकिकसंसयनांही मुषमसिपरमम
 कासनिमांही कलसदीपफलमलितलषांही दसारपछकितकहनइमिजांही छंद रदमकि
 दामिनिहपरतिमदनिदरिभांमिनिसोहंही बलिलगीपरिछनवरनछविछकिगांनमुनिमनमो
 हंही सिपमानुहरषीनिरषिसुषमाअतिअलौकिकरामकी सोसुषांहिकहिसकलकविकिमि
 करिरुदतिमतिविधिवांमकी सोरठा जांनिसमयसुषछा सुमनमालवरसहिविवुध मंगलगी
 ननिगाइ नचहिउरवसीआदितिय वेदविहितकुलगीति करनअषांहिनमगनयनि नेगचारअतिमी
 नि करिनागरिलावहिगहरु ६१ को आई केआरतीवसिनिमनिवारहि मोदमगनमनननसंस्कारहि क
 रिपरषनिमंडपहिसिधांई करनगांनजुनसषिनसुहांई नवविदेहंकुसधुजअतिचांज चलेलेवाइमंड
 पहिराउ सहितसमाजवरनकरिआगे पाउउअरषदेतअनुरगे उचारिंसातिविप्रसमुदाई निरषहि

७४

लिखेलसहिंनपनिकरलविओसारहेअगर सोरम उहुंदिसि दोउरिषिराइ चारकरावहिंतहंसवि
 धि संवनितांनवजाइ सुरनरमुनिजपजपकरहिं दोहा सहितसुनैनाजनकपुंनिकुसजलसिय
 करलीन तेहिंछनैदउदधिकोभयोभूपमनमीन ईध जीतिका सुनिनेहजनकसुजांन सुनि
 सोविहंसिमुदवांनीभनी प्रबदेहंसांसनहंसहिंमुनितेहिंसमयकीसोभाषनी गुरदियोसांसन
 लिप्रोहरिसियसांनितेवरकरलसै जंजुललितउतपलजुगुलमिलिसिंगारतनाकरवसे दो०
 जैहिंजनकसोखविपरमलह्योत्रसुषसार उरवहिसुरसुंदरसुमनसुषतिहुंभुवनेनअपारसोख
 लुगेप्रधारनपाउ उलकितरांनौराउपेनि सोसनेहसखभाउ सकैनकहिआनैनसहस ईध
 चौपाई दोउउप्ररोहितश्रीगौरिषिमुनि पापीअगिनिअवाहनकरिपेनि द्विजवपुवेदविमानवि
 राजै पदहिंपितामहअतिसुषसाजै सुरसवमगटलेहितहंप्रजा कहहिंदीषअसआसनदजा
 अगिनिधूमलगिसियमुषमांही यहिविधिलहेउबहुतसुषमांही चवअंजनकपोलकलरी अ
 वननीलकमलनिरुचिपरी लुगिललारअलकंनसमभायो आलिनअतिआनंदवढायो परसिप
 रसपरसांतिकभावा भएचहंहिदोउतिकंहिछपावा वेदमंत्रकिमिमगटसुनावहि असतंमहिइमि

काल
७५

निवर्तनी नगंगा सुषमां ना सिर परि सुचिकि प्रकुल परिवारा जाइन वरनि अनंद अपारा दोउ कुल गुरु पति
 कस कर वहिं करि क्रम ही वर अनिसुषमां वहिं सुनियहिं सम पप रोहित चां नी रमा उमा सारद दं द्राणी
 होला जुतर नि आदिक मिलि अलिन दिय जनाइ निवांस सविधिक राइ सरी नि सव अदभुत भरी
 ललास भगनि न जुन करि माधिसिय सहित सविन सुषमां नि चली ल्याइ मनि मंड पहिं करत गां
 न कल चां नि ई सोल सभाय सहिसिय मधि माही जाइन वरनि सो छविक विपों ही पत्र बुधेन आ
 वत न पपे की जुन समाज सव सने उविसे की लखि वर उर नि छपौ मुद भारी किय मनाम सवहि
 प्रसव कारी वर वहिं सुरगं न सुमन सुहाए उचरहिं वेद विप्र धुं निलाए वजहिं सुपटह संव स मुहा
 ई मुद कोला लल कहि न सिराई रहि विधि मधि मंड फसिय आई लिपि विदेह आगेहिं वैठाई ॥
 न व दोउ कुल गुरु मुनि मुद छाए गनपनि मोर सुविप्र पुजाए दिय मधु पर कजन कहर घाता विहं
 सी सविद पति हर घाता छंद मंगल निधों न निहारि हरि अंग अली मुद पै निधि परी अनरु
 पद लल उलहि छवि छकि करहिं आरति नागरी पटरन न भूषन कै निछाव रि मुदिन नेगिन देव ही लै
 जाइ नी कल गां न मंगल गइ जनम को फल लै वही छे हा सचि सेवक मंगल दर विभरे को पं न थार लिए

७५

राम असंन अर्थ सोइ धार वासंन वसन विचित्र मनि अरपौ नृप अनिपार बहुविधि भूषन भूं
 विरथ ६७ चौपाई मय पयष प्रन गो नाना दिप अनुचर अनुचरी प्रधांनो अरपे उवहुं विध
 अंनुं पें मदां ना लिय मुद दसाय दिप मन मां ना राम सी प्र अद भुत छ विधारी छ कित सुन मने
 रही निहारी वर डल हि निवर आसंन सो है मंगल मय अ भरं न मन मो है दोऊ मुनि वर अनु सो
 संन पाई सा दर अगि नि प्र द क्षि न लाई करन हो मंद प्रति अति भाए लावन की लाव म वटाए
 कर पल व प्र सून है मानौ करत भरत न व नैं अनु मां नौ देव दंत दु ति द रु न हुं मां हो पहि विधि
 लहे उल लित उप मां ही छंद फिरि देत भां वरिषं भ मनि प्रति विं व पर हि सो हाइ कै जंनु वहु
 तत न धारि राम पहि मि सि राम कि प सि प पाइ कै वैठारि सिंघासन मनो हर फेरि अभिषेक न भए
 आसी न दून ह डल हिं देष हि मोद सो सुर मुनि छए पाषाण संम जे हि हो इ थिर जुत मंत्र चरन धराइ
 ये अस सतानंद कि कहत हरि हि प गुन ज जो सो उगाइए पाषाण प्रेर नू च लत सिय सु मन क व
 हुं न चलत है मोहि जां नि निरै मृदु ल पद पुं नि सि लि धरा वं न क रुत है सोरठा कर धरि सि ल प
 राम ना पर सि प प ग धर नि भे प्रीति सो आति अभिराम लाषि अनि अवली मुष संनी ६ चौ

बाल
७६

होऊदुरावहि छंद लखिजनकनृपसैनमोनसवकरोमराजिविराजही अंगनहुंकेरोमंचतिनमहं
 मिलिगएसुषसाजही अभिषेकविंदनखेददुरिसुरभंगसकुचनिआजही पाज्वलितअनलहुंनिक
 टनहिंषपिसकेकंपहिलाजही सौरा रोहा रतिरभासारदसचीसकुचीजिनहिंनिकारि सिपसं
 गसकलसिंगारजुतदईतेजनककुमारि दई चौपाई प्रथमजोसिपवरहितसिवुदीनो दाउजस
 हिमसंकलपकीनो पाइमित्रतामोरुधेंनदसो दियोजोहरअचनिपहिंअनंदसो सोइचिंतामनि
 हारहिंदीनो मनिमंडफहिप्रकाशितकीनो महिबासुरसिरजुदैजोकीनो षडगजोगौरीसो
 लैलीनो भूपतिरामहिंसोपसमषा दलनजोकलिसकरालदरवा जनुहुइहिजंमराजप
 ढाई जोहैंजगजाहिरकठिनाई सोछरीपुंनिदियमिथिलेस तेहिंसंगआयुधदियवहुवेस ॥
 जिनहिलवतलोकपलनचांने ठगिसौरहेसक्तसकुचांने छंद जलमूर्तिहरिठगिवासवहि
 उच्चैश्रवांसुरगजहिए राषेडरायनेरतनरुषगमनपहिंदियहरषितहिए तेइदिएरामहिरा
 वममुदितभूषिपटभूषेंननए तकिजिनहिंसुरपतिरहेचकि आनिअवधलोगसवीभए रोहा
 मप्रहरकरुआपनभयोमरकतमनिमप्रयार तेहिमहंभवभोजनकियोगरहिंगरलभोछार सो ७६

गरनभ सुरगंनसुमननिपारि देषहिंदंपतिमुदितअति करनसुमंगलगांन लहिकुलगुरआष
 सअली वरकोरुवरअसयान गईल्याइवरवधुंनपनि ७० चौपाई नरनारायणतहंकुलदेवां
 नितप्रतिजंनककरहिंसुचिसेवां तिनकरुंकुवरसवहिंसिरनाई वैठेमनिआसंनछविछाई
 लवहिंवरनसुरनियनियमिली चीन्हिजाइवधानी हांसविलासरहसवसरंनी करहिं ७१
 रीतिजलसवीसयांनी गांवहिंगीतसमपसुषकारी नागरिनगरसुवासिनिसारी केआरती
 निष्ठावारिदेही मुंनिमनअंगमअनंदहिंलेही कोउरंपतिलरुकोरिषवांवहिं कोउकल
 कंठनिगारिनिगांवहिं सोरठा लाछिमीनिधिकीनारि सिद्धिनामपरसिद्धछवि छाकीरा
 मनिरारि सवीसहितठाहीभई ७१ चौपाई घोरपीतपटकरगहिंवोली तुममोमंनइल
 ईअनमोली पलटोहंमहिंदेहुरेछराई कारवीरीदेअतिमुदछाई यकियकिरहतिमुनकिछवि
 भारी हंसिहंसिकहतिमुरुविअनुसारी देहोनहिंतौसियनपटैले तुमहिस्ववसकरिइन्हिव
 सैहो सिद्धिवचनसुमिसुनितियंरुसी अरुअनरसवसहैसवलसी हंसिवोलेतवरामसुजाना
 परमहंसजंनकहिजगजानां तिनकंषरविसिद्धिनहिचहिए हंमभोगीसिद्धिहिंनिरवहिए ॥ ७१

वाल
७७

नाही

हकिमचलवेदकुलरीती करणपरतिद्वेनिलजसमीती पतिव्रतदिष्पहितसिपहिसयांने द
रसावनरुंधतिहिलजाने पुंनिलहिसांसनसवरिधिर्ह हरीमनरीमनअनिमुदपांई सिधसि
रसेंदरचारुतरीनां पांनिपयोजजातनहिलीनां ऊतऊठाव्रतहरभीजत सुरमुनिअकथ
भावलविरीमत जेरुंकेरुंलेकरवंदन लागेसकुचिदेनरघुनंदन कंषितकारसोदेतनवन
ई कौतुकलखिलविसवहंसई तगिललारसोसोहृत्केसै मंगलमिलतचंद्रमहिजैसे छं
द साजुजविदेहंसनेहसंनिपुंनिमांउवीभरतहिंदई उरमितालवराहिमोदमयुरिपुहंनऊ
त्रुतिकीरानिलई जेहिरीतिरामविवारुभोतिमिसवनकांयाहतभए अनुपमउद्याहनि
हारितिदुपरनारिनरआंनदछए होहा निरविअवधपतिवरवधुनपलकितवारहिवार
लहंहिपाहनहिमगनअतिमोदसमुद्रअपारहोहा निरविअवधपतिवरवधुनपलकितवारहिवार
उचिजंनकसहितसमाजनपसोउचिनवहुंविनतीकरी संनमांसवविधिमहांरिधिसुंनि
प्रीतिउरउमगीषरी नृपभाउविनयवुजइडहुंदिसिवनतसोवरनतकहां जंनवांसगवने
उमहिपमनि ~~विनिनरुननी~~ तचमोदनितनूननजहां सारवा बाजहिवाजंनभूरिमुदकौतरुलन

७७

नेग जाँहिनहिगार मनिनकटोरनपारनल्यार करतगोनप्रमुदितपुरनारी समधिहिसुषुरिसुनावंहिं
 गारी छंद गोंवहिंगारीपरपटुनारीश्रुतिपारीसुवकारी कहहिंनपनिदसरथअतिरत्ताश्रिगिहिंदईकु
 मारी भागनलहीभूपत्रयगोनीषापयीसुनजावै नहिअचरजजिनकेकुलगुरपिनुपिनामहंहिकर
 वावै (नहिअचरजजिनके) कलकीकरैवडाईकरंलगिसुनियेजेहिंवसुवसी विश्वामित्रछत्रिब्रा
 ह्मनकरंलेतिहंहिंसंसी कौनमित्रधौपाइसुमित्रानामसुमिलीनों जंननीअवधनपनकीनपभल
 नामअवधपतिकीनो धरमसेतअतिरामहिंसुनियतयोहीजंनककुमारी कवैरिदुतियउरमिलहुंल
 पुनलियउचितैउरअवधारी सोहतसवैभरतरिपुदवैनहिंजंननिनतेअनुमांनी भरतमानुतौदेखत
 देवैनलियवियवरमृदुवांनी गारीदेहिंनरामपियारेवृद्धिकछुवैये तुमहिंजंनकसमधीकेजाए
 सुनिसंनिअचरजछैये यहसंजोगकवभयोअंदेसोजोनीहाइतीगैए नतरुधोवनोपहैवेगिरीमांसां
 छिमगैये दोहा पितरंनदेवैनदेप्रथमकैपेनिपंचगरस लगेकरनजौनारसवप्रमुदितहांसविलास
 चौपाई अतिरुचिरषुवसीनिमिवंसी किएअसंनसवखांदमसंसी आनंदसोंउहिअंचवनकीन्हां जंनकउ
 गंधितवीरनदीन्हां विराभएजंनवांसहिंआए दसरथजुनसोईसुतभाए तेहिंनिसिसुषुसोजंनदहुंवोरा दो

काल
७८

तातेनुमहिउचितउधारो अरुसिअवधहीमुदितसिधारो सोरग सुनिहुलसीसवचारि वने
नवरनतसमउसव नवसिखरूपनिहारि अननवारहिवसनमनि ७२ चौपाई वंदीमागध
स्तनप्रधाना मुदितभाटनटकारहिववांना सुरनरमुनिदेइअसीसा मुदकौतुकभंनिसकन सब
अहीसा चलिक्कसध्वजकरुंभैजेउनार नपपरफौजेनवोंसरुंकार पडेपांवडेसजेवरनी॥
भईहारअवधेसअकोंती गुरवशिष्टकोशिकहिउठाई सबनपरघुवंशिनहिवुलाई अ
निसनेहसनमोनवहारी गेलेवाइसमधिहंकरजोरी कोरुवारीफिरिकवोंबोलाई जे
नकंहिपांइधोइसुषण्याए रिषिमुनिपगपवारिअतिचाऊं कमहिउचितआसेनदियराऊं
होहा दिपमनिकेचनपावपुंनिसुरभितसलिलभरांइ रूपकारपरसनलगे विंजनविंदनि
लाई ७३ चौपाई अन्नरचितवहुंभांतिसिकार परममनोहरमीनप्रकार चरवन्नरुचिका
रकवहुंभांती सालुनतरकारीवहुंजांती कनदधिदधविगविधिनाना परसेवहुंप्रकारपकवां
ना पापससरचनत्वादअमीके वहुविधिमेवामंजुमहीके लषतअमलअतिमृदुलमिठा
ई पउसांइसधहिवनिआई चटनीचारुअचारअनोखे बटरसभोजनचोविधिबोधि भोतिअ

७८

जसकयुसमप्रविहितबौहारा पहिऔसररनिनबोलवापो अतिमुदसोमिथिलेसपटायो परिहांसहिं
 उतकंहितनारी औरकाजकीसुरतिविसारी एंद विसरइसवकारजहिंचतुरसैहांसमोहितजेहिंऐनमें न
 हंचलनरुषिषविविजतहरधितमैनहैंअतिचैनमें तिनसैनसरनसुधारिचचावचनवागुरिखाइकैं ॥
 औरैअनेगविलासवसकरसमयसंदरिपारकैं सोरठा परगरेचितनपराइ निषवेवहिं कैषेरितहैं ॥
 करपरसैरजुलाइ हरिमनहरिनहिंकसतमनु दोहा हंसनिघटनिजंनुजोन्मैचित्र ऐनशंगार ॥
 चक्रितैइवतेहिसदनवरप्रविशेचवसुषसार ७६ चौपाई वृहेवरआसैनसवभाई लषिअलिअवली
 रहींलोभाई कोउकहंयेजगरीतिअपानहिं वनवासीपुंनिसिसुसंगजांनहिं इनकोमैवेवहारसिधां
 ॐ पैनहिसवकहंप्रगटसनाउं कलकपोलपरसैनकीआसा अतिलगिसुषलहिंकिप्रपरिहांसा म
 निभीतिनप्रतिविंवलघाई कह्योरुषोहंनुतचतुराई तुमंहिगएवेंनकुवेंरसिधार सवसुत्रोसिनिनि
 व्याहिलैआए तेयेषडीलवहुंरषुनंदन भेट हुइनहिकारहुंपदचंदन सरषहंसनितहंकुंदसरिपाई ए
 र सोकोमकुंदहिंवांनजंनुअतिगहंहेगोरुहिरहिए तेहिसरहिंसोचलचितहिइवहंसिकह्योचतुराईहिं
 लिए जोहोहितेयेहोहिंपैजगरीतभेटहिकीसही असकहिंपसारतताहिकारसोंगईरुठिनेहंहिनहीं सो

बाल
७५

उच्चनिर्वाहस्तुतिक्रिप्रभोर वजेनिसांनष्टप्रतिचाक समप्रकलेऊभयउबुलाऊ सहितसर्वंनस
जिभ्रषंनभले नपनिदेसलहिकपुरचले चौकनचारुनचाव्हिंवांजी गतिनविलोकितोहिंनपराजी॥
ऐहिरीहिउरभरिसुषरासी कहंहिंप्रसंसनपटुपुरवासी छंद जवकरहिंमंडलनवहिंमंडलरूपनुरंगनि
देविए जवहींधवांवैगसांछितिलीकहंप्रमयलेषिए अरुलेनवांगनिवांमदाहिनिदुमुषसेकैसजन
हैं ममकतहिसारदमुरुगअसकंधकेकिहुंलजनहैं सोरठा फांदनचंदकरंग नकितकिसऊचहिंचकि
नचित भूषितनरलनुरंग फेरतविलसहिंखेलवर दोहा कढहिंगैलजेहिंनेहिंनगररामहिंअनिमि
निहारि कहंहिएकनेएकछविछकितछबीलीनारि सवैया अनिरजरहीपगरीसिरमेंकलंगीमनिमै
लटकीलसिकैं कलकंचुकत्तोविलसौअंगमेंपटकाकरिषीनबंधोकसिकैं सविमैजोमरेषहिंनेनिर
षीनिरषोमुषमोरिसोऊरसिकैं चितचोरसोराजकिसोरअलीमनमोरचोरइलपौहंसिकैं ७५ चौपाई॥
मीनमांनरिनमांनहिंनारी वानप्रांनमुधिसवैविसारी छकेलोगधिरिमुषछविदेवै जिमिचकारससित
जनिमेवै चलिइंमिगएजंनककेधाम् सेवितसुचिसेवकअभिराम् कियप्रनामनहंनपटिगजाई चलिधि
देहलिप्रहियहिलगाई सीससंधिसानुजमुदमोही छकेविशेषिदेहसुधिनहीं फिरिवैठारिकीनसजकार

७५

सदेविविधिनिबोले कहेउगपउजंनवांसवुलाउं करिभोजंनगवनेहुंसंगराउ जांमिनिजांमहिमें
 सुषछाए जुतसमाजदसरधनपआए सोरा समधिहिंसंमसनमानि सवनिउठापोअसेन
 हित सकैकोप्रकारवधानि नितनवुप्रीतिसोयहुनई ७ छंद सोनिसिसोहांनिगारिगा १ व
 वनिवाजनेवांजहिभले संगसुतननपकरअसेनउठितहिंपोनजनवांसहिंचले जुतजा
 तिन्पसमधीवडाईसनतयल आवतभए तहंरगनाचधरीकसनिलविकुवंरसोवैनकरुंग
 भोभोरजागेसवैकरिनिनिकर्मसजिवैदेतहां (आरयोलावैनहेतलधिमीनिनिर्मसजिवै)
 देतहां) आरबुलावनहेतलधिमीनिधिकुवंरराजहिंजहां सोरा गणजनककेधाम चारो
 अलवेलसुषर वैदेकरिपरनाम नपयकितकिवदननरहयो २० चौपाई रूपसिंधुसवव
 दननिहारी परमानंदमगननरनारी कहंहिंपरसपरचतुरनरेस गुंनिमनसुमतकीपप्रनवेस
 जेहिकारनआएरघुगई भोसंवंधअकयसुषगई बालकदंदविनोदसप्रीती वनैनवरनतमि
 लनसुप्रीती पुंनिभीतरकहंगेसवभाई चोरनचितप्रतिअंगलुनाई तहंवैठीवहुंराजकुमारी ॥
 मनहुंमैननिजमनहिंसंवांरी रामहिंदरसिधकितअतिभई दगजलअंगपलकाबलिछई ॥

वाल

८९

कपु

तबहंसिवोलेराम मुनिपत्रनसोहंमलही विद्याअतिअभिराम सोसुंनिभयतजिमिलहुंअव दोहा अ
 धिकअंगउरकेषपहिंमोउपरसहिंपाइ भारलफतकरिदरिहें पुरुसंदेहेंजाइ २७७ चौपाई पुंनिसोंक
 रूपोकपुकप्रसकाई मयमहिंभरलीजैअजमाई कोइकहं पंपहिंनयउवरपरसें वोंधहिंमनविनुरूप
 हिंदरसें मुंनिराजनसोंकचचहिंपटिए नेहिंवलपुंनिवलिवातनवटिए इनभियउकुनिनतेमनमो
 हंहिं मुषससिस्वेदविंदसुहिंसोहंहिं रामछोभगुंनिमनसिजहरष्यो मंनुमिसिसीकरसुमननिवर
 ष्यो कोउसहंसचवसषोसयांनी वरवीरिनिदैकहंमृदवांनी अवभगिनिहिंकवलिकैजैहो नातरु
 ललाउठननहिपैहौ हरिकरुनोकपारदैलीजै कचकेदुकनताउनाकीजै दोहा कोउकहंवनमहंचा
 नुरीकरांलहीपुहलाल हरिहंसिकविलेधनतनवालेवचनरसाल विलुपत्रतरतप्रकदियसिरी
 फलपांइ छुवतचढीचितचतुरईपैरुपांकहांवसाइ ७८ चौपाई मोरिमोरिमुषहंसिचितचारहिं वरै
 विहंसिरससागरचारहिं बटेविनोदकलेऊकावहिं सरससुरनभियगारिनिगांवहिं फिरिसार
 अंचवावतभई मुषवरवीरिनिदैसुषछई सिधिप्रहंअनुपेमअभरनपाए सांनसनयनासदनसि
 पाए धकिंतरहीवरकवैरनिहारी जैनकरांनितनववरिविसारी फिरिवैठारितनअनमोलेदिएनै

८९

नपएनीपुरजेंनपरिआरु भरउनेहवसरहेउनसंभारु विधिहिमनावेंहिंपुरनारी फिरिफिरि
 वरआवेंहिससुगरी सोरग कहंहिलबहुंभरिनैन चहुंहिचलनसंगअवधपति सवसुषसु
 वमाअैन नैनआनिधिपुंनिलोहिंकव सकलविराकैसाजु लगेसजेंनसाउजजेंनक चारु
 चतुरपीकाज गेभीतावरमीतिपगि सविसवभरीहुलास दोषिरामवरवेष्टवि वहुंविधि
 हासविलास लगीकारनजुरिजुरिजुवनि २३ छंद कोउहायलैपिचकारि भरिगंगैसरि।
 गरि भजिजांहिहंसिसुकुमारि तहंदेहिरुहितकितारि चषलखनकज्जुललाइ कोउदेइव
 दनधाइ कोउभरतगारिनिगाइ रिपुहंनहिंदेहिंभिजाइ पुंनिअलिनगहिगहिलाल सु
 षमलामेंजुगुलाल हंसिरंमहितोहितेहिंघ्याल सुषलहंहिजेहिजेहिवाल वरणोनिपरास
 हिंणोइ छकिरहीसविसमुदाइ वररंग्योगगवनाइ तनरंगहिलाललषाइ दोहा कोउकाहं
 रनकेनगरमहकुलटनिकोसमुदाइ जिनराब्योहैलरिकनहुंऐसीकलनिपटाइ सोरग क
 ल्पोराममुसकाइ लसनइतलोपटितसव हंसिहंसाइउरलाइ जहंलरिकैसवकरंगमै २४ चौ
 रामवचेंनआनंदरसभरी गरीदेहिसुषरिसवधरी कोउसुनिजतरुऊतहदेही कोउहकिहतमै

वाल
८९

वैठो सोमनिमयसिंघांसन हावभावपणरहिकया छंन सोरग कियफिरिवरुसतकार देखीरि
 निसुचिसौरभनि पहिरायेहियहार भरीयाहकीनारुसव ८९ चौपाई पहिअवसरसिधिसहज
 सुहाई सविनसहितचलिप्रमुदितआई कैआरतीनिष्ठावरिकीनी कहिनजाइजेहिरसम
 तिभीनी विविधिउकुतिफिरिसरहजसारी लगीदेनहंसिरामहिंगरी वचनविदगधंनि
 धरमाहियेहैं असकाहिलछिमैनकषुकहंसहैं कोउकहंसविएसवैसिवेहैं सोसुवांसिनि
 निकलनिरियेहैं कह्यौरामनवमृदुमुसकाता सवयकठोरनसजनविधाता अवधन
 गरमहंनगरनरहैं इहांविदगधावनितावरहैं सोजोगोअवनिकटनिलारी अप्रवधहिला
 प्रकतकिइतवारी होला सबैवरातिनवगसिहैंअवसरविदेकिवारी ८२ चौपाई विहं
 सिप्रहसिप्रकवांनजेवांवरहि मुदितसुवांसिनिगारिनिगांवहि फिरिअचवांइसांवीरिनि
 दीने कंषितकरकुवेंरनवसकीने अभरनरतनवसंनवहुणए मागिविहापेनिपितुपहं
 आए अमितभांतिअवनियपहुंनई छनमुदकौतुककहिनासिहैं जसगायकजसगावेंन
 सि लागे सोइनिंसीयमहिपमनिजागे होउकुलगुरतवजनकबलाई चौथीदितवरगएलेवाशी ८९

सरोमकगवतताहिं मउयेतेयहिनीरसहिंकोउनऊहतकाटिजाहिं ५२ चौपाई अनलप्रसं
 ननि आहुतिगरुई चौरुतवहुंछंनआनंदलहंही सोनहिंगुनिमुनिकोथहिंकरै काहेनमु
 वसमयहुंउरजौ कोउकरंममपअवलवलकारी सोतीअवप्रगटैलधिपरही प्योप्रवल
 जोरसरसरजै करजकचनरसतासपरजै रिषिहुंचतुरपीचारकरयो वधुंनवरनकरदं
 नदिवायो सुरभिसवत्सअलंकृतनाचा लहीडहुंदिसिमुनिनप्रधाना भरिजलगजमुके
 प ननिभरिघारी मधिपरिलगीखेलावंननारी असतंभाहिंदोउपंकिपंकिरहही जांनिजां
 निभालिलज्जितकरहंही॥ छंद कहिदुहुंनलज्जितकरनगहिगहिजुवतिमुषरिखेलावं
 हीं प्रतिविंवतकिनकिदोउपरसपरभांवंअदधुनभांवही नहुंरामसियसौजांनिहारनप्री
 तिरीतिविलोकिकै रनिवासभयोहुलासरसवसपलकपटलहिराकिंके दोहा दंपतिकंपितकरकमलस
 केनकंकनछोरि गिरहैभीनीस्वेदतहंलीकोंसकुचितनोर फिरिकराइभोजंनमधुरवैरीधिरिसवसासु॥
 सीलसकुचवसरामहैकहेउसुदिनअवजासु छंद नवजांनिसमसनेहवसकहिदीनवचनसुनावही अ
 निमेषचारहिंवारानीवालकेनिउरलांवही सुनिविनयसासप्रकोधिसवरधुवसमनिद्वारेहिगए सियगमन

बाल

८२

दिशुतिनेही कोऊ निरंतरागारिनिघोंनी हैंसिहंसिनांहिसुनैहरियांनी कोउकपोलअंजनहिं
 लगाई दुरेदौरिदामिनिछविछाई रामकस्योतिनकेकरपासन रोमरोमअंजनमुखवरस
 अपसत जेसवअंगपरसहिलहै तिनकरुं परमधन्यहंमकरुं लोचनभरिफिरिसिधिकारजो
 री विनैकरीबहुंमधुहिनिहोरी सीताअतिसुकुमारिअप्रांनी छमवचुकचिनकरि
 मोवांनी रोहा जांमेकोनिहंवातनेलहैनदुषसुकुमारि करवसोईसवभौतिनेरामदया
 उरधारि ८५ चौपाई सतानंदपहिंसंमयहिआरी चौथीहितआनुरीकराई सोसुनि
 नियसिपगवनेजांनी नजैआसकजलसोसांनी लसैविंदुद्वैएकउजपर विकसि
 तकमलनिजेकठिमधुकर जेनुसगंधकेलोमहिआई वैठेनलिनकालिनमुखपाई गां
 वंहिमंगलसमयविचारी जयप्रसाकसहितसवनारी उतकठितवरसंकिनदुलहिनि वै
 देहोमकरावनसवहिनि आहुनिअगिनिमोहिजवपरही सतानंदसुनितवरिसकरही ॥
 सोनकिनिमअसकहिंदुषपावंहि चौथीकरमनमुनिकरजावहि रोहा फेजोसोसिंगारस

८२

१ चलेचपलअतिचतुरकहा सोहा सिविकासभगविमानमनिनवतनरेमगलाइ सोकाराहुनैजेंभजेसि
 यमुषससिहिछपाइ रर चौपाई विसकारमासिविकासुनिहारे चकिचकिभमिभमिहदपंविचारे रतिजुत
 मदनहिंजीतेउदंपति लायकतिनकेरचिविविचअति काकारीग्रेहकांमवनासौ राधिसियहि रामहिंसुष
 पासौ जेहिछविलोगनमनहरिहरई जेंनुअदभतरस करुननिदरई तेहिंसंमऔरौकरसुषयाला चटी
 चलीसियसंगवहुंवाला वरनवधुंनजुतआवतदेवा प्रमुदितदसरयतजेउनिमेवा फिरिनपपठईवि
 विधिविदाई हेमवसंनमनिआदिकआई भूषितहयगयरथनव आए हियअवधेसमुनिनमनभाए सो
 हा चलेवधोनतविरदउरगविरामवरवेस पुनिनपविविधिप्रकारसंनमानेविप्रअसेष आदरभांउउरा
 रतादसरयकलीनजाइ पुनिअसीसकीरतिविसदरहोंदसहुंसिछाइ रर० चलतवरातवाजनेवाजे द
 यरयसिंधुरसिंजितछाजे सुभिरिराउगंनराउसिधारे जुतसमाजसुभसगुननिहारे संगसंचिवेगुस्वंध
 समाजा चलेजेंनकपहुंवावनकाजा कहंअवधेसफिरियमिथिलेस जोरिपांनितवकुहेउनरेस प्रभु
 मतापजसजानिवडाई लहेउसवैविधिकौसलराई असकाहिंभयौनेहवसराउ मिलेउभूषसमधिहिअति
 भाउ वरुहिवशिषहिआदिमुनीसा वंदिविदेहलहींसुअसीसा भेटनपेनिसानुजराषराई गूढभावनप्रपगसो

बाल
८३

गुनिरनारिहयगयविहंगमगयाकुलभर दोहा लगीमिलेनपुंनिसियसावनिगहिगहिकेठनिरोइ ॥
 व्याकुलसुताविलोकिवहुंसोकसनासवकोइ ८७ सियमुवलविलविअतिदुषपांवेहिं धीधीजफि
 रिगरहिछुडावेहिं विधिभरजादकरहिंवडरोई सीतहुंकहं दारिप्रसवकोई गुनिसियसीलसुभावहिं
 सोचहिं सकसकतेकहिंआंसुनिमोचहिं व्याकुलपुंनिपुंनिमिलनसुनैना केहिविधिरहिहैप्रांनसता
 विन रियजननीगरसखिनछडाई पितृपगपरीसियांअकुलाई लायौउरविदेहंवेदेही अवकिमिर
 हैषवरिकहुंकेही महांमुनिहुंतेहिंसोकहिंसने अतिद्रिढरीतिप्रीतिकीगने दोहा तेहिंअवसरअव
 लंनवदेनदरेआंसअधिकाइ तदपिमई आभाजुनहंभनतसोकविसकुचाइ राहुदनदोउउपरकेचु
 भेचपलगतिआइ सुधाधारवियवहंतजंनुदरसतविधुसमुदाइ ८८ चौपाई धरिधीरजबोलेउपुंनिभूं
 उर पति करहुसतानिजैपरुइठमनि इष्टदेवअरुप्रियपरिवारो सकलआजुनेरामविचारो सानुजसिं
 गरीकुवैरीसिषई ताकीकुवैरेनपुनिरतिमतिछई रामहिविदाकरतदुषजेतो भयोनसियपठवैनमहं
 तेनो नि यनिआससोआंगनभर्यो मनहुंकरुनरसदेहंदिधर्यो सखिलैगईकुवारिसिविकाजहं भरिहा
 परिछनकरैमातुनहं भईनिरासजोसियहिंचढाई सोविछुरनिवरनीनहिजाई मंडितमनिनबोटाइबोला

८३

१ छंद सानी सुप्रेम गने स गिरिजहिं देव द्विज सजन भई संग सखिन गहगह गीत गावनि सजहिं मंगल छ
 विछई वरवाजि गजरथ साजि दसरथ मोद कर पुरजें न भले करि गोन मंगल कल स आगे लेन अगवा
 नीच ले सोरठा आनंद उदधि अनूप लखि हरि मुख विधु वटत भो वचन कोला हरूप हंस निछटै वी
 छिनि निकर दोहा पुलकित कमहिं प्रनाम करि हेम हीरम निचीर वारि आरती किय सव निरोकि
 विलोचन नीर २२ चौपाई प्रभुरित कुल गुरपाइ निदेसा कि परषु कुलमनि पुरहिं प्रवेसा विविध
 गहगहे वाजें नवाजें जुत समाज अवधे सविराजे वंदी माग धसूत मुजांना करहिं भाटन रसजस
 वषांना चदी अटाति यें कुवें नंदर सहिं करत आरती कुसम निवार सहिं डलहिं निदेखें न कीत
 लवली उतरहिं चढहिं अंटा रिन लली वरसत समन सकुल सुरदेवें सिय सवा पाइ अतपें म
 लेषे चकिन इंदु चष अतिल लचांने रहे वंस मध्यहिं सुषसांने अवहं भारि धनु व्याज वनावें वने न
 तव पाछिताइन सावें दोहा वडे वडे मोतीन की लखि सौ माल रिदेखि कहं हिं विबुध विधि पाहिं
 हिन विरचें न वत विसेषि २३ चौपाई अतिनी के सहिं मां हलगाए जे विरं विमन मां हन भाए जिन कर
 जहं तहं फैं किद एहें पवनं भ्रमन मंहें गंगं न छ एहें अति अदभुत रचना जेहिं जोही कहं हिं ज सगंधर

काल
८४

आई छंद सुनिविनमससुरप्रबोधिरषुवरउचिततहंविनतीकरी नपभेदिकिफिरिदेसुआशिष
 फिरेउउरमूरनिधरी सोसमउकहतनवननकषुसवभुवनभरिकरुनारहं परकारनकोसलपति
 प्रयांनहिपरहवाजेंगहगहं सोरण जहंजहंकारहिंसुवास मगलोगनमुददेतनप तहंतहंस
 कलसपास सष्यौकैप्रथमहिजनक मुदितवरानीआसु निमगंनेसवअवधकहं अनवधि
 भरेहंलासु परजेंनसुनिधुंनिदुंडभिन ६१ चौपाई भयोनगरसषषरभरभारी विस्चंहिंनिज
 निजसंदनअंदारी धुजपताकमनितोरनचारु मंगलषुदतहंरोपेदाह वीधीविविधिसुगं
 धसिचाई सोहैंचौकोमनिनपुराई वाटघाटपरद्वारवजारु कहिनजाइरसनाविसतारु भू
 प्रभवंनपुंनिकहिंकिमिजाई जंनुमंगलछविससंनलघाई मुदकोलाहलवजाहंनिसां
 ना करहिंसवांसिनिमंगलगाना गांवहिंतिमिस्वरबंधूसजाना वरसिसुमननृत्ततगति
 नाना कौशिलादिजेंननीसवरानी मुदमयदरसलालसैसांनी ॥ श्रीरामचंद्रायनमः॥
 ॥ ६ ॥ श्री ६ ॥ सी ६ ॥ ता ६ ॥ रा ६ ॥ म ६ ॥ चं द्रा य न मः ॥ १० ॥

८४

सिफिरीहरिकरउठवांवैरि छेद सिपपांइपरसहिजांनिहरिअनिधंनकरमानतभए लजिल
 लकिलेहिउठांइलषिसाभावसपिचषसुषछए जुतअनुजजोरेगांठिमंदिरंगनायहिकेगए
 सुरहराविवरषहिफूलआंनंदवढहिछनछेनमहंनए सोरा सहितमीतिपरियांइ दुलहिनि
 वरवैरेतहो कलदेवहिंप्रजवांइ त्याहीरांनीभवन्ननिज रूचौपाही मनिमयमंजुसिध्यांस
 नचारी वधनसमेतवरनवैठारी पूजिसविधि धकिआरतिकीलीं विविधिनिष्ठावरिनेगिन
 दीलीं रासीधिरिचमरजुगहारै महांमुदितमनमानुनिराै सकलमनोरथराजहिरानी पू
 जैहिंदेवपितरहितमोंनी दानविनयगुरनियसंनमानी ललींअसीससकलसभयांनी नि
 कटबुलाइसवांसिनिलीनी नेगसहितपहिरावेंनरीनी सतनकल्पानहेतविधिनाना कि
 एसुमंगलदिएसोंदोंना सवीसीयमुषअनमिषवाही एलकरिपुंनिपुंनिसुकुततरांरी हो
 रा हयरांथीमनिवसंननपरदिएवरानिनवृंद चलेसदनसानंदउराधिरामसवकंद रूचौपाइ
 कनकवसनमनिहयगयजांना दिएचहंदिशिगुनिनप्रधांना चलेकारतगुनसजतप्रसेसा कहिज
 पजपरविकुलअवनंसा सबविधिपूजेभूसुरभरी रहीपरीआसिबधुनिपरी कियसनमोंनविविधि

काल
२५

वहुमोही सिविकाभरिविधिइहैवनाई नहिं हजौतिहुं परअसभाई धनदहिंसिविकापतिअ
वकोई कहिकोविहोमरुषोसोई यहिंविधिवहुंएविवलिनवराता विलसहिंमधिसुषनिधि
सबभाता जाइनकहिंसुषमावरवेवा जांनिउमासोइजोतहंदेवा लसीभीरचहुंदिसिधविषां
नी पहुंचीद्वारमगनमुद्रांनी छंद मुदमगनमंगलफूलफलदाधिद्वुअस्तरोचना मनि
मनिधारआरतिसाजहौंसारंगसावकलोचना जुतसषिनकोशिल्यासुमित्रासकलभप्रति
भांमिनी करिगोंनपरिछेंनचलीरामहिंमनसिंधुरगोंमिनी दोहा वजहिंवांजनेनगान
भप्रमुदितसरब्रंसादि सुमनमालवरसतविविधिनचहिंउरवसीआदि २४ चौपाई
रामहिलविजेंनएकरकभए तेतेहिंछिनदेवनिमिलिगए सगुनसुगंधकलसकरिआगे
चलिपरछनसुतचषसषपागे भरीभागअनुरागसपांनी उलकितकरहिंआरतीगंनी
माननमनजहंआनंदजेतो कहिनसकहिसतसारदतेतो करतनिष्ठावरिकरनअधोई क
रहिंचैदकुलरीतिसोहाई उदकउतारिआषपोंनिरीन्हो रंपतिगवेंनसोपाउडिकीन्हो सविसव
करजसुमंगलगोंना गंवनीधिरिमनबंधुनलोभांना सियपगसुभदिकियापरसांवहिं हंसिहं

उमुनिगहिलीके आशिषदेतपांनिसिरदीके करिसवविधिनपभातवडाई कहकेशिकवशिषस
 मुताई रिषिरुचलविगुरकहेउबुताई आश्रमविदाकेरुसषयाई तवनपरांनीसतनसमेता
 कहेउरहवमुनिदरसंमदेता मनकमवचनिजअनुचरजांनी कारतरहवअज्ञांसुषमांनी गवुंने
 उरिषिसंगसिषिसमुदाई फिरेउनपतिजुतसतपहुंचाई भूपभाउप्रभुसीलसभाउ गएप्रसं
 सतपथरिषिराऊ दोहा वरुहिवशिषनिदेसनृपकरीविहितसवरीति तवनिजनेरामुनिसहं
 लीकोहंसिअनिप्रीति अतिउतसाहितनृपहिंपुंनिदेआशिषसभसार निरषिरामसिपुमुं
 निनजुतचलेमुदितआगा र्देचोवाई नृपफिरिरिषिमुंनितियसंनमांनी कटीअसीसतअ
 निप्रियवांनी रहेउपरिपुरपरमउष्ठाहं रानिनविचराजतनरनाहं वधुंनसहितसतवदननिहारी
 कहिनजाइआनंदरसभारी नृपमिथिलेसविविधिपहुंचाई आदरभाउसनेहमहांई दीरघदाइ
 जवरनेउभरी सुंनिरनिवांससभासुषपूरी वजहिंवांजनेविविधिमकारा नटनर्तकगंनभीरदत्ता
 र सजिसजिसाहुसहरजंननारी प्रविषिमहलवरवधुंननिहारी करहिआरतीछकिछविभारी वार
 नमनिगंनअभरंनसारी छंद छंनछननवीनउष्ठाहभोनपअवधसुषतोभामई पहिविधिविवाहेराम

वाल
२६

विधिगर्भे पुरषरषरज्ञानंदवंधाउ सेवकचंद्रमोदअधिकार कहिनजाइपरहिरावेंनप्राई सिवांसकल
सुरआनिअनुरागे पेषिमभुहिउतसवसुषपागे चलेसदननिजसहितसमाजा पलकिनसुक्त
तसगरुनराजा गुरगशिषकौशिककारिआंगू गयोमहलमधिनपवडभागू दोहा लखिरां नी
लैसुतवधुंचपरीपुलकिपगधांड दियआशिषरोउमुनिवरहरषनहृदयेसमाइ ७६७ चौपाई
निजकरतहंराजा अरुरां नी धरेसिंघांसनमनिमैआं नी पुनिमकारकाउराकियप्रजा ३
एदेवसंमभावनदजा गदगदकंठनयेनजलधारा बोलेउभूंपवचनआनिभार इनेकुल
गुरपदपदंमप्रभावा कीलेउमोरमजंनमनभावा मेरिसकलसंसयउरसला दीनेउचारि
उसुतसवमला जनमोत्सवपसनीसिसभांऊ व्रतवंधादिभएअतिवाऊ अरुकोसिकसे
गलेरोउभाई दैमगवरुविद्यांजपदांई बंधकरवाइअसुरअभिमां नी मघरसाजसजगमरु
वां नी दोहा सीसखसंवर्त्तनपनमाधिपुनिपुरारिधंनुता ससदंडइवंरामकरुभंजायउतवजो
१ सोरठा विजयसुजसकियभूरि बालउधारनजाइकहिं सुतप्रतिवहुंसुषपरि पहुंचायेपरम
जंनजुन ८८ चौपाई करैकहांलगिमैसेवकाई असकहिंभयोविवसन्पराई परतपगनिदो

२६

पाई रामहिं निरघिसि पासुवछाई सकुनिसाधिन तें न सवें न चलाई तिन हरि लाइ पलंग वेदारी कवीरी दी की
 सुवकारी पीक दान को उ आगे धरी दारहि चमको अरस भरी निखन चढ़ति सिपा सुषसा जेन सो है सो त
 न ला जेन निसि पति उदै भयो तेहि काला रवि इव कि प्रेसरूप हिलाला गहन कमलिनि हिंकार नल मांयो
 सीतल परस ताहि नहिं भायो सुषमंदन न कि कुमुदिनि हंसी पीरे पसो लाज तेहिं ससी भजि निज दुति
 लहि चह्यो अकासै सवी कहै तकि भरे हलासै छये दुषित भारि पकंज कुमुदिनी हित हरष भति कु
 रको कउर सो कछ की अनुचर चकोरति निरमल देस देस अकास नास भोतं मं अनी नि
 को मंत्रिमदन मन मोदव ह्यो नृप मां न जीत को जे सकिरि निपसारि दस दि सनिवंधु सिगारे भो मुदै ॥
 भे सुवी सवै उउगं न प्रजा सावं भौम निसि के उदै दोहा छिति न भफै लीचं दिका कै कर धुरि दीन कै चंद
 न को लेप भो कै पारद सो भीन ३०० चौपाई कै तुषार वर सो चहुं वोरै कै पिपूष सो ससि जग वोरै परसि चंद्र
 कहिं अति अभिराम हिं मनि न चमाचम भो तेहि धां महिं सीता सुष प्रति विं वहिं मनि मै बोले राम जोहि ते
 हि अनिमै तुवें सुष भरत वं उमहं देवी विधि छोर धिहिं सुधानि धिपेवी पो न तुला सो तौलत भयो उजपति

बाल
२७

गावेंहिंसुकविकलकीरनिर्द रतिमोनिमंगलवोनिउतसवजेंनुजेअनुदिनगाइहैं विसनांयसकल
कल्यांनमंगलमोदसद्यहिंपाइहैं सोरठा प्रभुसिपुयाहुअनेद सकैनसहसाननवरनि विसनांयनप
नंद वंदनएककहलोकहैं सोहा निकरहिंवागअलोककेअदभुतकलितप्रकार वनवायोदसरथन
पतिसीपरमआगार गुरसोसुदिनसुरंधिकैसिपकोदियोनिवास निसिरांका निजसुदिनसुनिरा
महुंभरेहुलास ३०० चौगई भरतादिहुंनऔनसुदिहरे दियवनवाइनपतिसवधरे रामगंवन
महलैनकोनीकों आयौदिनसोरंजनजीकी राममिलनकीअतिअकुतई उरसियुकेअतिअनु
पेमभई चित्रहिरविहयकरिआवांहन धरीरुमीअयवैनकेचाहन उतकंठासिपमिलवेकेरी ह
रिमैनअनुपेमभईधनेरी बारवारअंगिराइजंम्हाही लोचनजलकनसहितसोहाही जुगलसांफि
सरसीउरुमानौ विचरुसिमुखसरअनिष्ठविवांनौ विगतसांफिगुरनपअसकहेऊ गरुकेजांनसुदि
नअवभपऊ सोहा भपवचनसुनिजोनवीसारचलेलेवाइ रामऔनभरिगामकहंसवैफिरेपहुंचौ
इ सोरठा धरिकरहेनहुंराम संगअनुजैनप्रियसवैनके उंनिगेसिपकेधाम सवैफिरेसिरनाइपग चौ

२७

हां वनि सुरनलो भां वनि हरि हिसो कां वनि दोहा होत प्रात बोले विपल वंदि विरद अभिराम काजे का
 जंन विविध विधिसि यजुत जागे राम ३०४ चौपाई वैठे दोऊ पलंग सुष धांम उषर हि मुदहि नैन
 अभिराम रविस सिज वदर सैन कहुं जांहीं तव जिमि श्री के कवल सोहां हीं सिप सुष निकट
 परम धरि आई आलस सो हरि सुष हुं कि जाई नील नलिन स कुचित जंनु भावें प्रात स सीक
 हं सीसन कावे नथ कुंडल दोउ अरु जी अलकें पकी अली लघिल गेन पलकें लघि जुगम
 सिजंनु अहिसि मुदोई आण पिपें सुधां सुष भोई लट्ठ निरुवारि उठे पुंनि दोऊ सहिन स
 कहिं विधुरं न छैन कोऊ बाहेर कहं हरि पापें न परहीं फिरि फिरि सीप निरधिसुष भारीं छं
 द सिपल वत फिरि फिरि राम उर धरि निरधिसि फिरि बाहेर चले अलसात गोंत जमांत सुरि अं
 गिरात अति धरि सो भले पग धरत डग मग धरनि टटी माल उमो मल मजी जंनु नील गिरिव
 ऊधातु जुत सरि पांइ पां वस वरि सजी दोहा यहि विधि आ ए वैहिरे किय प्रिय सविन प्रनांम ति
 नहिं लखत सुसमात कछु डीठि कनौ डीराम ३०५ चौपाई कीन दंत न वैठि सिंघा सैन लेपे नंग

वाल्मीकी
८८॥

उरकबौमचटिगवौ गरुकरनहितनषतचटापो नऊनसोसमतानेहिंपापो इरवहिंपाकोउरजरिगवौ
 तातेमधसोमससिभयो जरेमीत उरभरिअनिसोचन करहिअंगारचकोरहुंभोजन छंद नवहारि
 ससिसिवजरावनमहंगंगतर आसंनलपो नपकरनअतिभोकीनतंनसोनवहुंनहिंपुषसमभयो
 सुवरनसुवरनहिंसमहिहितनतेपत्रेतवहुंनलहे करिअसंनपवनहिंपिपतालहिपालवेनी
 समचहे सुभमिपातिहरेनेनलविलजिछएवनमहंहरिनहे कटिनिरविलारेह रिहुतेइरिह
 गिरिवरदरिनहे सोकिपौउचितैमहनअपनेमाननासहिंसहिंसहे कैमरहिकैलैमानअपनोह
 रिमानोहैरहे दोहा जलवसिसहिसहिसीतअतिनृपदसमहितकंज जपहिंमालउद्रासकी
 मिसिअनिमालामंजु ३०३ चौपाई विविधिउक्तिइमिरचिरचिकहिकहिं करिविहारसनमुषतह
 सीतहि हावभावसोसहितसिंगर वहुंविधिसोमभुकीनविहार जेहिंविहारसमतानहिंपाई
 भयोअननरतिरजलजाई जेहिरसमगनरहंहिंनुमान सेससिवहुंकहंप्रियजोइध्यान जेहिल
 गिकरतिरहंपदसेवा वेदहुंजासुनजानहिंभेवा अकपकपासुमिरतसषलहुं सोलधुमतिमैकिमि
 करिकहुंउं पुंनिदोउसोपेअतिसुषसनिक्कै अलिगंनछकीभागनिजगनिक्कै पंचवाजधुंनिशोहिंसु

८८

काईकीन सांसें नलहि वै रत भई मनरघुवर महं लीन ७ चौपाई सुनतै सुषराम भिसनामैं होतरो
 सांच अंग अभिरामैं नैन नउ मउ अंतु जव आवै माइक सुधिकहिं सीपछमावै उंनि कौशिल्याह
 रचित करी सकुमारी तुमला सकुनरी तदपि पाक तुम जाइवना वो गुरनप मुंनि मम सुत नजे
 वावो भगिनी सहित सिपाजु तछाई पाक चारि विधि चारु वनाई सरजु नहाइ राम हूं आ ए म
 नहि सीप की सख विषकाए पूछत जो कोउ कहें मन लागे करुन संभु समिरन चित पागों
 गुर मुंनि दुजगं न संग लेवाए सीप औ न कहें दसरथ आए होहा पग पधार पकराइ कामनि
 पीढ़े नमहें भूप वैठारे मुंनि गुरदुजं न ते सुबल हें अत्प उंनि भूपति निज सुत न जुत वैठे जेव
 नहेत रंगनाथ कहें अरपि सिय परुसति भगिनि समेत ८ चौपाई घूंघट कर कंचन की पारी
 और कटोरन साजु संवारी परसो मथ मगुरु के आगे विंजन वहुं पकवां न विभागे जया जो पपु
 नि परुसत भई रामहिं परसत लाजहिं छई गुरु मेरित न पअति सख भीने सिय कहें चूड़ा मुनि वर
 दीने सोलहिं सिय अनुपम सुषछाई चूड़ा मनि हिलगाई करि भोजन सव अंच वन कीने ग
 एस भावीरिन मुषदीने उंनि सा सुन सिय सव निजे वोंई दसरथ सविगं न फेरि ववांई अपन हूं राम प्र

काल
८८

नतेलसवासन मज्जनकरनसरजुकुहंगर सवैनसंगमुठिसोभनए भोजनानगईपरभातें सी
 पुसधिनलगितोरतिगातें मभिचौकीविचित्रअतिचारु वैठीसियमलगजितसिंगारु संदरस
 वीदंतनकरावै उपदनकरतस अंगएविषावै रहैठगीलविअंगकमनीषों ठोठीदेकरविहं
 सतिसीयां पुंनिवरअंगफुलैललगाई अंगअंगोएहिअलिनरुवाईचुवनअंबुअलिवसं
 ननिचोवै सियअंगतजतमनरुंमेरोवै दोहा पहिराएनूतेंचवसैनअंगअंगगगनकीन॥
 भूषितकरिअंगभूषननिसभपदजावकदीन ईचौपाई तिलकैनिरविपुंनिदिसुसिरचंदन॥
 कियसीरषदगरेषाअंजन दंतरागदैअधरागकिय कोसवासवेनीसुगुंदिरिअंगनध
 रिसगंधचूरनवर पहिराईफूलनंमालागर करिसभसीपरामकोधौनै पुंनिदिसविविधि
 भांतिकेरांनै कोऊलैकरअंतरलगावै कोऊचमकरैसुषणवै कोऊवनाइवीरिअलिदेही
 सियमेवांकरिसधिसुषलेही पुंनिसियसवसोंसनगृहाई सवनिजयोचिनपूजितभई सव
 सोंआशिषवहुंविधिपाई फिरिकौशिल्याभवंनहिआई दोहा सीसनाइआशिषनईवहुंसेव

८८

हंसतनवत अनिलसे पुनिविहंसत असवां नीकदी कुवरी कहिवालत मैसरी जगत मिलिदि
 कहनोहि समनारी मैरी क्यो कवरी दिनिहारी पुनिसे निवेन हंसत सवभर आसिबदेनारद मुनि
 गए सोरख भूपति सुनिकलगां न रांनिन जुत हरषितहि ए दिये विविधिविधि दान जालवि
 लाजै सुरपतिहु सोल पाइइ नाममनाम करि गैनिजनिजधाम रांनिन जुत नपुंसदन आइ कि सव
 प्रेविश्राम ३९३ चौपाई कछु निमिषी तेरा महुं सोए जागिभोरनिकसे सुषभा ^{निज} सषंन संग
 सरजत टआए किए दंत निफलेल लगाए कीन बिनोद विविधिविधि जलकें प्रकय कदैछी
 देकरतलकें प्रभुपग परसत अतिसषछाए उछलत जलमहं मीन सुहाए जलते अधिकें
 मान सुपास जंनु एचहं हिराम संग वास पुनिपीतां वरपहिरि सोहाए नितिकर्म करि ग्रहकहं शा
 ए जाइ मानुपहं भोजन कीन्हें अनुजन सषंन सहितर सभीने करिषो साक आभूषंन पहिरे सषं
 न संग आए पुनिवहिरे सोरख भूपतिके दरबार गए छवीले चारिज सववलि विलि सुषसा द
 सरय प्रकट कतकिरे दोहा सतन करत मनोमन प्रअनुपम लहि आनंद वैठा पोसिर सषिकें चासो
 रषुजलचंद सोरख कछु करि नहुं दरबार आएर छुनंदन अपन निजनिज सवैअगार गए सवापर

दोहा २

वाल
९०

सादीपाई भगिनिसहित अंचवत सुषण्डाई सोरठा वीरीरुरधितवाइ भगणि नजुनगे सां सुठिग
 वैठाई सुषण्डाई कौशिल्यां सवव पुंन कहैं रानी सुत सुत वधु नजुन वैठैं तहां भुवाल सुरपति पठई अ
 पसर आई नहं तेहि काल नांचन लागी असरा किय गंधरव गांन चाह भाउना चत करैं लही
 विविधिविधितांन र नारद तेहिं अचसरत हं आए वीन कंधा सिरजटा मुरार एनि नजुन नप
 सीसन वाए सज्जन करि आसंन वैठाए राम हिल विमुनि अति अनुरागे हरधित चित्त नाच
 नेत हं लागे विधुरित जटा वीन धरिकां धैं जीटि मेवला कसहि को बांधे बोट सुभम गचर मसु
 हार वरवल कल कोपी नवनाए कंधा सके सी के कार करि कै त्यो तिलोतम हं कंधा धरि कै राम छे
 रगहि भाववता वहि कौशिल्या के कशठिग आं वहि भूपति पति रानिन के आगे नांचहि नारद अ
 नि अनुरागे दोहा परम विनोदित कै सवै कौतुक लवाहि अनूप विहंसि सरा रुहि नारदहि रानी
 कुवर हं भूप २१० चौपाई कै केशी के गाछे लषिकुचरी मान हं भेषित दाटी बंदरी करत भाव मुनि
 नाहिं विराधैं वंधुन सहित वर हंसि सुषपा वै हरधित हं कुचरी तहं जाई नारद छे रगहि सिमुस काई
 कहिसि नमो संम सुंदरि नारी विरच्यो विधि वरतु हं हि विचारि तिहि वां नी मुनि सिगरे हं सै नारद

२६

हिं जानगयो संगहि दिन संध्यहुरदिनसकी कछु पतिविनु विगत नायत जितिय करि सोका मिलन
 हेतों ने उत प्रकोका छंद रवि विगत चंम के न लगे जीगंन करत कक उल्ल कहैं दिन राज विन अति
 सोका सो मंजु हंस भे सव मुकहैं विपरीत लवि अलियाज कमलिनि विषहि भोजं जु जं मुक
 रे रवि सिंह विन तें प्रविपल वारें न विरुजि गवन सुषभरी सोहा तमहि पांडन भप्रगट भेन घतन
 की समुदाइ मनि मेऽवधु हंस मयें तेहि छिति न भस महिल पांड करि मसंन प्राची दिसा सासि
 २ प्रकास कियु दोरे मनहुं सहस फनि मनि न की जोति कटो छिति छोर सोरठा निरविमानि निन
 मान को धित ससि अरु नै उयो किय अलि अवलि पयान कुमुदिन ते कटि यो मकहैं ११४ चौ
 पाई हरि हित ते ससि करहि पसारी मनहुं म्यान ते लिपतर चारी ससिर छुनंदन सिय हिल पावहि
 करि संदेह वरनि सुषणावहि तिमिरि नास करव कहि कैहैं कैनु वतिन संजोग गुरेहैं चौकै विधि विरचें
 सिंगारैहैं कै अमि भोजं न रजत थारहैं निसितिय मनि आवसी चारहैं कै वंदीन भश्री लिलारहैं कै न
 भसरम हं कमल हिं प्यजै कै धोरज हंस पहराजै कैरति पति को वान सो नहैं कै वमुकुर जु वं मुसल पां नहैं
 कैनु वंज ससार विलहिंसित तें न आये ले न रें न हं दर सेंन दोहा कै संभोग अरंभ को कुंभ रजत को राज धरें

बाल नामकार दोहा एहि विधि करन विहार प्रभुत हंचित ये कष्ट काल **पेक समे वैठे अंटा जोरे लघेर साल ७१**
 ८९ **य अत कि सोर** पिक धुनि सनन विहार को उत कंठित सिय राम तेहि छं न वैठे अतिल सें दिन के चौथे
 जाम ७२ चौपाई अरु विलोकन गयर हारे पर कहि सुं उवेह सिर डारे उर लघि मरकत शि साल जां
 भी जाइ मरो दधि मधु पाणी भुजल धि भुजवल लाजहि कीन्ह ताते कंठहिं कपाटहिं दीन्हें मृदु सु
 सका निमाधरी फंसि कै चहुंदि सिषडी अली अतिल सि कै मदन चानुरि हिंसति चानुरी सविनल
 षत वष कहि आतुरी सव जां महिं मरि हिंदि सि हेर हिं वंजन लजहि नैन फिमि फेरहि प्रहिव प्रमदं
 अनुपम अनिराम निमिसि सौहि रहीदिसि वाम अस्ता चल सरज को अंतर दुख नायन नैन न
 युनि दुस्तर दोहा निज कल मनि धरि ता पर विनहि सहि हिय अकुलाइ गिरि ने पक्षिम उदधि जं
 नु कंदन हेन नहाइ ७३ चौपाई पवन इ नरु पल्ल चहुं मि डोलहिं विपुल विहंग चहुं कित बालहि तरु
 कर सो जंनु विहंग बुला ब्रहिं जंनु ते कहहिं चपल हम आवंहि वरुन दिसालहि अति अनुरागे जातेर
 विहंते जरुन लागे अध वृद्धे विउपमहि कीने मनहुं सरित पति मुकुटहिं दीन्हें गेपार लोकहिं पतिक
 हहेरी पैठि अनलहि दुतिर विकेरी जो नहि सती रहति यह जाती तो कि मिधुनि पतिके संग होतौ मित्र

भरिकरियेनाथविहार सोसुनिहरिहरवित्तउहेसियजुतसुखविआगा ३९७ चौपाई चहुंदिसिअ
 लीमंडलहिकीले विविधिभातिकेवाजंनलीके निरबहिरामवंदनअनु रागी अनुपंमगांनका
 ततेलागी रमांसारदाअरुइंद्रानी जुमहुंछकिनछविदिवेहुंभवांनी मध्यसखिनहोउकरिग
 लवांहीं अनुपंमलसहिपरमछविमांहीं प्रभुकिपमोहनगांनसुवांनी तीयवजात्रतवीन
 मुवांनी सखेविटपरहरितहेआए ससिमृगछकेसुनादछकाए थमरूपोसमैतेहिसरजुम
 वाहुं विभुवंनमहुंभरिरह्योउछहुं सोसुषउमावारनिनहिंजाई ज्यौकहिंजाइनसुधामि
 ठाई दोहा नहुंतेपुंनिहरवित्तगएकवेलभवंनमहुंराम सियसंगलसिवैठतभएआसंन
 अतिअभिराम ९ चौपाई सहसदलनिकोटिनअलिलसै जुयपनिजुयपनिविचविचव
 सै तिनहुंनमहुंजेमुखसखीहै लैसेवकाईसातुलसीहै षोडशदलमहुंषोडशठाटी रामरू
 पनिरबहिसुषवाटी सुधामुखीउज्जलाववांनी कहीकांचनीसुरभिसपांनी चित्राचित्ररेखहुं
 हंसी कमलाविसदाछीहप्रमंसी चंद्राननिससिकलासुदता लखतमधूर्यमालनीकंता वराव
 रासोहातहराजै काएगणिसारहोछाजै पुंनिउपदलमहुंषोडशपेहुं तिनकेनांउकहैविधिजेहं॥

बाल
६२

तनहि कै मोदहैं कै चंदहि न भखाज १५ चौपाई ससिमो निमिनि सिसो सजिससी सियसंग हरि हरि संगसि
 पलसी चंदकिरि निरधहि कै आई फटिके छरी इव सदन सुहाई उदित मीत गुनि मनसि जजायो गहि
 सोइ छरी उठ्यो अनुगग्यो लहि प्रकासनि जस सवहेरी लियो चढाइ कुसुम धनु फेरी लविनि जसुह
 दमदन वल पायो रोषित विशिषं निछोउत भायो चले सिली मुषकटे कुसुम धनु लगे सवै तेहिं कपुद
 नियं नमनु तेहि पन सविकरि सकल सिंगारै रामहि निरवि भई वसमारे अंजन द्विगदिय केसरि अंगनि
 मुषन मोलालिय भरि सरंगनि दोहा अंगन महुं एकरे महुं ते रंग रहे सोहाय अंजु कं वक्र हं जिमि भरोए
 कै चरन लखाय वीज दंत के सर छटा फल कपोल दल नैन विकसित वारवारि जव दन चहुं दिशि घरी स
 चैन १६ चौपाई लहे सुवास मुषन अरविंदन करहि सखि हरि कमल ननिंदन कल कपोल विधु विव
 निहारी कहुं हिसम असमनहि विचारी विगसित निमिहुं निरवि भ्रम छापो चंद कमल मुष परिषं न आयो
 निरवि गम रुख समै विचारी बोली पांनि जोरि कोइ प्यारी नाथ आपसो गो जोइ हारी मन महुं मदन सोई रिसि
 धारी रिपुहिं परम प्रिय हं महि विचार्यो नाते कोपि अघ सहसर माख्यो अवलंन अंग कुसुम हुं ते कोमल ३४
 सोसं निजानि कहै कविंगन भल उहु पुहुके सर पारहिं भए आपस मी पहुं ता पहिं दए दोहा गई जां मिनी जां म ६३

चौपाई नमो मुखसी नामहरांनी कमलापदमाकहीं चवांनी से या सुषारि सुकें सी पारी लसतिक
 मलपातारा नारी गुंनिवी रंगानुजा सोहांई अनुअनुपम सरजा छवि छाई कोउ सावित्री कदां
 नलिय हांटी मांन हांनलै कोउ छवि वाटी कोउ लै विजे नचं मर कोउ कारही कोउ वीरि निदे
 अनिसुष भरही मेवंन लै कोउ अली सोहांई कसम माल लै कोउ आलि भांई अंतारान को
 उलिया अली है कोउ ली नै आरसी भली है कोउ भूषं नलिय कोउ अंगरागहि कोउ पोसा क
 लिय भरी सो रागहि दोहा कमल दल न अलिगंन सजहि सव निय कल अवतंस जे सी तरुं
 की छवि सरस को कविकारहि प्रसंस ३२० चौपाई जे आठौ कमल हिंम धिए जे लषितिन को दि
 न कमलाला जे सिप सुषमा किमि जाइ चवांनी लहति न पारवर निजे हिंचोनी एक नारी अनु
 पेंम छवि धारी सिप सेंम हिन विधिर यौ विचारी पेंडी तकिन रंग भरिला जे तरुं न सक विउ दि
 तर विभा जे चरुं हिं अंगुलि सेंम वंपक कलि जं गुंनि अजांन तेहिं तागहि आली अ नचं न नि
 रवि उडल जितर रुंलि ताते अधि पारि नम हंका हरी कंज चान लषि अनिसुषा सी एकदंग
 हिं भौ संन्यासी वसंन कवाइ अरु नदल धरिते न भजतरूप हरि प्रीन न कमठेन सोरा भएता सुज

काल
२३

छंद सुभसोभना सुभदासुसांता सखी संतोषा कही सुवदासुचारुस्मिता हेमाछेमदाछेमहंरही र
 सउस्तुकाहंचारुलोचनिचारु रूपाहंधरा धात्रीहुंधीराचारुवंगीएसवीरुमनहरा द्वादशदल
 निसधिसतीसुंदरिचारुसीलाराजई छीरोभद्राअरुभद्रदापुंनिभद्ररूपाछाजई विदुलताअरु
 पदमरेखाभाववरजितपांवनी नहंऊंमकुंमांगीमेमदारसनिपांरुससगांमिनी वारहीउपद
 लसखीजेतिननामकरिसुषसांसनी मालामहाहीमाधवीकामरांकांमविमोहनी नतिव
 तीरतिथितिमेमराकुसलाकलानीलागनी उपदलनियेसधिकरहिसेवामेमपगेहिलषेधनी
 षोडशदलनिअसितासितागुंनसंभवासविभारदा पुंनिउमाप्रकृतिहुंमहांमायाशुनीजाति
 विसारदा हरिवल्लभाकमलाविसालाछीपदमहलावनी अरुनहंप्रयेसीसुधरिनिन्नामनुर
 ३ मावुंदाठनी वीजईसनिरतहिंरामकरुंप्रियकहिसवांनीसुषछई उरवसीरभामेनकाचंद्राव
 तीसभगतिलई हेमाहुंछेमावरागेरूपदमगंधागालिनी मृगलोचनीहुंसुलोचनीहरिनीहुंअ
 निसुषमासंनी दोहा राधापदमाहंसिनीकरपूरांगीनाम सक्तिप्रियारसात्सवाविसालाछिअभि
 राम प्यारीरामहिंआठजेकमलमध्याहंसोहि तिनकेनामनिकोंकहोविमलग्रंथमतजोहि १२॥

२३

चुपेंमतदं जानों चंद्रहारलविचंदचवांनो चंपकलीनिलरीसतलरी तेहिंकषुषविलैंवागुरिकरी मुंनिमनमृ
 गतहिंमोहफंदायौ नानेमदंनजगतजैपासौ वाहंनलषतमृनाललजानैं नानेंकीचहिंवीचषणोंनैं करस
 महितकिसलैंकरित्तालैं ओलिहारिषोलतसवकालैं मृंगफलीलविअंगुरिनहारी अजहं हृदयेंदरार
 निहारी मारचक्रमुदरिनिमिसिभाए मनहुंजगतजैसीधनआए करनिचुरीसवसुषविसकैली जंतु
 षविसिषहिंसिंगरहिंचेली रोहा मधिविनरविहिंवनाइविधिरूपौअनपनिहारि करकंकनसोइ
 देतभोतेहिंकाजोग्यविचारि पहुंचिनजडेसनवरतननवग्रहहारेदेवि धुवंपरदक्षिनकरतचहिसम
 नातासुविशेषि २३ चौपाई वाजवुंदलसहिंभुजआंधे मनहुंवसीकरजंत्रनिवांधे कामकंठरीजु
 तसभंदेषो दरकोउरतिहिंअंनुपंमलेषो तेहिंभुंनिसंनिविधिअतिसषषाए विधुंनिसिंचवैरेषवंचा
 से समनहिपोठिकदलिदलभयो नातेटकाटकफरिगयो फूलेआमकरनदोडीसंम पियरीपरिरिको
 रिपरिकम लसतचिबुकतिलसवसुषमनिगहिं मनहुंकोमचषतिलप्रतिविंवहिं विंवहुंचंहिंअधरस
 मताई नातेनेहिंभोजेंनुधिजाई दंतनलषिमुकेतंनगंनहारें भेगरपरुजदपिगुंनधारे रोहा हनतापत्र
 यहांसमृदस्वांसहिंएउपछोरि तेहिनुषजंनुससिकिरिनगनउडिछाएचहुंवोर वीरीअरुनीमुषसुगंधलजि

काल
२४

गति है

उगात सरुतसीत अरुषांमको हारि गुनत विलवात तजत आसमकरंदमिसि २१ चौपाई लवत रागजा
 वकहि अनूपा ताते आपहुं भोइ वरुपा अनवर विधिमां अंगुरिनि भाई सकुल सधुं निहं सनिध विधाई गुं न
 लुफनल विगुला वरिषहारे अजहुं ताते कंदक धारे नूपर धुं नि करि अलिष विपां वरिहं मनहुं पदुमप
 दके गुं नगां वरि जीती गतिहं सनि की जै हरि जप कंकन पेसति है जंघन लविकेन किहि पजरी नातेषा
 रतास उर भरी पीत कमल लवि जां नुल जां ने रहं हिं कुवेर हिसरिष पां ने कदलि उरु सम किमि कवि
 कहै सीत भीत उर कं पहि रहै दोहा मदन जां न के चक्र जुगल जे निते वनिहारि पाते निजर यचक्र यकर
 पौतर निविचारि सोखा लवत किरि निरविके रि नास घां घरी जुन तियं नि उपमा जगत हिं हेरि लही न
 लाजि अवहुं तपे दोहा वरनत कटिक विगंन करहि अपने मन अनुमान ब्रह्म निरूपन अकथ इमि अ
 नु भौ है परमान सोहि रही करि महुं मुखर सनासे भअ भंग कमल अवलि विचक्र हिं जं नु करत प्रस
 सञ्जनंग लवि सेवारो मावली समन होइ वरिनाइ नाभि भली लवि भौर जल ध्रुमि ध्रुमिला जि विलाइ
 नापत उर हिं मूठि भरिष विनिप्र अंगुरि निरेष रेखात्रय अंतर नि कठि त्रिवली भै वर वेव सहित किंचुकी
 कुचल सै इमि उपमा कविकीन कमल हंस चकन वर मय हिरि जी निजं नुलीन २२ चौपाई विविधि चंद अ

२४

निकांमनादोनै अवहंलोसांसमनहिंमोनै सीसफूलसिरवेनीवेंनी हारेविचरवहेंमनिफेनी
 सोखा नविषावेनीपांन गुंरितिनवेनीअतिलसे जीतीअनिविधिजांन पत्रपहुपलैपजिते
 उ मंदिररविरसराज वैदीहेंदेवीसुखवि तऊभरैअतिलाज लखितेहिसारीस्योमजुन दोहा ॥
 निरखोविधिनेहिनियहितवअंगअंगसुखिछविमेलि भईनतोसंमसीयकेधरीभंगारसके
 लि सारा अवलोराखीसांवि लैलैताहीकीसुखवि विरचतविसविचि जहंलगिसुंदरता
 विसद २६ चौपाई औसीसिपछविकविकिमिकहंही रामहंढटतउपमहिरहंही रामरूपअ
 तिअनुपमजोहें होसववरनिकहंकविकोहें अकषसरूपहिमनहिंविचारी तदपिकहोकछु
 मतिअनुसारी उजपतिहरिपदसेवहिलसे नखरभाउहैमभुपदखसे दूरिहुंतेपदपरस
 हिंपाई दसगुनभरउकलंकनसाई परमतामरसवैरहंत्पाजो लस्योकमलपदअतिअनु
 राग्यो राहुनसीतधांसहिलीहें हरिगनिसमहितअतितपकीहें पाइनहंससागनिसम
 नाई जाइमानसरवसेलजाई छंद रेखासुअठतालीसतरवेंनजांनधुजअठकोनहें हलम
 सरोश्रीयोमरेषाचमरायत्रहंजोनहें नरधनुसअंकुसअष्टदलद्वमस्वतिकोचरजत्रकहो वर

बाल
२५

तकोकनैदपंक वसोभवंरंकेव्याज उरगण्योपहैकलंक सोरठा कविताकेरिनिधानं संदरिसनातीयकी
 सुधरअधरपहिचोनि नातेरगषहिगोपतेहि दोहा सुधविगदनकेचाकविधितोस्योनिरषिकपोल ॥
 नातेरहीअकेलिछविफिरिनवनेवसगोल २४ चौपाई मुखपांनिपजलरासिउमंगै ताकीजंनुनासि
 कातरंगै वेसरिसमवरहीकिमिकही भोजनकरहिप्रगटतेअही वरवलाकमोतीछविलरुई तसिअ
 मिविंदुचुवैनजंनुचहई दीरषछोरदारदिगतीके अंजनरेषसहितअतिनीके कंवलपातजुतआलि
 ५ मिमुवली सकुचहिनेननतकिषविनवली भोहनसंममनसिजधंनुकैसे विधिकुलालपरतरिये
 जैसे सोकदासजेहिंदिसनिचलावै असितकमलअवलीनलजावै लघतअवैनसुटिसुंदरगोरे ॥
 नीकेलगतनकनककदोरे दोहा तरिवैनतीकेनिरषिसहिमनमोसकुचेपांनु षोजतचहुंकितमेरुकेल
 गेलोकउपमान ३२५ चौपाई समहितभालवदनविधुरोजहि सहननसमहिषटतनेहिसोचहि
 अलकैलटकिललकिअनिलसही कांमकसाकरुंजंनुपेहंसही सुरकीसुधरिजाइकिमिवरनी लष
 तेनिभुवैनकरुंवसकरनी अनिसुंदरदांवनीसुहाई लघिलषिटुतिदांमिनिदुरिजाई लसतचंद्रिकाअ
 निछविछाई हैजचंदसमसकतंनपाई मोतिनगुंदेकेसविचचंदननिरषिनिवेनीभरीअनंदन संमहितदे

२५

और अंग सव कंद सोहार पी ननि तंव छये निहि भाए उलटि नि सांन चंदै स मताई रहै मदन ल
 वि अस मल जाई विस्तृत ज्यो अनिमानि धिमानहि लखि कदि भए विराट सयां नहि नील कनि
 न जुत कि किनि नी की कमल अवलि अलि गुंज जुत फी की ना भी लखि अमिकं उल जां नो छ
 पौ पताल आल सें न ठां नो हरि सम हरि भगत न अनुमां नी रो मरेष जमुना जें तुजानी त्रिचली
 व्याजति धस्यो त्रिदंड हि तहं अनंगत पकरत अषंड हि ओलत चल दल छवि लसहै मान दल
 हुं उदर सराहत रहै दोहा है कपाट मरकत शिला जड सब जग विष्णु अनिसुंदर रघुनाथ उ
 रतिन संम किमि कहि जात रद चौपाई रामहि गुनि छवि सी वें हि यां पौ ताते दुज पद प्याहि
 छयो रूप वो पजं लु उदधि अपारे भोरहि कवि श्री रेख विचारे मोति नम नि कुसुम नि की मा
 ला मध्य तुलसि दल संम विसाला हंस अवलि मधिकी रं नि पांती दां मि निल विल जिगंग न परां
 नी पांचरंग मनि की दुति वंती रंम जां नु लो है वै जंती पद लो पुरुष माल है जोरी पहिरे मधुवन मा
 ला सोई कां वा सोती जोरुत मोहें पै कसिक माला सुठि सोहें दोहा संधी लेवी कंद तेरा जत माल
 प्रलंब नाम अपी उकसि रवधी माला सो भकदं व जंन मन मोहें निम नि विधी कोटि न ससि परकात

वाल

८६

चक्रसिंघासनमुकटसरसपेजंमदंडुंमहो जषमालगोपदकंभसरज्जुअवंनित्रैकौनहुंवने जि
 पविंदुशक्तिहुंमकारपविविधुएजंनुफलगेनो षटकोनआधाचंद्रगदापताकविवलीदरलसै
 अंमिकुंडचंद्रिकहंसवीनावेनुतूनहुंयौवसै दोहा अर्धरेषपदसुषदमहंलसनकहतजंनुसा
 इ लहिहिउर्धगतिमोदमैसुमिरिहिपदजोकोउ हरिपददहिनेरेषजेतेइसियकेपदवाम सि
 पदासिनपगरेषहरिपगवोंयेअभिराम २७ चौपाई कोमलपदपरसेवडभागे सिरसमुम
 नतिदिगाकठिनहिलागे उलटानीलकमलपदपीठहि समनपाइलजिजलवसिसांचुहि ॥
 नननेचटिसोभाटरिआई समिटिमुलफजंनुसुईसोहाई नूपरसधुंनिपहरुवाताकहिं तेई
 जंनुजंनमनगहिराषहि चिकनकोमलजोकलभंनकार सकलसषविभरिरेचैपंचसर ॥
 नरउनसोजंघनसंमहाई करसौजांनुअनिसुंदरजोई जुगुलकमठहरिअतिसषमोंगाहिउरु
 जंघजंनुकरतविभागहि त्रिभुवंनषविसवजीतिसिंगारे जयतसंभजुगसरससंवारो दोहा
 तेऊहारेनाषिउरुलाजो लघिरसराज तेहिंसोकैभोसोंमरंगवरनतकविनसमाज वढतष
 दतआतपनिहिंछंनषविछंनषविहोउ चंपककरसकनकजउसमनपीतांवरकोइर चौपाई

८६

कंधवाटतनिताहिकंधनसमकेहेत होतनसमतवलाजिउरसिरनीचेकरलेत सोरठा रघुवरपीठिनिहा
 रि पाटीरचतसिंगारकी मदनैफेरिविचारि समनसमुठभेटततुरत ३२ चौपाई कंठकपोतसमाहिना
 हिंणये विकललुटतलोदनहिकहाए नीनिदुईसयहैवपुथाए जंनुगुनिरसपतिरेषपंचाए दोटील
 धिजलरहतिमकानी नीलकमलकीकलीलजोंनी अधरनलजिप्रवालजलमोली कटतहितेकठोर।
 परिजोंही दाडिमउरदरकौतकिदुजगेंन ब्रह्मप्रकाससैमहोतन लविमुषरागरागहंरामे मुषसुगंध हांस
 कमलहुंलघुलागे रसनातकिपलवलजिवसवेंन धुंनिसंनिलजिनभउउताफिरतथेंन मुकुरकपो
 लनसमहिंविचारै तातेंपरैतासमुषछोरे दोहा कीरदोरमंगारहैंछविमोतीगहिले जुतसोतीहरिना
 सिकाकिमिउपमाकविदेइ सममनसिजगुषकिमिकहैंविनपांनीजेधुजमहंरहैं श्रीसीधिससिन
 नासिगारै रचैसोभूसमतानहिंधारै स्वभाकूपहिंभरैरागजल तउअवनसमहोहिनाहिभल तरनि
 किरिनिमहंजोपैसजै नखततउकुंडललधिलजै नैपांचरेषजुतभालविहलोकै लजितपंचसारभयोस
 सोकै पीततिलकरैषैसुठिनीकी दीपजोतिलागहिलविपीकी चीकनचिलकरारजुगअलकै जंनुयेह
 रिमुषकीछविछलकै मदनसिंगारकाकपवहोवै जुलफनितउअनूपंमजोवै दोहा मनिकलंगीसिर

वाल
२७

नामक उस्तुभलसत उरलवि अलिल हंदिहलास ३२० चौपाई पहिविधिमाला कौ सुभधारी सुदि
 सोरुन जानिकी चिहारी भजमल वल्लै जानहिले हीं साधी सुंड जीनि जंनु देहीं जवां छत्रवी नारे वाक
 र अंजु राषग आरसी कमलवर वज्रगदा अचधनु कवि जंन हल धुजतोरन सिविका घटनिल
 कल खंरु मृदंगतुरंग रुंमीना चमरपता काषड्डु पीना ओमनि वंधधर्म कोरेषा सुरतरुध
 जपता करधमाला गहापदुम दरचक्रा विसाला लंवे पोरि अंगुरि चरवेषा द्वै द्वै पोरन घट घटरे
 वा सारग गांठिन वेढेरेष नौ नौ सोहें अनिरुचिर सुननि परेष सवेम वगल गंदोरी केलसे रो
 पुहुंचन मै अनिसुख विकार चारि चारि हैरेष चारि चारि निमिरेष है वांहु संधि वरवेष ३१ चौपा
 ई हारेही एन घटु निदेखी गुडै है पुहुमिही विशेषी अंगुरिन मुदरिन सहित निहारे रनन पंखम
 दनहुं सरहारे जडल छुष्ट विजेहिं सव विधि अहें करन कोक नंद संमको कहें रनन चौक कर पीदि
 मुहायो जव विधित सनहिं पटन रपायो कमल उलटि निजमनि नचौक दिय सोऊता की नहि सम
 नाकि य मभाचु डेकर मडेक डेवा जिनहिं लखेल छम भाप्रभाकर करन फल जुत वाहुं सुहाई फली
 कल पलनानहि भाई वाहुं मनि नजुत अंगदनी के निनल विन भसंति उडगंन फीके दोहा वृषभ

२७

ज

संगदीपातिलहपौदुपतिदितावारुनिधूतई द्वैमभाविनसोगिस्वोचाहतउचितभोपहिंधूतई असगननि
 माचीदितामनमहंसमयअतिनेहिलसतिहै कछुभयोरविपरकासजंनुशखासहितमृदुहंसतिहै दो
 हा कुसुममालवेनीतरुनिनिसिससिकौरवदीप सिधलभएवेहरषयेकचलकौकअवनीप सोरठा वि
 हरीसनीसुहाग विधुप्रतिसंगकांमिनिनिता किरिनिमनौअंगराग लगिअंवरमलिगजिचली सति
 बुकिकुमुदविहार पीतवरनभोसिधिलकर प्राप्तिमदिसिकारिप्यार तेहिंसंगजंनुसोहनचहत ३६ चौ
 प्राई छपाछपीछपिगईतरैयां कुमुदिनिहैंअवमूंदिजवैयां देविहितुनदुषससिदुषभरो जंनुगेप्र
 भाभयोइंवरो हरषिकौकऊचरुनउगई तवलोकोकीतिहिंदिगआई जलनिधितेसरजघटभारी
 बैचहिंगनकिरिनिनदिगनारी तपेमनहुंचउत्रांगिनिज्वालहि तातेरविअंगारइवलालहि विकसि
 तकमलसोसकैनराजै तेहिचपमायहिंविधिकीछाजै जंनुगहितरनिचंदकहंगासौ सधाविंदकम
 लेंनपरउसौ असकाहिंमागधरुधितगावै नौवतिनौवतिवालवजावै सोरठा होतभोरसिपराम
 जागेवैदंपलंगपर दोऊसबमांथांम मुकिमुकिराजहिंनीदसों सिपउररघुवरराधि सिपहुराधिरघु
 वराहिउर मज्जनमनअभिलाष दोऊचलेउठिपलंगते दोहा भानकर्मकरिमातुग्रहजाइकलेककीन

चाल
२८

पेच जुन चीरावहुं रंग जोइ सुरधनु नवतें न संग करै न ऊनतुहिसंमहोइ ३४ चौपाई कंध सरंग पट्टका सो है
 निरखत हींसव को मन मोहै तेहि उपमा सरस्वति नहुं न पाई गंग जमुन मधिरही छपाई अरु नै अंग राग
 अंगराजै जेनु सिय राग अमि अति भाजै फेरत कंज सिया अति भाई हरिकर फूल छरी छवि छाई अनु
 पैम सुंदर दोउ नवमिष है भयंन वसहित सत्तचित्त है राव भावर ससंनिपरिहांसा तहं करिविविधि
 विशेषिविल्लासा सैन अैन पुंनिगे अलसाने थारि करि सोये सुषसांने रामहुं सिय सीस सोहायो जमु चौ
 नास सिनहां न जेनु आयौ सोहा सिय ऊपर हरि वाहुं सुभ सोहन अनुपम वेष चपलाय कि जेनु थिर
 भई तेहि मधि जेनु घेनरेष चारु चरन चासौ लसै लषि अलि भरहि अनंद पलंग उदै गिरि उदै जेनु चारि
 रनि सुषकंद ३५ चौपाई जोडे पीत पिछोरी दोऊ मगल लषहि अलि गेन सव कोऊ कोउ अलि सव भ
 रि पांइ दवा चहि कोउ अलि मधुर मधुर सुरगां वंदि चलि चहुं वोर चौकिला भावै गृह चहुं कित पचवाज वजा
 वै होत मात माग धनि उचारे ललित कलिगरा ओ भट्टि पारे विविधितान लै सुष उपजां वंदि शमिकहि म
 भुक्क मात सुनां वंदि विमल बुद्धि निमि अंतहि धारै कविश्वन पतिसु अर्थ विचारै जां निप्रात कर कदगंन
 बोले अवलन मन विरहाग मघाले फिरी भानि नीमू देह जायी अलगी कंत उर रस अभिलाषी छंद मम सं

२८

वाल
१००

नवहिर लोभनवन १०३३

छमा जुन सील विचारी घट विकार कामादिक जारे सत्रु मित्र मन रहन विचारे चारनैन सो सव जग देखै जि
न की जग योरे हिरै धैं सोला सुहिद सवै न पराज हित देखि सुत हुं कहैं दंड को सफौ जके संगरी अति उदा
र वरि वंड सोरठा अहित हूं अरु रिपु जोइ हूं नहि न तेहि अपराध विनु उत साहित सव कोइ नीति सा
अमहं निपुन सव ३३६ चौपाई चोरी विनु नराजिनहि पिपारे सति प्रतिन के है रष वारे तर्क निपुन अ
ति मंत्र गंभीरे सोरहौ वीर धनुर्धर धीरे सिंहासन टिग ते सव सो है राज राजद सरथ मुष जो है उं
निभूषति भीतर पगु धास्यो करि प्रनाम गवने सत चास्यो हरि गुरु भरि हरि कहैं पहुं चाई गेनि ज
निज अैन न सव भाई सविन संयन संग इमै राम चरित करहि निति नूतन राम विहरत कहैं
सयं न के संगै करु रंगत जुवति न के रंगै कहैं सुनहि मुनि वर सौ ग्यानहि कहैं सा अ वट कहैं पुरानहि
छंद को वर निस कै विहार वहुं विधि चरित अग नित राम के अषद हं न दो नीचारि फल के करन मन स
द ग्राम के जो कहत सुनत सुजां न युहि तेहि सुलभ चारि उमुकति है मन रंजनी सत गेथ वहुं की यहि क
या महे उकुनि है सोरठा हरि के चरित अपार मौ वर नो मै मंद मति अपनी मति अनुसार वरनी कष्ट मुकु
ति दकथा दोला गुरुवानी है निवत शिव संत सिया राघु नाथ चरन कमल वेदन करत पुं निपुं निमन विमुना

अभि

१००

बाल
२६

जाइ पितादरवार पंनिकरि प्रनाम सुषदीन सोरठा वैठे पिनु दरवार रामचंद्र सव सखें नजुत भूपति परम
उदार तनै सहित राजत भयो ३७ चौपाई वैठे लसहि वीर छवें सी विरद प्रसंसहि विरद प्रसंसी क
धिको विद अरौ छिति गायक सोहैं सभा सवै सुषदायक चोलत चोप दारत हं भावै जो जंसते हिंस सक
हि वैठा वै दसरथ छत्र सुषत्र छत्री लो चारु चौर चहुं चोर चलै वर चंचल भए मनहुं बहु ससिकार
अतारो न अरु विजें न विसाला पान दां न धनु सर असि टाला चहुं दि सि धि जमत दार लिय है ॥
भूपति रुष मो चित दये है सिंहासन सविता संमखा जै दसरथ राज राज मधिराजै छंद तहं लस
हिं मंत्री आरु सिद्धारथ जयंत वषानियै कहि रे सुराट हुराष्ट वर धनु अरु अको पाहि जों निर औध
मंपाल स्वमंत सतिवादी नृपति हिंत को चहै नहि चहुं हिं स्वारथ स्वां मि अरपी दां न देत हिं सुष लहै सो
रठा रितु जय मंत्रि हुंदोइ चांम हुंदे वचशिष्ट कल मंत्री सव कोइ तिन के नाम गनावहुं ३८ चौ
पाई कसप औ सुभज जजवाली जिन के अनुपम वषा विसाली और मार कुंडे वहु गौतम कृत्वा यन जु
त मंत्री अनुपम गूढ मंत्र श्री ज्ञान हिं ज्ञानो विद्या विनै जु कि प्रहि चानो कारज निपुंन करन जे ज्ञाने वंल नि
रत आधुप सव जानै विक्रम दृढ अरु की रति वंता सावधान नृपकार जसंता सवै भूपकी अज्ञाकारी तेन

२६

११४५

११४५

वालकांडपत्रा १०० संख्या ३११

११४५